@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 8 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 333 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

न्यायपालिका या विधायिका अगर कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करे तो असांविधानिक: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की ओर से सरकार के काम में हस्तक्षेप पर एक बार फिर सवाल उठाते हुए कहा कि न्यायपालिका या विधायिका यदि कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करे तो यह लोकतंत्र और संविधान की प्रक्रियाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, निस्संदेह,

कार्यकारी शासन विशेष रूप से कार्यपालिका का काम है, जैसे कि विधायिका का कार्य विधायी और अदालतों का फैसले सुनाना है। उपराष्ट्रपति रविवार को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वरिष्ठ नेता डॉ. कर्ण सिंह के सार्वजनिक जीवन में 75 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह एक स्थापित तथ्य है क्योंकि कार्यपालिका शासन चलाने के लिए अकेले जिम्मेदार है। वह विधायिका (संसद या विधानसभाओं) के प्रति जवाबदेह है और अदालतों के माध्यम से उसके काम की न्यायिक समीक्षा हो सकती है। न्यायपालिका की ओर से कार्यकारी शासन चलाना, न्यायशास्त्र और क्षेत्राधिकारिक रूप से सांविधानिक पवित्रता के खिलाफ है। यह पहलू अब लोगों का ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह महत्वपूर्ण पहलू आपके (कर्ण सिंह) स्तर पर गहन विचार का आह्वान करता है। उन्होंने कहा कि, बौद्धिक समुदाय और अकादमिक जगत जैसा प्रभावशाली वर्ग लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली हथियार है। लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है कि वे स्वस्थ और ज्ञानवर्धक राष्ट्रीय संवाद को उत्प्रेरित करें ताकि संविधान की आत्मा के प्रति सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। इससे लोकतंत्र के विकास और संविधान की भावना और आत्मा के पोषण में संपूर्ण योगदान होगा।

मुइज्जू ने मदद के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद कहा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय समझौते और 30 अरब रुपये (360 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की सहायता प्रदान करने के भारत सरकार के फैसले के लिए धन्यवाद दिया। मुइज्जू ने कहा, मैं 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय समझौते के अलावा 30 अरब रुपये की सहायता प्रदान करने के भारत सरकार के फैसले के लिए आभारी हूं, यह मदद हमारे सामने मौजूद विदेशी मुद्रा से जुड़े मुद्दों को हल करने में सहायक होगा। पीएम मोदी और मुइज्जू ने आज राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद भारत ने आज नकदी की कमी से जूझ रहे मालदीव को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ट्रेजरी बिल रोल ओवर प्रदान किया, इसके अलावा दोनों पक्षों ने 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 3,000 करोड़ रुपये के मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास साझेदारी को नई दिल्ली-मालदीव संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि भारत ने हमेशा मालदीव के लोगों की प्राथमिकताओं को पहले रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विकास के लिए साझेदारी हमारे (भारत-मालदीव) संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हमने हमेशा मालदीव के लोगों की प्राथमिकताओं को पहला स्थान दिया है। इस साल, एसबीआई ने मालदीव के ट्रेजरी बेंच के 100 मिलियन डॉलर का रोलओवर किया। मालदीव की जरूरतों के अनुसार, 400 मिलियन डॉलर और 3000 करोड़ रुपये के मुद्रा स्वैप समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए... सितंबर में, भारत ने घोषणा की थी कि भारतीय स्टेट बैंक 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मालदीव सरकार के बॉन्ड में सब्सक्रिपशन लेगा। इससे पहले मई 2024 में, एसबीआई ने इसी तरह मालदीव सरकार के अनुरोध पर, उसी तंत्र के तहत 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के टी-बिल को सब्सक्राइब किया था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आज मालदीव

में लॉन्च किए गए रूपे कार्ड भुगतान के पहले लेनदेन को देखा। दोनों नेताओं ने द्वीप राष्ट्र में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आने वाले समय में भारत और मालदीव यूपीआई के माध्यम से जुड़ेंगे। पीएम मोदी ने आज नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ एक संयुक्त प्रेस बयान में कहा, कुछ दिन पहले, मालदीव में रूपे कार्ड लॉन्च किया गया था। आने वाले समय में, भारत और मालदीव यूपीआई के माध्यम से जुड़ेंगे। पीएम मोदी उन्होंने आगे कहा कि भारत की पड़ोस नीति और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत मालदीव का निकटतम पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सबसे पहले मैं राष्ट्रपति मुइज्जू और उनके प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत करता हूं। भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का निकटतम पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र है। मालदीव हमारी पड़ोस नीति और सागर विजन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे मुइज्जू का आज राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर मालदीव के राष्ट्रपति और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का स्वागत किया।

बेटे पर निशाना साधने की बजाय मुझसे करें मुकाबला: सीएम शिंदे

कौमी संवाददाता

मुंबई, 7 अक्टूबर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को शिवसेना (उद्धव) प्रमुख और अपने पूर्व नेता उद्धव ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा कि, वे उनके बेटे पर निशाना साधने के बजाय उनसे मुकाबला करें। ठाणे में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में सीएम एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के उन आरोपों का जवाब दे रहे थे। जो ठाकरे ने उनके बेटे और कल्याण लोकसभा सीट सांसद श्रीकांत शिंदे पर लगाए थे। सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए पूछा कि, वह किसी के बेटे की आलोचना क्यों करते हैं? इसके बजाय उसके पिता की आलोचना करें, जोकि एक चुनौती है। वे (ठाकरे) मेरे काम को मिली प्रतिक्रिया के कारण अंदर से टूट चुके हैं और इसीलिए वे इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि वह अपने काम से अपने विरोधियों के कटाक्षों का जवाब देंगे। एकनाथ शिंदे ने उन लोगों पर भी आरोप लगाया है जो कहते हैं कि उनके पैरों तले जमीन खिसक गई है। वहीं दूसरी ओर शिवसेना-यूबीटी के चीफ उद्धव ठाकरे ने शनिवार को उनका साथ छोड़कर जाने वाले नेताओं को साफ शब्दों में कहा कि चुनाव बाद उनकी पार्टी में वापसी नहीं होगी। उद्धव ने शनिवार को कहा था कि, किसी भी विश्वासघाती को पार्टी में एंट्री नहीं दी जाएगी। ठाकरे ने कहा कि राज्य की जनता बीजेपी और शिवसेना को विधानसभा चुनाव में उन्हें उनकी जगह दिखाएगी। डेढ़ महीने में ये विश्वासघाती हमारे पास नौकरी के लिए आएंगे क्योंकि वे जॉबलेस हो जाएंगे। मैं चुनाव के बाद किसी भी विश्वासघाती को नौकरी नहीं देने वाला हूं। इसी बीच महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सीएम एकनाथ शिंदे के गुट को बड़ा झटका लगा है। कल्याण डोंबिवली में शिंदे गुट के कई नेताओं ने उद्धव ठाकरे की पार्टी का दामन थाम लिया। रविवार को शिंदे समूह के युवा सेना सचिव दीपेश म्हात्रे, सात नगरसेवकों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं शिवसेना ठाकरे समूह में शामिल हो गए।

अब सरकार दिल्ली-एनसीआर में बेचेगी सस्ते टमाटर

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। त्योहारी सीजन सब्जियों के दाम बढ़ते जा रहे है। प्याज के बाद टमाटर के दाम भी आसमान छू रहे है। ऐसे में अब सरकार ने टमाटर को सस्ते दामों पर बेचने का फैसला लिया है। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और सफल के आउटलेट्स के जरिए दिल्ली और आसपास के शहरों में 65 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचे जाने की तैयारी कर रही है। उपभोक्ता मामलों विभाग से जुड़े लोगों का कहना है कि सब्जी मंडी में थोक और खुदरा कीमतों में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। कई व्यापारी बढ़ती मांग को देखते हुए ज्यादा रेट में टमाटर बेच रहे हैं। सरकार ने आम आदमी को राहत देने के लिए ये कदम उठाने जा रही है। इसलिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ थोक बाजारों से टमाटर खरीदकर उचित दरों पर बेच रहा है, ताकि बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर लगाम लगाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। आम लोगों को राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और सफल के आउलेट्स से सस्ते टमाटर बेचे जाएंगे। देश के कई शहरों में टमाटर 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। भिंडी, पालक, हरी मिर्च, लौकी के दाम भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। इस समय, प्रमुख शहरों में खुदरा टमाटर की कीमतें 80-90 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी हैं, जबकि तीन से चार हफ्ते पहले यह 40-50 रुपये प्रति किलो थी।

देश में समस्याएं पैदा कर रही भाजपा: रामगोपाल यादव

मैनपुरी, 7 अक्टूबर। मैनपुरी के करहल में एक मैरिज होम में समाजवादी पार्टी ने दिवाकर समाज का सम्मेलन आयोजित किया। यहां पहुंचे राज्यसभा सदस्य प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अब पूरी तरह फेल है। देश में भाजपा समस्याएं पैदा कर रही है। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार रोक नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा आरक्षण खत्म कर रही है। इन बातों पर बहस न हो इसके लिए भाजपा जनता को भटका रही है। उन्होंने कहा कि किसी के पैगंबर और भगवान पर किसी को बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन भारत की सीमाओं में घुस रहा है। सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। उन्होंने करहल समेत सभी 10 सीटों पर जीत का दावा किया।

उत्तराखंड में नौ नवंबर को लागू होगा यूसीसी

देहरादून, 7 अक्टूबर। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर नौ नवंबर को लागू होगा। रूल्स एंड रेगुलेशन कमेटी की आज आखिरी बैठक हुई। सूत्रों के हवाले से सामने आया कि इसकी नियमावली बनकर तैयार हो गई है। यह एक सप्ताह के भीतर मुख्यमंत्री धामी को नियमावली सौंप दी जाएगी। बता दें कि हाल ही में सीएम ने घोषणा की थी कि यूसीसी को नौ नवंबर को लागू किया जाएगा। लेकिन कमेटी का काम पूरा न होने के चलते यह पूरा होता नहीं दिख रहा था। अब रूल्स एंड रेगुलेशन कमेटी की बैठक में नियमावली पूरी होने की बात सामने आई है। जिससे कहा जा रहा है कि यूसीसी नौ नवंबर को ही लागू किया जाएगा।

नीतीश कुमार के फ्लोर टेस्ट में सरकार के साथ आए तेजस्वी के विधायक

सौरभ शर्मा

पटना, 7 अक्टूबर। आठ महीने बाद जब बिहार की आर्थिक अपराध इकाई की जांच रिपोर्ट में यह बात खुलकर सामने आ गई है कि हवाला डील के जरिए नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की खरीद-फरोख्त हो रही थी तो विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को उस दिन लगी एक बड़ी चोट का घाव फिर हरा हुआ नजर आता है। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव खुद मोर्चा संभालकर बैठे थे कि नीतीश कुमार फ्लोर टेस्ट में फेल कर जाएं। पैसों की लेनदेन महागठबंधन की ओर से कौन कर रहे थे, यह नाम सामने आना बाकी है। लेकिन, ईओयू की पड़ताल के बाद यह तो साफ हो गया है कि जिस खेला की बात तेजस्वी यादव कर रहे थे, वह उन्हीं पर भारी पड़ गया। बिहार में जब 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश का हवाला देते हुए एनडीए में वापसी की थी, उस समय से लेकर 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में बहुमत परीक्षण के बीच में महागठबंधन के नेता हर स्तर पर तैयारी कर रहे थे। राष्ट्रीय जनता दल की तैयारी जदयू के विधायकों को अपने साथ लाने की थी, जबकि कांग्रेस ने जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)

को खुला ऑफर दे रखा था। मांझी के बेटे को डिप्टी सीएम बनाने तक की बात थी। मांझी ने बाद में कहा भी था कि वह फ्लोर टेस्ट के अंपायर की भूमिका निभा रहे थे। ऐसा नहीं कि राजद सफल नहीं रहा, लेकिन वह संख्या में खेल नहीं कर सका। जदयू के एक ही विधायक मतदान के दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे। जबकि, राजद के तीन विधायकों ने नीतीश कुमार सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले ही एनडीए के खेमे में बैठकर तेजस्वी यादव की सारी योजना बर्बाद कर दी। 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार के बहुमत परीक्षण के दौरान क्रॉस वोटिंग की आशंका तेजस्वी यादव को भी थी। यही कारण है कि बाहुबली आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को तेजस्वी ने एक दिन पहले बुलाया और रातभर अपने साथ रखकर क्रिकेट खेलाया। चेतन आनंद को लेकर डर इसलिए था, क्योंकि नीतीश कुमार सरकार ने आनंद मोहन की रिहाई के लिए बोलकर और खुलकर प्रयास किए थे। आनंद मोहन को मिली राहत के बाद चेतन आनंद को कुछ चुकाना ही था। यही हुआ फ्लोर टेस्ट में। इधर जेल में बंद अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने राजद का साथ छोड़ सत्ता का साथ दिया। फ्लोर टेस्ट में ऐसा हो सकता है, यह सबसे पहले अमर उजाला ने वीडियो प्रमाण के साथ 28 जनवरी को ही दिखा दिया था। राजद की सरकार गिरने पर अनंत सिंह के घर पर खूब आतिशबाजी हुई थी।

इम्तिहान खत्म... अब एक दिन का इंतजार: हुड्डा

तेजिन्दर कौर बब्बर

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर। हरियाणा की 90 सीटों पर मतदान खत्म होने के बाद राज्य में नई सरकार के गठन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अधिकतर एग्जिट पोल ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान लगाया है। दस साल बाद हरियाणा में सत्ता वापसी के इस संकेत के बाद कांग्रेस जहां उत्साहित है, वहीं, मुख्यमंत्री पद की दौड़ को लेकर खींचतान भी शुरू हो गई है। दूसरी ओर, एग्जिट पोल को हवा-हवाई बताकर भाजपा खुद को तीसरी बार सत्ता की दौड़ में मजबूती से शामिल होने का दावा कर रही है। भाजपा का कहना है कि आठ अक्तूबर को नतीजे चौंकाने वाले होंगे। राज्य के प्रमुख क्षेत्रीय दल इनेलो को भी पिछले चुनाव के मुकाबले सुधार की आस दिख रही है। 2019 के विस चुनाव में इनेलो एक केवल सीट पर सिमट गया था, इस बार उसे अपने पुराने वोट बैंक के साथ तीन से पांच सीट मिलने की उम्मीद है। वहीं, पिछले चुनाव की किंगमेकर बनी जनता जननायक पार्टी (जजपा) के सामने अस्तित्व बचाने का संकट है। दिल्ली व पंजाब में सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी भी रेस में कहीं नहीं दिखती है। एग्जिट पोल के रुझानों की मानें तो कांग्रेस की सत्ता वापसी में जाट, सिख, मुस्लिम और दलित वोटों की गुटबंदी का अहम

रोल रहेगा। ओबीसी व सामान्य वर्ग का कुछ वोट भी कांग्रेस के हिस्से में आ सकता है। पिछले चुनावों की गलतियों से सीखते हुए कांग्रेस ने शुरुआत से ही पार्टी को 36 बिरादरी (हरियाणा की सभी जातियां) के रूप पेश किया। कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत जाट वोटों का लामबंद होना है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खुद को मजबूत जाट नेता दिखाकर इस वोट बैंक को क्षेत्रीय दलों में बंटने नहीं दिया। चुनाव से 48 घंटे पहले भाजपा के दलित नेता अशोक तंवर को शामिल कर कांग्रेस ने भाजपा के दलित कार्ड की रणनीति को भी परास्त करने की कोशिश की। किसान व पहलवान आंदोलन और अग्निवीर की योजना को लेकर भाजपा के खिलाफ जो नाराजगी थी, कांग्रेस को उसका भी फायदा मिलता दिख रहा है। एग्जिट पोल से उत्साहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा- लोगों ने उनकी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा की विफलताओं को देखते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। सैनी के तीसरी बार सरकार बनाने के दावे पर उन्होंने कहा- उनकी झूठ की दुकान है। जजपा नेता दुष्यंत चौटाला के दावे कि सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी पर हुड्डा ने कहा- आठ अक्तूबर को पता लग जाएगा कि उनकी चाबी खो गई है। एग्जिट पोल को दरकिनार करते हुए भाजपा अब भी उम्मीद पर कायम है। उसकी उम्मीद का आधार ओबीसी, सामान्य वर्ग और सरकार का लाभार्थी वोट बैंक है। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर होती तो मत प्रतिशत में बढ़ोतरी होती, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत में करीब एक फीसदी की गिरावट है। भाजपा के कैडर वोट के घर से नहीं निकलने के दावे पर पार्टी का कहना है कि इस बार पार्टी कार्यकर्ता ने 2019 के चुनाव से ज्यादा मेहनत की है। पार्टी का बूथ मैनेजमेंट कामयाब रहा है। पार्टी का दावा है कि 30 से ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। इन सीटों पर जीत हार का अंतर बहुत कम रहेगा और कुछ भी उलटफेर हो सकता है। वहीं, भाजपा की नजर निर्दलीय उम्मीदवारों पर भी है। छह ऐसे निर्दलीय उम्मीदवार हैं, जो चुनाव में मजबूत दिख रहे हैं। वहीं, सीएम नायब सिंह ने कहा- मतदान खत्म होने के बाद से उनके पास जो रिपोर्ट आ रही हैं, उसके आधार दावे के साथ कह सकता हूं कि हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा- हमारे कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की है। उनके पास जो रिपोर्ट आई है, उसके आधार पर बिल्कुल भी शंका व आशंका नहीं है।

मुदा घोटाला से ध्यान हटाने के लिए जाति जनगणना का मुद्दा उठाया: कुमारस्वामी

नरेश मल्होत्रा

बंगलूरू, 7 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर मुदा घोटाले से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जाति जनगणना का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार अपनी गलतियों को छिपाने के लिए इस मुद्दे के जरिए जनता को गुमराह कर रही है। कुमारस्वामी ने 10 साल पहले तैयार की गई रिपोर्ट की प्रासांगिकता पर भी सवाल उठाए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया ने आज पछड़े वर्ग के समुदाय के मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक की। उन्होंने सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार-विमर्श किया, जिसे जाति जनगणना के रूप में जाना जाता है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को बताया कि सरकार ने कैबिनेट के सामने जाति जनगणना रिपोर्ट रखने का फैसला किया है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 18 अक्तूबर को चर्चा के लिए इसे कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुमारस्वामी ने कहा, अगर वैज्ञानिक तौर पर बात करें तो कांथाराजू समिति का गठन कब हुआ था? इसका गठन 2014 में हुआ था, इसे दस साल हो गए। जाति जनगणना 10 साल पहले हो चुकी है। इन 10 वर्षों में कई विकास और बदलाव किए गए। पुरानी जनगणना रिपोर्ट को बिना जारी किए रखा गया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वर्षो पहले हुए जाति जनगणना से किसी भी समुदाय को लाभ नहीं हुआ। कुमारस्वामी ने कहा, मुझ पर (कांग्रेस द्वारा) आरोप लगाया गया कि मैंने रिपोर्ट जारी होने नहीं दी। सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपे हुए कितना समय हो गया? यह संसद चुनाव से पहले दिया गया था। उसके बाद से इसे लेकर कोई बात नहीं की गई। और अब मुडा घोटाले से जनता का ध्यान भटकाने के लिए राज्य सरकार जाति जनगणना का मुद्दा लेकर आई। के. जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने 29 फरवरी को सीएम सिद्धारमैया को ताजा रिपोर्ट सौंपी थी। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदाय लिंगायत और वोक्कालियाग ने सर्वेक्षण को लेकर आपत्ति जताई और इसे अवैज्ञानिक बताया। उन्होंने इसे खारिज करने की

मांग की। तत्कालीन सिद्धारमैया की सरकार ने 2015 में 170 करोड़ की अनुमानित लागत से सर्वेक्षण शुरू किया। तत्कालीन अध्यक्ष कंथाराजू के नेतृत्व में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था। सर्वे का काम 2018 मं समाप्त हुआ, लेकिन न तो इसे स्वीकार किया गया और न ही इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने कहा था कि जाति जनगणना रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए और लागू किया जाना चाहिए, भले ही इसके कारण सरकार चली जाए। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमारस्वामी ने कहा, उन्हें जाति जनगणना के मुद्दे पर चुनाव में जाने दें। उन्हें विधानसभा भंग करने दीजिए और फिर एक बार जाति जनगणना का वादा करके चुनाव में जाने दीजिए। बता दें कि 27 सितंबर को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती और अन्य लोगों के खिलाफ मुडा (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इस मामले में ईडी ने 30 सितंबर को मुडा द्वारा पार्वती बीएम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ पुलिस की एफआईआर के समान प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी।

आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खुद रतन टाटा ने किया खंडन

मुंबई, 7 अक्टूबर। टाटा समूह के दिग्गज रतन टाटा की अचानक तबीयत बिगड़ने की बात गलत निकली। उन्होंने खुद इन दावों का खंडन किया है। उन्होंने अपने आईसीयू में भर्ती होने के दावों को अफवाह करार दिया है। ट्वीट में भर्ती होने के दावों का खुद खंडन करते हुए रतन टाटा ने कहा, मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैल रहीं अफवाहों से अवगत हूं। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं। मैं फिलहाल अपनी उम्र और सेहत संबंधी जरूरी चिकित्सा जांच करवा रहा हूं। चिंता का कोई बात नहीं है। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। आपसे अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें। इससे पहले खबरें आईं कि उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद चेयरमैन को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दावा किया गया कि उनका ब्लड प्रेशर अचानक काफी गिर गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में रखा गया। हालांकि, कुछ ही देर बाद खुद रतन टाटा ने इन अफवाहों को निराधार करार दिया। रतन नवल टाटा, एक भारतीय व्यापारी, निवेशक, दानवीरऔर टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष हैं। वे टाटा समूह के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे भारत के दो सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण (2008) और पद्म भूषण (2000) से सम्मानित किए जा चुके हैं। वह प्रतिष्ठित कैथेड्रल और जॉन कानोन स्कूल, बिशप

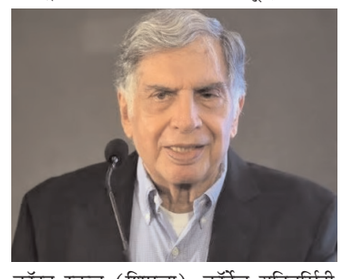

कॉटन स्कूल (शिमला), कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड के पूर्व छात्र हैं। टाटा ने मार्च 1991 में टाटा संस के अध्यक्ष का पद संभाला था और 28 दिसंबर 2012 को सेवानिवृत्त हुए। उनके कार्यकाल के दौरान टाटा समूह का राजस्व कई गुना बढ़ गया। यह राजस्व 1991 में महज 10,000 करोड़ रुपये के कारोबार से बढ़कर 2011-12 में 100.09 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया।

हिजबुल्लाह का दावा, उसके लड़ाकों ने इजरायली सेना को लेबनान में प्रवेश करने से रोका

एजेंसी

बेरूत। लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने इजरायली सैनिकों द्वारा मनारा की इजरायली बस्ती के पास सीमा पार करने के प्रयास को रोक दिया। आंदोलन ने एक बयान में यह दावा किया। बयान में कहा गया है, इस्लामी प्रतिरोध सेनानियों ने मनारा की बस्ती के पास दुश्मन के ठिकानों पर हमला किया। प्रेस सेवा के अनुसार, इज़रायली एम्बुलेंस सेवाएँ हमले की जगह से घायलों और मृतकों को निकाल रही हैं। सीमा पार करने की एक और कोशिश को ब्लिडा की सीमा बस्ती में रोक दिया गया।बयान में कहा गया है, दुश्मन बलों के एक समूह के खिलाफ तोपखाना हमला शुरू किया गया, जिससे उन्हें अपनी मूल स्थिति में पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इजराइल पर आतंकी हमले के 1 साल, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की बंधकों की तत्काल व बिना शर्त रिहाई की अपील

तेल अवीव। इजराइल पर हमास के आतंकी हमले के एक साल पूरे होने के बाद पश्चिम एशिया में भीषण युद्ध भड़कने का खतरा लगातार बना हुआ है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संदेश जारी कर हमास से बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को तत्काल और बिना शर्त रिहा करने की अपील की है। उन्होंने रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति को बंधकों से मिलने की अनुमति देने की भी अपील की है। एक्स पर वीडियो जारी कर संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमले ने आत्मा को झकझोर दिया। इस दिन हम उन सभी को याद करते हैं जिन्हें क्रूरतापूर्वक मार दिया गया और जिन्हें यौन हिंसा सहित अकल्पनीय हिंसा का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि 3 अक्टूबर को इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के इजराइल में प्रवेश पर पाबंदी लगाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इजरायली विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने एंटोनियो पर आरोप लगाया कि उन्होंने बीते साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर ईरान और हमास के हमले की निंदा नहीं की थी। इस तरह की घटना पर अगर कोई व्यक्ति किसी की निंदा नहीं करता है तो वो हमारे देश में घुसने का हकदार नहीं है।

अमेरिका के लास वेगास हवाई अड्डे पर विमान में लगी आग

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य नेवादा के लास वेगास में हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा हुआ, जहां फ्रंटियर

एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1326 में हार्ड लैंडिंग के दौरान अचानक आग लग गई।स्थानीय अधिकारियों और एयरलाइंस के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की।

गाजा में युद्ध का एक साल, 1.63 लाख से अधिक इमारतें मलबे में हुईं तब्दील

नई दिल्ली। इस्राइल-हमास युद्ध की वजह से फलस्तीन का गाजा शहर मलबों के ढेर में तब्दील हो गया है। पिछले एक साल में इस शहर में 4.2 करोड़ टन से अधिक मलबा जमा हो गया है। इसमें टूटी और ध्वस्त दोनों इमारतें शामिल हैं। चिंता की बात है कि मलबा हर दिन बढ़ता ही जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के उपग्रह डाटा के मुताबिक, गाजा की युद्ध पूर्व संरचनाओं में से दो-तिहाई यानी 1,63,000 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं या ढह गई हैं। इनमें से करीब एक तिहाई ऊंची इमारतें थीं। 2014 में गाजा में सात सप्ताह तक चले युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और उसके सहयोगियों ने 30 लाख टन मलबा साफ किया था, जो मौजूदा जमा मलबे का 7 फीसदी है। यूएनडीपी के गाजा कार्यालय के प्रमुख एलेसेंड्रो मराकिक ने एक अनुमान के आधार पर कहा, एक करोड़ टन मलबा साफ करने में 28 करोड़ डॉलर (2,352.84 करोड़ रुपये) का खर्च आएगा। इसका मतलब है कि अगर युद्ध अभी रुक जाए तो पूरे मलबे को हटाने में करीब 1.2 अरब डॉलर (10,083.64 करोड़ रुपये) खर्च होंगे। संयुक्त राष्ट्र ने अप्रैल में एक अनुमान के आधार पर बताया था कि मलबा हटाने में 14 साल लग जाएंगे।

नौ सौ से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने लेबनान छोड़ा

एजेंसी

कैनबरा। नौ सौ से अधिक आस्ट्रेलियाई लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा समन्वित सहायता प्राप्त प्रस्थान उड़ानों पर लेबनान छोड़ दिया है। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गयी। सरकार ने सोमवार को कहा कि 904 ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, स्थायी निवासी और उनके तत्काल परिवार के सदस्य सरकार द्वारा सुरक्षित विमान सीटों पर लेबनान छोड़ चुके हैं। सरकार ने आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए बेरूत से साइप्रस के लिए दो चार्टर उड़ानें संचालित कीं, जिसमें ध्वजवाहक क्वांटास और कतर एयरवेज साइप्रस से सिडनी के लिए कनेक्टिंग उड़ानें चला रहे है।

क्वांटास की पहली उड़ान रविवार रात को रवाना हुई और सोमवार की सुबह 349 आस्ट्रेलियाई लोगों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ उतरने वाली थी। तीन हजार 750 से अधिक आस्ट्रेलियाई लोगों ने लेबनान छोड़ने के लिए विदेश विभाग में पंजीकरण कराया है।

सरकार कई महीनों से लेबनान में आस्ट्रेलियाई लोगों से बार-बार देश छोड़ने का आग्रह कर रही है और चेतावनी दे रही है कि बेरूत हवाई अड्डा बंद हो सकता है। लेबनान में बुधवार तक अनुमानित 15 हजार आस्ट्रेलियाई थे। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए दो और उड़ानें शाम 6:30 बजे बेरूत से रवाना होने वाली हैं। और रात 11:45 बजे सोमवार को स्थानीय समय मांग, परिचालन क्षमता और सुरक्षा स्थिति के अधीन है।

आतंकवादियों ने दक्षिणी इजरायल में दागे तीन रॉकेट

एजेंसी

यरुशलेम। इजरायली सेना ने कहा है कि गाजा पट्टी से आतंकवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर रॉकेट हमला किया। इजरायली सेना के अनुसार आतंकवादियों ने अश्कलोन और लाचिश क्षेत्र रॉकेट दागे हैं। सेना ने बताया,'तीन प्रोजेक्टाइल उत्तरी गाजा पट्टी से इजरायली क्षेत्र में घुसते हुए पहचाने गए।' इजरायली सेना के अनुसार एक प्रोजेक्टाइल को रोक दिया गया, जबकि अन्य खुले क्षेत्रों में गिरे। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बाद में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन की सैन्य शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड ने दावा किया कि उसने इजरायल के अश्कलोन और गाजा की सीमा के पास कई बस्तियों पर रॉकेट दागे हैं। उल्लेखनीय है कि यह हमला गाजा में इजरायल के चल रहे सैन्य अभियानों की पहली वर्षगांठ से ठीक एक दिन पहले हुआ है। गत वर्ष सात अक्टूबर को हमास के लड़ाकों ने इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 मारे गए थे। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। उधर, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजरायल की ओर से किये जा रहे हमलों में लगभग 42,000 लोगों के मारे जाने की सूचना दी है।

बंगलादेश में कोथिन चिबोर दान नहीं मनाएगा बौद्ध भिक्खु संघ

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में चटगाँव हिल ट्रैक्ट्स के सम्मिलितो भिक्खु संघ ने इस साल प्राथमिक बौद्ध धार्मिक त्योहार 'कोथिन चिबोर दान' नहीं मनाने का फैसला किया है।

प्रोथोम अलो ने अपनी बताया कि चटगाँव हिल ट्रैक्ट्स में चल रही स्थिति और क्षेत्र में सुरक्षा की कमी के कारण बौद्ध भिक्षुओं ने आदेश जारी किए हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि रंगमती शहर में मैत्री बौद्ध बिहार के देशनालय (एक ऐसा स्थान जहाँ धार्मिक उपदेश दिए जाते हैं) में एक मीडिया सम्मेलन में यह घोषणा की गई। रिपोर्टों के अनुसार, महीने भर चलने वाला 'कोथिन चिबोर दान' नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने वाला था। चटगाँव हिल ट्रैक्ट्स के सम्मिलितो भिक्खु संघ ने संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें परबत्य भिक्खु संघ के अध्यक्ष श्रद्धालंकार महाथेरा ने एक लिखित बयान दिया। संवाददाता सम्मेलन में साधनानंद महास्थबीर बाना भंते के शिष्य और संघ के उपाध्यक्ष सौरजागत महाथेरा, महासचिव तेजप्रिया महाथेरा, पर्वतीय भिक्षु परिषद के बंदरबन अध्याय के

उपाध्यक्ष ज्ञानवंश महाथेरा और त्रिरत्न भिक्षु संघ की अध्यक्ष अग्निश्री महाथेरा और अन्य लोग शामिल हुए। इस मौके पर श्रद्धालंकार महाथेरा ने बताया कि 18-20 सितंबर और 01 अक्टूबर को खगराछारी और रंगमती में 100 से अधिक दुकानों को लूटा गया, तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई तथा सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई और बुद्ध की मूर्तियों और दान पेटियों को लूट लिया गया। इस बारे में बात करते हुए उपायुक्त मोशर्रफ हुसैन खान ने प्रोथोम अलो को बताया, 'हमने बौद्ध भिक्षुओं के 'कोथिन चिबोर दान' उत्सव न मनाने के फैसले के बारे में सुना है। जिला प्रशासन कल, सोमवार को उनके साथ बैठक करने वाला है। हम सुनेंगे कि वे वहां क्या कहते हैं। हमें लगता है कि कानून और व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।'

बंगलादेश में वर्षाजनित कारणों से सात लोगों की मौत

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश के शेरपुर जिले में जारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति तेजी से बिगड़ रही है, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी है और कई अन्य लापता हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना बुलानी पड़ी है।

स्थानीय अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, अब तक बाढ़ के कारण 28 यूनियन तथा शेरपुर के पांच उपजिलों या उप-विभागों में फैले 200 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं, जिससे 150,000 से अधिक लोग पेयजल से वंचित हो गये हैं।जिले की कई नदियों में जल स्तर बढ़ गया है, और नये स्थान जलमग्न हो रहे हैं। अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि फसलों और कृषि को काफी नुकसान हो सकता है। बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी), स्वयंसेवी समूह और स्थानीय अधिकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता कर रहे हैं। बंगलादेश सेना भी सुबह से बचाव प्रयासों में शामिल हो गयी। शेरपुर सदर और नोकला उपजिलों में छह और यूनियनें बाढ़ की चपेट में आ गयीं।शेरपुर की मोहर्शी, सोमेश्वरी, चेल्लाखाली, भोगई और मिरगी नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं, जिससे जिले में बाढ़ की स्थिति और भी खराब हो गयी है।

उद्घाटन के 16 महीने बाद भी शुरू नहीं हो सकी नेपाल-भारत की दूसरी कार्गो रेल सेवा

एजेंसी

काठमांडू। भारत के बिहार राज्य के जोगबनी से नेपाल के विराटनगर तक की कार्गो रेल सेवा के उद्घाटन हुए करीब 16 महीने हो चुके हैं लेकिन यह अभी भी शुरू नहीं हो सकी है। एक जून 2023 को नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की भारत यात्रा के दौरान दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संयुक्त रूप से जोगबनी से विराटनगर तक की कार्गो रेल सेवा का उद्घाटन किया गया था। इस पर आज तक एक भी कार्गो रेल नहीं चल पाया है। विराटनगर के व्यवसायियों को इस कार्गो रेल सेवा की शुरुआत होने से काफी उम्मीद थी लेकिन नेपाल सरकार की नीतियों के कारण इस रूट की कार्गो रेल सेवा का संचालन नहीं हो पाया है। विराटनगर उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष अनुपम राठी ने बताया कि नेपाल सरकार ने कार्गो रेल की कस्टम ड्यूटी इतनी अधिक रखी है कि उनके लिए कोलकाता पोर्ट से विराटनगर तक सामान मंगवाना बहुत महंगा सौदा है। नेपाल सरकार की कस्टम ड्यूटी से सस्ता तो कोलकाता से ट्रक से ही सामान लाना होता है। या फिर भारत के जोगबनी तक रेल से सामान मंगवाकर वहां से ट्रक से विराटनगर मंगवाना भी उससे सस्ता पड़ता है। कोशी प्रदेश उद्योग वाणिज्य संघ के सदस्य और वीतानगर के बड़े उद्योगपति श्रवण अग्रवाल ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि भारत सरकार के हजारों करोड़ रुपये के निवेश का फायदा नेपाली उद्योग जगत को नहीं मिल पा रहा है। अग्रवाल का नेपाल सरकार पर आरोप है कि भारत के साथ कार्गो रेल संचालन के समझौते पर हस्ताक्षर करते समय सामान्य बातों का भी खयाल नहीं रखा गया।

काठमांडू में होटल खरीद ऑनलाइन जुआ अड्डा चलाने के आरोप में 5 चीनी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के सबसे अधिक पर्यटक आने वाले ठमेल में नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चीनी नागरिकों की तरफ से संचालित एक होटल पर छापा मार कर 5 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि चीनी नागरिक इस होटल को खरीद कर यहां से ऑनलाइन जुआ खिलाने का काम कर रहे थे। काठमांडू पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रात ठमेल के एक होटल पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर नकद रुपए के साथ ऑनलाइन जुआ खिलाने के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन, मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि बरामद किया। क्राइम ब्रांच के प्रमुख टेक बहादुर राई ने बताया कि

होटल से जु केकियाङ (54 वर्ष), हुई पेङ (33 वर्ष), वेन जिमेइ (50 वर्ष), वाङ जिङ्यो (43 वर्ष) और लिउ सुन (38 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। एआईजी राई ने बताया कि पकड़े गए चीनी नागरिकों ने पांच वर्ष पहले ही इस होटल को खरीदा था। शुरू से ही जुआ अड्डा के लिए होटल का प्रयोग किया जाता रहा है। पुलिस की इस होटल पर पिछले कई दिनों से नजर थी क्योंकि जब से इस होटल को खरीदा गया, इसमें किसी भी बाहरी ग्राहक को नहीं रखा जा रहा था।

इस होटल में न तो कोई स्टाफ काम कर रहा था और न ही बाहर के किसी व्यक्ति को होटल में जाने की इजाजत थी। पांच वर्ष से बंद रहे इस होटल में रहने वाले चीनी नागरिक कभी-कभी सिर्फ रात को यहां से बाहर निकलते थे और अपने खाने-पीने का सामान खरीद कर फिर अंदर चले जाते थे। पुलिस ने बताया कि पिछले 6 महीने से इनकी गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी। पुलिस को आशंका होने पर वहां छापा मारा तो इसका खुलासा हुआ। राई ने बताया कि इस होटल के अलग-अलग कमरों से 28 लैपटॉप, 37 मोबाइल फोन, 49.78 लाख की नगदी के अलावा 12000 अमेरिकी डॉलर और 56 हजार चीनी युआन भी बरामद हुआ। पुलिस को कैसिनो में प्रयोग किए जाने वाले कई गेमिंग उपकरण भी मिले। पकड़े गए सभी चीनी नागरिकों को आज काठमांडू की जिला अदालत में पेश किया जाएगा।

करांची एयरपोर्ट के पास विस्फोट में तीन विदेशी नागरिकों की मौत, 17 घायल

एजेंसी

करांची। पाकिस्तान में करांची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास रविवार रात जोरदार विस्फोट में कम से कम तीन विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के न्यूज चैनल जियो न्यूज की खबर में इसका उल्लेख करते हुए कहा गया है कि विस्फोट की आवाज करीमाबाद, डिफेंस और जमशेद रोड सहित शहर के विभिन्न इलाकों में सुनी गई। जियो न्यूज के अनुसार, मालिर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एयरपोर्ट के ट्रैफिक सिग्नल के पास हुए इस विस्फोट की पुष्टि की। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने घटना के संबंध में मालिर एसएसपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वीडियो फुटेज में घटनास्थल पर धुआं छा गया और चारों तरफ आग फैल गई। हालांकि डॉन

समाचार पत्र ने उप महानिरीक्षक (पूर्व) कैप्टन (सेवानिवृत्त) अजफर महेसर के हवाले से कहा है कि इस विस्फोट में दो लोग मारे गए हैं। विस्फोट की चपेट में आए सात वाहन नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट की सटीक प्रकृति का पता लगाने में समय लगेगा। फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने पर ही साफ होगा कि यह आतंकवादी वारदात है या दुर्घटना। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है।

पुलिस अधिकारी डॉ. सुम्मैया सैयद ने कहा है कि एक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत कम से कम नौ घायलों को जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है। घायलों में से दो को क्लिफ्टन के एक निजी अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान पुलिस कांस्टेबल वकार अहमद (28) मोहम्मद इलियास (35), मोहम्मद नईम (51), रानू खान (35), अजीम मीर (45), तस्लीम नूर (48), अली रफीक (29), हमजा अतीक (28) और मोहिउद्दीन (30) के रूप में की गई है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक बयान में कहा गया कि उसकी सभी संपत्तियां सुरक्षित हैं और उड़ानें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रही हैं। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने कहा कि जांच चल रही है और अटकलों से बचना चाहिए। सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर ने बताया कि यह आईईडी विस्फोट है। विस्फोट के समय विदेशी नागरिकों का एक काफिला इलाके से गुजर रहा था। चैनल एआरवाई न्यूज के अनुसार, यह विस्फोट जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सिग्नल के पास हुआ।

आईडीएफ प्रवक्ता शोशानी ने याद की 'वो' रात...जिसने सब कुछ बदल दिया

तेल अवीव। इजराइल की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नादव शोशानी ने सालभर पहले की 'वो' वीभत्स रात याद की। सनद रहे यह 07 अक्टूबर 2023 की वही रात है, जब आतंकी संगठन हमास ने उस (इजराइल) पर हमलाकर 1200 से अधिक लोगों की जान ली और 251 निर्दोष व्यक्तियों को बंधक बनाकर युद्ध के लिए ललकारा। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के आधिकारिक एक्स हैंडल में लेफ्टिनेंट कर्नल नादव शोशानी ने लिखा है, '1,200 से अधिक लोग छुट्टियों के भोजन के बाद हमेशा-हमेशा के लिए सो गए। किसी पार्टी में जाने के लिए अपने घरों से निकले लोगों को नहीं पता था कि अगले दिन उनका जीवन समाप्त हो जाएगा।' उन्होंने लिखा, ' 251 लोगों ने अपनी रात शांति से बिताई। उन्हें नहीं पता था कि अगली सुबह उन्हें आतंकवादी बंधक बना लेंगे। यह रात हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदलने से पहले की आखिरी रात थी।'

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन देंगे श्रद्धांजलि इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के हवाले से कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन हमास के सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के साल पूरे होने पर सुबह याहरजिट में बने स्मारक में मोमबत्ती जलाकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी का कहना है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और सेकेंड जेंटलमैन डौग एम्हॉफ अपने नौसेना वेधशाला निवास पर अनार का पौधा रोपकर मारे गए बंधकों के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेपाली पूर्व राजा के भूटान में हुए राजकीय भ्रमण को प्रमुख दलों ने बताया षड्यंत्र

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र वीर विक्रम शाह चार दिनों की भूटान यात्रा पूरी करके काठमांडू वापस आ गए हैं। भूटान के संवैधानिक राजपरिवार ने भव्य तरीके से नेपाल के पूर्व राजपरिवार का स्वागत सत्कार किया है। नेपाल के प्रमुख दलों ने इसका विरोध करते हुए इसे नेपाल में राजतंत्र की पुनर्बहाली का षड्यंत्र करार दिया है। भूटान के राजा जिग्मे खेसर वांचुक के निमंत्रण पर पिछले हफ्ते भूटान पहुंचने पर नेपाल के पूर्व राजा का थिंपू के विमानस्थल पर स्वागत करने के लिए वहां की राजकुमारी स्वयं मौजूद थी। नेपाल लौटते समय आज थिंपू में पूर्व राजा को विदाई देने के लिए वहां के राजा वांचुक स्वयं आए थे। भूटान भ्रमण के दौरान हर कार्यक्रम में और थिंपू की सड़कों पर लगाए गए होर्डिंग में भी ज्ञानेंद्र शाह के नाम के आगे His Majesty King Gyanendra Bir Bikram Shah लिखा गया था। उनके भूटान भ्रमण को किसी वर्तमान राजा की तरह राजकीय बनाया गया था। भूटान में नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को जिस तरह का राजकीय सम्मान दिया गया, उससे नेपाल की राजनीति में खलबली मच गई है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों ने पूर्व राजा के भूटान भ्रमण को देश में राजतंत्र की पुनर्बहाली का षड्यंत्र बताया है। सत्तारूढ़ दल एमाले पार्टी के उपाध्यक्ष भीम आचार्य ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के भूटान भ्रमण को असामान्य बताते हुए इसकी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि नेपाल की सत्ता से हटाए गए पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को आखिर किस हैसियत से भूटान के राजा ने राजकीय भ्रमण का निमंत्रण दिया है। आचार्य ने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि पूर्व राजा की

गतिविधि से नेपाल में एक बार फिर लोकतंत्र की हत्या कर राजशाही की बहाली का षड्यंत्र तो नहीं किया जा रहा है? सत्ता में शामिल रहे नेपाली कांग्रेस के सह महासचिव मीन बहादुर विश्वकर्मा ने आशंका जताई है कि नेपाल के पूर्व राजा को राजकीय भ्रमण का निमंत्रण देने के पीछे कोई बड़ी अंतरराष्ट्रीय शक्ति काम कर रही है। विश्वकर्मा ने यह भी कहा कि नेपाल के पूर्व राजा के इस भ्रमण से उनके सत्ता में वापसी की छटपटाहट दिखाई दे रही है। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि नेपाल में फिर से राजतंत्र के पुनर्स्थापना की कोई भी संभावना बची है। माओवादी पार्टी के महासचिव देव गुरूंग ने नेपाल के पूर्व राजा के भूटान भ्रमण को एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र बताते हुए इसके पीछे लोकतंत्र विरोधी ताकत होने की बात कही है। देव गुरुंग ने कहा है कि माओवादी के 10 वर्षों के संघर्ष के बाद नेपाल से राजशाही को जड़ से खत्म किया गया था लेकिन माओवादी के सत्ता से बाहर होते ही नेपाल में राजतंत्र के पक्षधर लोगों को विदेशी ताकतों का सहयोग मिल रहा है। महासचिव गुरु ने कहा कि नेपाल की जनता अब इतनी जागरूक हो गई है कि वह नेपाल में फिर से राजशाही की बहाली नहीं होने देगी।

हम जनता को देते हैं रेवड़ी, भाजपा अपने 'मित्रों' को पहुंचाती है लाभ: संदीप पाठक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम मेंआम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता की अदालत में केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने जनसभा में लोगों में छह-छह रेवड़ियों के पैकेट भी बांटे। केजरीवाल ने कहा, भाजपा कहती है कि अरविंद केजरीवाल मुफ्त की रेवड़ी दे रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि मुफ्त की रेवड़ी देने वाला चोर है या फिर रेवड़ी अपने दोस्त को देने वाला चोर है। केजरीवाल के इस बयान के बाद आप और भाजपा नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है। आप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि छह रेवड़ियां प्रसाद की तरह हैं, जिसका लाभ जनता को मिल रहा है। सातवीं रेवड़ी प्रसाद के तौर पर थोड़े दिन में जनता को मिलेगी। उन्होंने कहा, भाजपा कहती है कि हम लोगों को रेवड़ी देते हैं, लेकिन सच यह है कि हम जनता को सुविधाएं दे रहे हैं। भाजपा सरकार अपने दोस्तों को सुविधा देती है। मेरा मानना है कि उनको जनता को सुविधा देने पर ध्यान देना चाहिए। हमें रेवड़ी देने से कोई गुरेज नहीं है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने जनसभा में कहा था, मैं ईमानदार हूं, इसलिए आज जनता के बीच सीना चौड़ा करके खड़ा हूं। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को छह मुफ्त की रेवड़ियां दी हैं और अब सातवीं रेवड़ी के रूप में महिलाओं को एक-एक हजार रुपये वाली रेवड़ी मिलने वाली है।

देश की जनता ने केजरीवाल को नकारा, अब दिल्ली की बारी : रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने एक विशाल जनसभा आयोजित की। इसमें दक्षिण दिल्ली के भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। पूर्व रमेश बिधूड़ी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान के बाद आए एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर कहा कि केजरीवाल को हरियाणा और जम्मू की जनता ने नकार दिया है, अब दिल्ली की जनता भी इनको नकारेगी। केजरीवाल की भ्रष्ट सरकार ने दिल्ली को लूटने का काम किया है। हरियाणा में सभी सीटों पर अरविंद केजरीवाल की जमानत जब्त होने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में इनका कुछ पता नहीं चल रहा है। उत्तर प्रदेश में 365 सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी और उत्तराखंड में 68 सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी। रमेश बिधूड़ी ने कहा कि अगर दिल्ली में आज मुझे बिजली चाहिए, तो ट्रांसफर लगाने के लिए जगह खरीद कर देनी पड़ेगी। इससे बड़ा ब्लंडर क्या हो सकता है। इसके बाद भी ऐसे लोग सत्ता में बने रहे। ये दिल्ली के लोगों के लिए शर्म की बात है। देश के लोग इनको नकार चुके हैं और अब दिल्ली के लोगों की बारी है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति खालिस्तानी उग्रवादी को छोड़ने के लिए अमेरिका के गुरुद्वारे से कई मिलियन डॉलर ले आता है और राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखकर 1996 के बम धमाके के खालिस्तानी आरोपी भुल्लर को छोड़ने का आग्रह करता है।

दिल्ली के मुस्तफाबाद में एनआईए की छापेमारी, संदिग्ध सामग्री बरामद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कई जगहों पर छापेमारी लगातार जारी है। इसी क्रम में एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी के उत्तर पूर्वी इलाके मुस्तफाबाद सहित कई जगहों पर छापेमारी की और संदिग्ध सामग्री बरामद की। एनआईए ने यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और स्थानीय पुलिस की मदद से की। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी के दौरान संदिग्ध सामग्री बरामद की गई और कुछ लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, साथ ही पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी शनिवार सुबह खत्म हुई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एनआईए की केस आरसी-13/24/एनआईए/डीएलआई के तहत जांच का हिस्सा है। इसके तहत आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क पर एनआईए छापेमारी कर रही है। इस कार्रवाई के तहत देश के पांच राज्यों में 22 जगहों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है। बता दें कि एनआईए और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने संयुक्त रूप से महाराष्ट्र में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। यह छापेमारी छत्रपति संभाजीनगर, मालेगांव और जालना समेत कई जगहों पर की गई, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल चार लोगों को हिरासत में लिया गया।

'राम' के जाने से रामलीला कमेटी में शोक, 32 साल से सुशील निभा रहे थे राम का किरदार

नई दिल्ली। रामलीला में राम का किरदार ही मुख्य होता है अगर राम ही नहीं होंगे तो रामलीला कैसे होगी। इसी लाइन के साथ विश्वकर्मा नगर रामलीला कमेटी ने तय किया है कि इस वर्ष रामलीला का मंचन नहीं होगा। दरअसल, विश्वकर्मा नगर में आयोजित होने वाली रामलीला में राम का किरदार निभाने वाले सुशील की मौत हो गई है। सुशील की मौत उस वक्त हुई जब वह रामलीला के दौरान एक गीत गा रहे थे। इसी दौरान, वह बैक स्टेज गए और अपने साथी कलाकार से कहा, मुझे चक्कर आ रहा है।सुशील के यह आखिरी बोल थे। इसके बाद उनका संतुलन बिगड़ा और वह गिर गए। आनन-फानन में कमेटी के लोगों द्वारा सुशील को निजी अस्पताल भेजा गया। लेकिन, डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद सुशील की जान नहीं बच सकी। सुशील के जाने से रामलीला कमेटी गमगीन है। कमेटी के उपाध्यक्ष सतेंद्र नागर ने कहा, कमेटी के लोगों में शोक की लहर है। रामलीला देखने वाले दर्शक भी काफी दुखी हैं।

एआई दुनिया के लिए परमाणु बम जितना खतरनाक - विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दुनिया के लिए परमाणु बम जितना खतरनाक बताते हुए कहा कि तेजी से उभर रही यह टेक्नोलॉजी पूरी दुनिया को अगले दशक में गहराई तक प्रभावित करेगी।

नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ और वित्त मंत्रालय की साझेदारी में आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि एआई आने वाले समय में काफी बढ़ने वाला है और देशों को इसके प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह वैश्विक इकोसिस्टम के लिए भी एक महत्वपूर्ण कारक बनने जा रहा है। दुनिया के लिए ÷एआई कुछ इतना खतरनाक होगा, जितने एक समय पर परमाणु बम थे। विदेश मंत्री ने कहा कि जनसांख्यिकी, कनेक्टिविटी और एआई वैश्विक व्यवस्था को बदल देंगे। अगले दशक में वैश्वीकरण को हथियार बनाया जा सकता है और दुनिया को इसे लेकर सतर्क रहना चाहिए। दुनिया में कई लोग इसे बेरोजगारी और क्रांति के अन्य नकारात्मक प्रभावों के लिए दोषी मानते हैंविदेश मंत्री ने कहा, वैश्वीकरण पर सामाजिक और

राजनीतिक प्रतिक्रिया ने पिछले दशक में गति पकड़ी है। वैश्वीकरण की वास्तविकताएं अनिवार्य रूप से संरक्षणवाद से टकराती हैं। जयशंकर ने आगे कहा कि आज के युग में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका केवल एक दर्शक की रह गई है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र एक पुराना बिजनेस है, जो जगह काफी ले रहा है, लेकिन दुनिया के मुताबिक बदल नहीं रहा है। मध्य पूर्व के देशों में चल रहे संघर्ष पर जयशंकर ने कहा कि आज के समय में लड़ाई केवल आर्थिक गलियारा, जमीन और समुद्र के लिए हो रही है, लेकिन भविष्य में लड़ाइयां जलवायु परिवर्तन के लिए भी होंगी।

राहुल की महिलाओं से 'शक्ति अभियान' से जुड़ने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महिलाओं की राजनीति में भागीदारी को आवश्यक बताते हुए देशभर की महिलाओं से पार्टी के 'शक्ति अभियान' से जुड़ने की अपील की है।

श्री गांधी ने सोशल प्लेटफॉर्म फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि पर यह अपील करते हुए महिलाओं से राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए इस अभियान से जुड़ने का आग्रह किया है ताकि देश की आधी आबादी को उनका हक मिल सके। श्री गांधी ने कहा,÷महिलाएं हमेशा से हमारे समाज और राजनीति की एक महत्वपूर्ण शक्ति रही हैं, फिर भी संसद और विधानसभाओं में नेतृत्व की भूमिकाओं में असमानता बनी हुई है। सच्ची समानता के लिए इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'आधी आबादी, पूरा हक' की सोच के साथ हम इस लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं। यदि आप भी यह बदलाव लाने के लिए तैयार बदलाव लाने के लिए बेहद अहम है।उन्होंने महिलाओं से अपील की और कहा, आइए, गांव से लेकर राष्ट्र

हैं, तो 'शक्ति अभियान' से जुड़ें। आपकी भागीदारी ज़मीनी स्तर पर संगठन को मज़बूत बना कर असली तक हम इस परिवर्तन के प्रतिभागी बनें और आज ही 'शक्तिअभियान डॉटइन' पर रजिस्टर करें।

डीजीपी रश्मि शुक्ला के सेवा विस्तार की हो समीक्षा

मुंबई, 7 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को देखते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस ने भारतीय चुनाव आयोग से एक बार फिर डीजीपी रश्मि शुक्ला के सेवा विस्तार की समीक्षा करने की मांग की है। कांग्रेस ने कहा कि उनकी नियुक्ति राजनीति से प्रेरित है और इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने लगातार दूसरी बार इस मांग को लेकर चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। पटोले ने कहा कि डीजीपी शुक्ला को दिया गया दो साल का सेवा विस्तार महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम का उल्लंघन है। कांग्रेस ने कहा कि शुक्ला को जनवरी 2024 में डीजीपी नियुक्त किया गया था। कांग्रेस के अनुसार शुक्ला 30 जून 2024 को सेवानिवृत्त होने वाली थीं। इसके बाद उनको जनवरी 2026 तक सेवा विस्तार दे दिया गया। पटोले ने कहा कि डीजीपी रश्मि शुक्ला को संभावित विधानसभा चुनावों के इतने करीब समय में दिया गया सेवा विस्तार संदेह पैदा करता है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि यह फैसला राजनीति से प्रेरित है, जो संभावित रूप से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है। पटोले ने चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई करने और शुक्ला की नियुक्ति और विस्तार की समीक्षा करने का आग्रह किया। पटोले ने कहा कि सेवा विस्तार की समीक्षा न केवल महाराष्ट्र के पुलिस बल की अखंडता के लिए बल्कि पूरे भारत में पुलिस प्रशासन के भविष्य के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्ला को दिया गया सेवा विस्तार सरकारी कार्यों की निष्पक्षता को कम करता है। नाना पटोले ने कहा कि रश्मि शुक्ला के कार्यकाल को उनकी मूल सेवानिवृत्ति तिथि से आगे बढ़ाना महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है, जो डीजीपी के लिए दो साल के कार्यकाल को अनिवार्य करता है। बशर्ते कि इस अवधि के दौरान उनकी सेवानिवृत्ति न हो। उनका कार्यकाल बढ़ाकर सरकार ने नियम का उल्लंघन किया है। इससे कानून के पालन के बारे में चिंताएं बढ़ गईं हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह फैसले का हवाला देकर सेवा विस्तार को सही ठहराने की राज्य सरकार की दलील भ्रामक है।

NAME CHANGE
I, Shweta Dhanuka W/o Vivek Dhanuka R/o Life-1005,The Seven Lapms,Vatika India Next, Sector-82, Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Name To Shweta Gupta For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, SHURUTIKA D/O KULDEEP KASHYAP residing at 46 BALAJEE TOWER FIRST FLOOR GANDHI MARKET MINTO ROAD DELHI-110002 have changed my name to SHURUTIKA KASHYAP for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-441773H Rank-SUB Name-S SELVARAJ Father of DHARSHANA SRI Residing at VILL-GENGUVARPATTI, PO-G KALLUPATTI, TEHSIL-PERIYAKULAM, DISTT-THENI, TAMIL-NADU-625203 have changed my minor daughter's name from DHARSHANA SRI to DHARSHANA SRI S for all future purposes vide affidavit dated 21/09/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JALEA SINGH father of JC-491849N Rank-SUB Name-KIRAN PAL SINGH R/O VILL-KURANA, TEH-KHANDERA, DIST-ALIGARH, UTTAR PRADESH-202137 have changed my name from JALEA SINGH to JALAI SINGH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1942 instead of my correct date of birth as 01/01/1936 Vide Affidavit dated 25/09/2024 before Notary Public Uttar Pradesh.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jogender Kumar S/O Chander Bhan, R/O -72, Mundhela Khurd, South West Delhi, Delhi - 110073 declare that name of mine has been wrongly written as Joginder Kumar in my minor daughter Kirti aged 13 years in her school record, The actual name of mine is JOGENDER KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is given to the public at large that I, MOHIT MUTNEJA applied to transfer the property bearing Unit No. AAC-05 (Hall), First Floor, Shipra Krishna Azure Kaushambi, Ghaziabad, Uttar Pradesh in his favour from Neeru Sadana and Gulshan Kumar Sadana. However members of public are hereby notified that if anyone having any adverse claim in respect of said property of whatsoever nature are hereby advised to place their claim within 14 days from present publication and contact in the office of respective Builder/undersigned with appropriate written evidences. Please note that claims received without written evidence will not be considered.
MOHIT MUTNEJA
M.: 9315110149

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANIL S/O SHARAN KUMAR CHAUHAN R/O D-571, GALI NO-5, ASTHA VIHAR, PREM NAGAR-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, SULTANPURI C BLOCK, DIST NORTH WEST DELHI-110086 have changed my name and shall hereafter be known as AAKASH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARENDER KUMAR S/O NARESH R/o H NO-194-195, T BLOCK, MANGOL PURI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110083, declare that name of mine has been wrongly written as NARENDER in my minor daughter HANSIKA aged 15 years in her school records . The actual name of mine is NARENDER KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JC-441774L Rank-SUB Name-K SANGIAH Father of SABAREESH R/o VPO-CHINNAMANUR, TEH-UTHAMMAPALAYAM, DIST-THENI, TAMIL NADU-625515 have changed my minor son's name from SABAREESH to S SABAREESH for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is given to the public at large that I, MOHIT MUTNEJA applied to transfer the property bearing Unit No. AAC-04 (Hall), First Floor, Shipra Krishna Azure Kaushambi, Ghaziabad, Uttar Pradesh in his favour from Gulshan Kumar Sadana HUF. However members of public are hereby notified that if anyone having any adverse claim in respect of said property of whatsoever nature are hereby advised to place their claim within 14 days from present publication and contact in the office of respective Builder/undersigned with appropriate written evidences. Please note that claims received without written evidence will not be considered.
MOHIT MUTNEJA
M.: 9315110149

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल बालेश्वर पासवान पुत्र श्री झरी लाल पासवान एवं श्रीमती पुनीता देवी पत्नी श्री बालेश्वर पासवान निवासीगण प्रथम तल, बाबा हरिदास, गीताजंलि इंक्लेव खतौनी नं0 531, खसरा नं0 115/13, नई दिल्ली-110072 ने अपने पुत्र दीपक कुमार एवं पुत्रवधु प्रिया कुमारी पत्नी श्री दीपक कुमार को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इनके किसी भी प्रकार के गैर कानूनी कार्य से मेरे मुव्वकिल की कोई जिम्मेदारी नही होगी। आज के बाद मेरे मुव्वकिल के परिवार के किसी भी सदस्य से इनका कोई सम्बन्ध नही रहेगा। अगर मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु किसी व्यक्ति से किसी प्रकार का लेनदेन करते है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगें।
मौहम्मद शहजाद अधिवक्ता
Ch.No. 371, Patiala House Court
Advocate New Delhi-110001

NAME CHANGE
I, JC-441773H Rank-SUB Name-S SELVARAJ Father of DEEPIKA SRI Residing at VILL-GENGUVARPATTI, PO-G KALLUPATTI, TEHSIL-PERIYAKULAM, DISTT-THENI, TAMIL-NADU-625203 have changed my minor daughter's name from DEEPIKA SRI to DEEPIKA SRI S for all future purposes vide Affidavit dated 21/09/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ARVIND KUMAR JAIN G S/O MUKESH KUMAR JAIN residing at H NO-19A,2ND FLOOR, SCHOOL LANE, NEAR LAL MANDIR, RADHEY PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to JITENDER KUMAR JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, J ANURADHA Mother of No.16119579X Rank-NK Name-JIDUGU MANOHAR BABU Presently residing at VPO-ETUKURU, TEH+DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522017 have changed my name from J ANURADHA to JIDUGU ANURADHA for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
मैं, नं.14844611M हवलदार कपिल कुमार पुत्र घनश्याम सिंह, निवासी वीपीओ-मजूपुर, तह-इगलास, जिला-अलीगढ़, उत्तर प्रदेश-202140, ने नोटरी पब्लिक दिल्ली के समक्ष दिनांक 03.10.2024 को हलफनामा देकर सभी प्रयोजनों के लिए अपनी नाबालिग बेटी का नाम युक्ति से बदलकर युक्ति कुमारी कर दिया है।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NEETU CHAUDHARY D/O RAVINDRA SINGH R/O PLOT NO-80/1/14, GALI NO-2, SHIV VIHAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094, hereby undertake that I, NEETU CHAUDHARY want to change my name to DARSH CHAUDHARY and Gender as MALE. I, NEETU CHAUDHARY, henceforth be known as DARSH CHAUDHARY S/o RAVINDRA SINGH, the above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and, The Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom.

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed to all concerned that my client, MRS. HUSHNARA BEGAM W/O MD. KHALIL, AND MD. KHALIL S/OMD FIDA HUSSAIN, RESIDING ?? ? ??.-596, KHAN-54/2, 54/8, GALI-12, NANGLI VIHAR, EXTENSION PHASE-3, BAPROLA, BAPROLA, WEST DELHI, DELHI 110043, have debarred/separated/disconnected all ties/relations with ALI RAJ ALI S/O SAFIK MIYA AND AJBUN KHATOON R/O WARD NO.01, BAGAHI TAMOLIYA TOLA, BAIRIA, WEST CHAMPARAN, BAIRIA FARM, BIHAR-845438, who is not residing with us but they took care of him for his studies and food upon the request of his real parents but now he is trying to encroach illegally, to take illegal possession of their hard-earned properties movable or immovable and claiming himself their son and creating a threat to them, therefore, Due to his inappropriate and bad habits/behavior, physical/mental assault, threats of false legal action, and issues related to property encroachment and lack of control, they have debarred/separated/disconnected all ties/relations with him. Henceforth, if the aforementioned, person ALI RAJ ALI S/O SAFIK MIYA AND AJBUN KHATOON, engages in any transactions/acts/omissions/commissions/deeds or behaves in any manner, unlawfully or immorally or any other means, with my client or anyone. In that case, he will be solely responsible for such transactions/acts/omissions/commissions/deeds. My client shall have no involvement or accountability or liability or responsibility in this regard.
SANTOSH KUMAR
ADVOCATES
Chamber No. 839, Dwarka Court
Complex, New Delhi-110075

NAME CHANGE
It is for general information that I, ASHIQ ALI S/o BABU KHAN R/o House No. 3292, Gali No. 22-B, New Mustafabad, Rajiv Gandhi Nagar, Mustafabad, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as AASHIQ ALI and NAZIA PARVEEN in my minor son's namely MOHD RIHAN in his CBSE 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my wife are ASHIQ ALI and NAZIYA PARVEEN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as BABLI WALIA alias RAVINDER WALIA W/O BABLOO SINGH WALIA R/O HOUSE NO-4104, DLF PHASE-4, GALLERIA DLF-IV, GURGAON, HARYANA-122009 have changed my name and shall hereafter be known as RAVINDER WALIA.

NAME CHANGE
I, MANOJ KUMAR TOMER S/O VED PRAKASH SINGH residing at S-208, S BLOCK, PANDAV NAGAR, DELHI 110092 have changed my name to MANOJ KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KHURSHEED AHMAD S/o MOHAMMAD AQIL R/o B-509, Street No. 13/6, Subhash Vihar, North Ghonda, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as KHURSHID AHMED and RAZIYA in my minor daughter's namely ZENAB NAAZ aged 14 years, in her School Records and Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0110-004564372. The actual name of mine and my wife are KHURSHEED AHMAD and RAZIA SULTANA respectively, which may be amended accordingly.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Sh. Sushil Kumar who is the owner of Residential House Area measuring 200, sq. Yds. out of Khasra no. 348, Situated at Vandana Enclave, Village Khora, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad. Vide Sale Deed dated 20.09.2016 executed by Smt. Mamta in favour of Sh. Sushil Kumar. In respect of the said property. Doc no.10324, Vol no. 11632, Book no. 1, pages no. 1-94, SRO-II Ghaziabad. That Original Sale Deed dated 27/12/1987 executed by Khemraj in favour of Mrs. Chandrakanta. in respect of the said property. (Doc No. 3676), and Original GPA dated 27/10/1995 executed by Mrs. Chandrakanta in favour of Mr. Ahsan Asgar in respect of the said property., and Original GPA dated 01/11/1996 executed by Mr. Ahsan Asgar in favour of Mr. Jugender Pal in respect of the said property. Were lost on 10/02/2002 duly reported to police as per police complaint dated 04/10/2024 in the police station Crime Branch, Delhi bearing LR No:2176163/2024. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 7/10/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mrs. Sanju Chaudhary is the owner of Third Floor with roof rights on Property Bearing No. 448, out of Khasra No. 642, situated at Village Chandrawali alias Shahdara ion the abadi of Maharam Mohalla, Bhola Nath Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110032 vide Gift Deed dated 20.11.2019 executed by Mr. Jitender Chaudhary in favour of Mrs. Sanju Chaudhary in respect of said property. Regd. as document No. 8927, Vol No. 2081, on Pgs., 130- 139, on dated 21.11.2019, SR-IVB, Delhi.) Initially, Khatoni issued by concerned Patwari showing in the name of Mr. Devi Sharan in respect of entire property. Later, who executed GPA dated 24.03.1989 in favour of Mr. Satish Kumar in respect of entire property. Later, who executed GPA dated 22.03.1994 in favour of Mrs. Daya Wati in respect of entire property. Later, who executed Sale Deed dated 03.02.2004 in favour of Mr. Jitender Chaudhary in respect of entire property Finally Gift Deed dated 20.11.2019 executed in favour of my abovementioned client who will be mortgaging the said property with Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 7/10/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHILPA KHATRI D/o SATYA PRAKASH KHATRI W/o MANISH ARORAA residing at AP -78 , Shalimar Bagh Delhi 110088 have changed my name and shall hereafter be known as SHILLPA ARORA.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as RAHUL S/O BABURAM PAL R/O Gadriyan Purwa, Nagwa Nawabganj, Nagwa, PO: Nawabganj, DIST: Gonda, Uttar Pradesh - 271303 have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR PAL

NAME CHANGE
I Etwari Lal Sheria S/O Jiva Ram R/O 31-D, L-Block, DDA Flats, Saket, New Delhi 110017 Have changed my name to Itwari Lal Sheria for All future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 14839861K, Rank-HAV, Name-MRITUNJAY KUMAR S/o AJAY KUMAR Residing at VPO-PITWANS, PS-NAUBATPUR, TEH-DANAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-804452 have changed my minor son's name from ADRASH RAJ to ADARSH RAJ for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. 14839861K, Rank-HAV, Name-MRITUNJAY KUMAR S/o AJAY KUMAR Residing at VPO-PITWANS, PS-NAUBATPUR, TEH-DANAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-804452 in my service records my father's (AJAY KUMAR) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 08/01/1961 vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public, Delhi.

COURT NOTICE
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5 rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF Sh. Tarun Yogesh, P.O, MOTOR ACCIDENT CLAIM TRIBUNAL- 01 COURT NO. 03, DWARKA COURT, NEW DELHI.
MACT/927/22
NARESH KHANDELWAL & ORS
VS.
HARMINDER SINGH & ORS
To,
RESPONDENT NO.2
SONALI BAKSHI
W/O SH. DEEPAK BAKSHI R/O H.NO. 1168, SECTOR 43B CHANDIGARH-160036
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
Whereas claim petition under section 166 & 140 of Motor Vehicle Act. 1988 is filed for compensation in this case, by the petitioner NARESH KHANDELWAL & ORS on account of fatal sustained to his wife in a road accident dated 01.07.2022.
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 15-10-2024 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
GIVEN under my hand and the seal of the court, this 01st day of Oct, 2024.
(TARUN YOGESH)
PO./MACT-01 NEW DELHI.

COURT NOTICE
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5 rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF Sh. Tarun Yogesh, P.O, MOTOR ACCIDENT CLAIM TRIBUNAL- 01 COURT NO. 03, DWARKA COURT, NEW DELHI.
MACT/924/22
LUCKY
VS.
HARMINDER SINGH
To,
RESPONDENT NO.2
SONALI BAKSHI
W/O SH. DEEPAK BAKSHI R/O H.NO. 1168, SECTOR 43B CHANDIGARH-160036
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
Whereas claim petition under section 166 & 140 of Motor Vehicle Act. 1988 is filed for compensation in this case, by the petitioner LUCKY on account of injury sustained to his wife in a road accident dated 01.07.2022.
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 15-10-2024 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
GIVEN under my hand and the seal of the court, this 01st day of Oct, 2024.
(TARUN YOGESH)
PO./MACT-01 NEW DELHI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRAGATI GROVER D/O NARESH GROVER, Ex. W/O RAHUL KAILA, R/O 714, Neelkanth Apartment, Sector- 13, Rohini Sector - 7, North West Delhi-110085, declare that I got divorce from my husband RAHUL KAILA vide court decree HMA No. 1340/2024, dated 18/05/2024, further I have changed the name of my minor daughter namely DEMIRA KAILA, aged 3 years and She shall hereafter be known as DIVISHA GROVER.

NAME CHANGE
I, No. 14839861K, Rank-HAV, Name-MRITUNJAY KUMAR S/o AJAY KUMAR Residing at VPO-PITWANS, PS-NAUBATPUR, TEH-DANAPUR, DIST-PATNA, BIHAR-804452 have changed my mother's name from SONAINA DEVI to SUNAINA DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1962 vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VARSHA is legally wedded spouse of No. 2803344X Rank- HAV, Name-PASTE UMESH BHAGWAN R/O VILL KALAMBIST, POST KALAMBIST, TEH SAWANTWADI, DIST SINDHUDURG, STATE MAHARASHTRA, PIN 416531, have changed my name from VARSHA to VARSHA UMESH PASTE for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL66382501427778W dated 04.10.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, YASMEEN D/o ASHIQ ALI R/o House No. 1914, Gali No. 19, Rajiv Gandhi Nagar, Mustafabad, Gokal Puri, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as ASIK ALI and NAJIYA PARVEEN in my CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are ASHIQ ALI and NAZIYA PARVEEN respectively, which may be amended accordingly.

COURT NOTICE
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5 rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF Sh. Tarun Yogesh, P.O, MOTOR ACCIDENT CLAIM TRIBUNAL- 01 COURT NO. 03, DWARKA COURT, NEW DELHI.
MUKESH KUMAR KHANDELWAL & ORS
VS.
HARMINDER SINGH & ORS
To,
RESPONDENT NO.2
SONALI BAKSHI
W/O SH. DEEPAK BAKSHI R/O H.NO. 1168, SECTOR 43B CHANDIGARH-160036
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
Whereas claim petition under section 166 & 140 of Motor Vehicle Act. 1988 is filed for compensation in this case, by the petitioner MUKESH KUMAR KHANDELWAL & ORS on account of fatal sustained to his wife in a road accident dated 01.07.2022.
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 15-10-2024 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
GIVEN under my hand and the seal of the court, this 01st day of Oct, 2024.
(TARUN YOGESH)
PO./MACT-01 NEW DELHI.

सार्वजनिक सूचना
मैं, नं.14844611M हवलदार कपिल कुमार पुत्र घनश्याम सिंह, निवासी वीपीओ-मजूपुर, तह-इगलास, जिला-अलीगढ़, उत्तर प्रदेश-202140, ने नोटरी पब्लिक दिल्ली के समक्ष दिनांक 03.10.2024 को हलफनामा देकर सभी प्रयोजनों के लिए अपनी नाबालिग बेटी का नाम प्राची से बदलकर प्राची कुमारी कर दिया है।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती भावना नागर पुत्री श्री हरिंदर सिंह दिनांक 18 के विक्रय विलेख के आधार पर खसरा संख्या 962 में से 100 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 10 की मालिक हैं, जो रॉयल सिटी, ग्राम अच्छेजा परगना और तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में स्थित है। दिनांक 18.10.2022 दस्तावेज़ संख्या 36058 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 21979 पृष्ठ संख्या 169-188 एसआर दादरी के रूप में नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी वसीयत का उत्परिवर्तन / प्रोबेट आदेश दिनांक 23.10.2020 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य व्यक्ति ऐसा करता है उक्त संपत्ति पर उनका कोई अधिकार नहीं है, और बेची गई संपत्ति श्रीमती इंदु भूषण कुमारी पत्नी श्री रणजीत सिंह की है और इसका वित्त पोषण इंडसइंड बैंक लिमिटेड शाखा-गाजियाबाद, यू.पी. द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as Nidhi chauhan W/O Ranjeet Singh,R/O WZ-339, Naraina Village, South West Delhi, Delhi - 110028 have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI CHOUHAN.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHANKAR son of Late RAM SIROMAN, employed as Peon in the PWD Government of Rajasthan, residing at N7/A-25, B-Block, Shahid Sukhdev Nagar, Wazirpur Industrial Area, North West Delhi-110052, have changed my name and shall hereafter be known as SHANKAR KUMAR GAUTAM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JATIN SINGH S/o RAJEEV SINGH R/o H.No. C-65/1, Street No.-6, Near Balaji Mandir, Brahmpuri, Delhi, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of my mother has been wrongly written as ANJU SINGH in my CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my mother is ANJU RANI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, BHOOPENDER AGGARWAL S/o SUBHASH CHAND AGGARWAL, residing at G-13, Sector-12, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed the name of my minor daughter ANGEL AGGARWAL aged 12 years and she shall be hereafter known as ANIKA AGGARWAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, MANISHA is legally wedded spouse of No. 2808529H Rank- HAV, Name-SULAGAVE SANTOSH RAGHUNATH R/O VILL-EKONDI, POST- EKONDI, TEH-KAGAL, DIST- KOLHAPUR, PIN - 416232, STATE - MAHARASHTRA, have changed my name from MANISHA to MANISHA SANTOSH SULAGAVE for all future purposes. Vide affidavit No. IN-DL66379719545841W dated 04.10.2024 before Public Notary Delhi

COURT NOTICE
In The Court Of XVIII Additional District Session Judge, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: गौरव प्रग्यानन
आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया सहिता 100% के अन्तर्गत प्राकामान है।
(EX8. 0000004/702)
Process 10-/2024
पेशी दिनांक:18/10/2024
पप्पू एंड राजू ट्रांसपोर्ट कंपनी,............वादी
सुरेन्दर कौर.............. प्रतिवादी
(1) सुरेन्दर कौर पिता स्व0 भाग सिंह पता निवासी ए 18 महेंद्र एंक्लेव, तृतीय मंजिल, मॉडल टाउन, जी टी के रोड दिल्ली 33
(2) तखविंदर सिंह पिता स्व0 भाग सिंह पता निवासी ए.38 महेंद्र एनक्लेव तृतीय मंजिल मॉडल टाउन जी टी के रोड दिल्ली 33
(3) रामशरीख पिता वसंत सात पता- निवासी ग्राम ठाकुर रामपुर तह मऊ जिला मऊ मप्र
यह कि प्रार्थी पप्पू एंड राजू ट्रांसपोर्ट कंपनी ने आपके विरूद्ध निष्पादन वी। आवेदन पत्र वास्ते डिक्रीधन की राशि मय व्याज के 929790 अंकन नौ लाख उन्नतीस हजार सात सौ नब्बे रूपये बैंक गारंटी प्रदर्श पी 89 से मय ब्याज के डिक्रीधारी को दिलाये जाने बावत। के लिए वाद संस्थित किया है. आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है. आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर। अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस बाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधरित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावे।
यह आज तारीख 11 September 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया
(गौरव प्रज्ञानन)
जिला न्यायाधीश
(अठ्ठरावें)
जबलपुर (म.प्र.)

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jogender Kumar S/O Chander Bhan, R/O -72, Mundhela Khurd, South West Delhi, Delhi - 110073 declare that name of mine has been wrongly written as Joginder Kumar in my minor son Gourav aged 11 years in his school record, The actual name of mine is JOGENDER KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, AIHOLLI DEEPALI MALAKARI Wife of No-16129364M Rank-SPR Name-SATISH KUMAR Presently residing at VPO-ALUR, TEH-INDI, DIST-VIJAYAPURA, KARNATAKA-586111, have changed my name from AIHOLLI DEEPALI MALAKARI to DEEPALI SATISHKUMAR NANDARAGI for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Surender Nagar S/O Ram Fal ,R/O-E-322, Gali No-7, Jagjit Nagar, Garhi Mendu, North East Delhi,Delhi-110053, declare that name of mine and my wife has been wrongly written Surendra and Sunita in my minor son Daksh Nagar aged 15 years in his school record, The actual name of mine and my wife are SURENDER NAGAR and SUNITA DEVI, which may be amended accordingly.

सरकार बनने के लिए किंग मेकर्स की भूमिका में होगा बसपा-इनेलो गठबंधन : अभय सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने के बाद नेताओं ने पूरे दिन आराम फरमाया। सभी नेता एक्जिट पोल के आंकड़ों को लेकर चर्चा करते रहे और अपनी जीत के दावे करते दिखे। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने एक्जिट पोल का दरकिनार करते हुए इस बार राज्य में सरकार बनने पर अपने गठबंधन को किंग मेकर्स की भूमिका में होने का दावा किया। चुनाव की भाग दौड़ के बाद थकान मिटाने के लिए सिरसा स्थित अपने निवास पर पूरे दिन अपने पौत्र उधम सिंह के साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह से बेहद प्रभावित रहें हैं, इसलिए अपने पोते का नाम उधम सिंह रखा और चाहते हैं कि उनका पौता भी बड़ा होकर उधम सिंह के नक्शे कदम पर चलते हुए देश पूरे खानदान का नाम रोशन करे। वहीं इनेलो सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री चौ ओम प्रकाश चौटाला ने तेजा खेड़ा फार्म पर आराम किया।

निष्काम भाव से करें सेवा :सतगुरु सुदीक्षा

सोनीपत। इस संसारमें अनेक प्रकार के लोग रहते हैं, जिनकी अलग-अलग भाषा, वेश-भूषा, खान-पान, जाति, धर्म और संस्कृति आदि हैं। पर इतनी विभिन्नताओं के रहते भी हम सब में एक बात सामान्य है कि हम सब इंसान हैं। चाहे हमारा रंग, वेश, देश या खान-पान कैसा भी हो, सबकी रगों में एक सा रक्त बहता है और सब एक जैसी सांस लेते हैं। हम सब परमात्मा की संतान हैं। इस भाव को अनेक संतों ने समय-समय पर समस्त संसार, एक परिवार के सन्देश के रूप में व्यक्त किया है।

पिछले लगभग 95 वर्षों से संत निरंकारी मिशन इस संदेश को न केवल प्रेषित कर रहा है, बल्कि सत्संग और समागम के माध्यम से इसका जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है। मिशन के लाखों भक्त इस वर्ष भी 16, 17 और 18 नवंबर 2024 को समालखा-गन्नौर, हलदाना बॉर्डर स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल में होने वाले 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम में भागलेकर मानवता के महाकुम्भ का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यहाँ देश-विदेश से आने वाले भक्त सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और सत्कारयोग निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन दर्शन प्राप्त करेंगे और सत्संग की शिक्षाओं से अपने मन को उज्जवल बनाने का प्रयास करेंगे। इस संत समागम की भूमि को तैयार करने की सेवा का शुभारंभ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी, और अन्य हज़ारों अनुयायी उपस्थित रहे।

एग्जिट पोल से पहले ही बता दिया था प्रदेश में बन रही है कांग्रेस की सरकार: भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने लग रही है और सीएम का फैसला हाईकमान करेगा। हुड्डा ने कहा कि एग्जिट पोल से ही उन्होंने बता दिया था कि प्रदेश में कांग्रेस की लहर है और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि दस साल तक भाजपा ने प्रदेशवासियों के लिए कोई काम नहीं किया, बल्कि लोगों को गुमराह करने का काम किया है। कांग्रेस शासन काल के दौरान रिकार्ड तोड़ विकास कार्य करवाएं गए और भाजपा के पास गिनवाने के लिए एक भी काम नहीं है। रविवार को रोहतक में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर सिर्फ मेरिट और पेपर के आधार ही दो लाख पक्की भर्तियां की जाएंगी। कांग्रेस पेपर लीक और भर्ती माफिया का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा ने चुनाव के दौरान बेरोजगार युवाओं को बरगलाने के लिए 25 हजार नौकरी देने की बात कह रहे थे, जबकि पूरे पांच साल ये सरकार भर्तियों को खुद भर्तियों को लटकाती रही।

किरण चौधरी ने एग्जिट पोल को गलत ठहराया, कांग्रेस पर किया कटाक्ष

तोशाम। हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों पर चुनाव समाप्त होने के बाद शनिवार को विभिन्न एजेंसियों ने एग्जिट पोल के नतीजे जारी कर दिए। मैटराइज सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, हरियाणा में इस बार सत्ता परिवर्तन हो सकता है। सर्वे के मुताबिक, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन रही है, जबकि बीजेपी को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की नेता और राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने एग्जिट पोल को गलत करार दिया है। एग्जिट पोल में कांग्रेस की बढ़त के बारे में उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के भी एग्जिट पोल आए थे। वहां क्या हुआ, किसकी सरकार बनी? मैं एग्जिट पोल पर विश्वास नहीं करती। वे सभी गलत हैं। मैं इतना जरूर कहना चाहती हूं कि हम सरकार बनाएंगे। किरण चौधरी ने तोशाम सीट से चुनाव लड़ रही अपनी बेटी श्रुति चौधरी की जीत का दावा भी किया है। उन्होंने कहा कि तोशाम में हमेशा से ही चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से होते आए हैं। लेकिन इस बार कुछ लोग बाहर से लोगों को लाकर गंदगी फैला रहे हैं। पूर्व सरपंच को पैसे बांटते हुए पकड़ा गया है। अब लोगों को समझ जाना चाहिए और ऐसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए।

आठ को जनता देगी जवाब, वे कहेंगे ईवीएम है खराब : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के संबंध में आए सभी एग्जिट पोल को एक तरफ करते हुए कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का दावा किया है। नायब सैनी पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय में पहुंचे और यहां प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, पूर्व स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता समेत कई वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करके चुनाव पर फीडबैक लिया। भाजपा ने चुनाव के दौरान रोहतक को अपना मुख्य केंद्र बनाया हुआ था लेकिन पंचकूला मुख्यालय में प्रदेश के सभी 90 हलकों से रिपोर्ट पहुंची। इस रिपोर्ट पर चर्चा के बाद नायब सैनी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह प्रदेश की ढाई करोड़ जनता का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने शांतिपूर्वक ढंग से मतदान प्रक्रिया को सिरे चढ़ाया। नायब सैनी ने चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मचारियों, सरकारी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर कहीं से भी कोई अप्रिय समाचार सामने नहीं आया है। एग्जिट पोल को खारिज करते हुए नायब सैनी ने कहा कि आठ अक्टूबर को भारतीय जनता

पार्टी प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि कई सीटों पर भाजपा व कांग्रेस का मुकाबला था। इसके बावजूद भाजपा बड़ी आसानी से बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए कहा कि आठ को जनता देगी जवाब, ये कहेंगे ईवीएम है खराब। कार्यवाहक सीएम ने कहा कि हरियाणा की जनता ने भाजपा के पक्ष में जनादेश देने का निर्णय कई दिन पहले कर दिया था। प्रदेश के सभी 90 हलकों से रिपोर्ट आ चुकी है। उन्होंने कहा कि फील्ड से आई रिपोर्ट में यह साफ हो चुका है कि भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। चुनाव के बाद गठबंधन को लेकर परोक्ष रूप से संकेत देते हुए नायब सैनी ने कहा कि इनेलो ने इस बार बड़ी मजबूती से चुनाव लड़ा है और कहीं न कहीं प्रदेश में वह भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। चुनाव के बाद किसी के साथ गठबंधन किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला आठ अक्टूबर को परिणाम घोषित होने के बाद होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया चारों विधानसभाओं के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

एजेंसी

रोहतक। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने जाट शिक्षण संस्थान में बनाए गए चारों विधानसभाओं के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

जाट शिक्षण संस्थान के महारानी किशोरी महिला कॉलेज में महम विधानसभा, सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन में कलानौर विधानसभा, जाट स्कूल में रोहतक विधानसभा और जाट कॉलेज में गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र का स्ट्रांग रूम बनाया गया है। पांच अक्टूबर को मतदान संपन्न होने के बाद चारों विधानसभाओं की ईवीएम संबंधित स्ट्रांग रूम में जमा करवाई गई हैं। सभी स्ट्रांग रूम कड़ी सुरक्षा के घेरे में हैं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने चारों स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम पर लगे लॉक को चैक किया और यहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्ट्रांग रूम परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश नहीं होना चाहिए। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई ना बरती जाए। इस अवसर पर सभी विधानसभाओ के रिटर्निंग अधिकारी मौजूद रहे । जाट कॉलेज में बनाएं गए स्ट्रांग रूम के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी निगरानी बढ़ा दी है। कांग्रेस कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के

बाहर बैठे हुए है और स्ट्रांग रूम की तरफ किसी को नहीं दे रहे है, हालांकि स्ट्रांग रूम बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और सीसीटीवी सहित अन्य सुरक्षा के प्रबंध किये गए है।

अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट श्रेणी के चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी

एजेंसी

हिसार। सेना भर्ती कार्यालय, हिसार की ओर से आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली में भाग लेने वाले अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट श्रेणी के चयनित उम्मीदवारों की सूची www.joinindianarmy.nic.in वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है। सेना भर्ती कार्यालय भर्ती निदेशक ने चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि चयनित उम्मीदवार 8 अक्टूबर 2024 को सुबह 08 बजे सभी ओरिजिनल मूल दस्तावेजों सहित सेना भर्ती कार्यालय हिसार पहुचें। इसके अलावा जिन उम्मीदवारों ने अभी तक जाति प्रमाण पत्र (जनरल केटेगरी शपथ पत्र) और स्कूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र (केवल ओपन स्कूल से पढ़े उम्मीदवार) जमा नहीं किया है वो उम्मीदवार यह प्रमाण पत्र साथ लेकर आएं। भर्ती निदेशक ने चयनित उम्मीदवारों से आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर को भी साथ लाने को कहा है।

सिरसा में उपायुक्त ने किया मतगणना केंद्रों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

सिरसा। सीडीएलयू में बनाए गए सभी मतगणना केंद्रों का मुआयना किया और मतगणना के लिए तैनात जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को कहा कि मतगणना का कार्य बड़ा ही संवेदनशील व महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए पूरे धैर्य व बिना विचलित हुए सहज रूप से कार्य करें। उन्होंने संबंधित आरओ से कहा कि कोई ऐसी गतिविधि मतगणना केंद्र में न होने दें, जिससे मतगणना प्रक्रिया बाधित हो। हर टेबल पर सभी आवश्यक सामग्री व स्टेशनरी आदि

उपलब्ध रहे ताकि किसी प्रकार की दिक्कत न हो और मतों की गिनती सुचारू रूप से जारी रहे। उन्होंने सभी मतगणना केंद्रों का जायजा लेते हुए वहां पर की गई तमाम प्रबंधों व व्यवस्थाओं की जानकारी और अधिकारियों को इस संबंध आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीडिया कर्मियों की सुविधा के लिए सीडीएलयू के ऑडिटोरियम में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाई गई है। सेंटर में मीडिया कर्मियों को बैठने व कम्प्यूटर आदि की सुविधा की गई है। सभी कम्प्यूटरों पर हाई स्पीड इंटरनेट सेवा की व्यवस्था की गई है। मीडिया कर्मियों को अंदर आने के लिए किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से प्रवेश पत्र जारी करवाए गए हैं।

विधानसभा चुनाव के बाद मतगणना की तैयारियां पूरी

एजेंसी

सोनीपत। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि 5 अक्टूबर को जिले में शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हो गई है। अब 8 अक्टूबर को बीट्स मोहाना में जिले की सभी छ: विधानसभाओं की मतगणना होगी। यह प्रक्रिया सुबह 8 बजे से शुरू की जाएगी। मतदान के बाद सभी ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच बीट्स मोहाना में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में जमा कर दिया गया है। सुरक्षा के लिए इन स्ट्रॉन्ग रूमों के बाहर कैमरे लगाए गए हैं और बीएसएफ, सीआईएसएफ व हरियाणा पुलिस के जवान सुरक्षा में तैनात हैं। साथ ही, राजनीतिक दलों के लिए टैंट और एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं ताकि वे स्ट्रॉन्ग रूम पर नजर रख सकें। आठ अक्टूबर को मतगणना के बाद सोनीपत लघु सचिवालय में परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर पाबंदी होगी। इसके अलावा, किसी भी प्रकार के हथियार, विस्फोटक या ज्वलनशील सामग्री पर भी प्रतिबंध रहेगा।

सभी विधानसभाओं में हुए मतदान के बाद किया स्क्रूटनी कार्य

एजेंसी

रोहतक। विधानसभा चुनाव के लिए 5 अक्टूबर को मतदान की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार स्थानीय जाट कॉलेज परिसर में 17 ए रजिस्टर के विभिन्न बिंदुओं और संबंधित दस्तावेजों की स्क्रूटनी का कार्य किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रत्याशियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय की पांच अक्टूबर को मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो गई है, जिसमें नागरिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। मतदान संपन्न होने के बाद चारों विधानसभाओं की ईवीएम जाट शिक्षण संस्थान संबंधित स्ट्रांग रूम में जमा करवाई गई है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 17 ए रजिस्टर के विभिन्न बिंदुओं और संबंधित दस्तावेजों की स्क्रुटनी का कार्य किया जाता है, जिसमें प्रत्याशियों या उनके प्रतिनिधियों को विधानसभा

क्षेत्र में कहीं पर कम या ज्यादा मतदान प्रतिशत, टेंडर वोट आदि अन्य बारे विस्तार से जानकारी दी जाती है और उनके कारणों पर चर्चा की जाती है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के चलते ही जाट शिक्षण संस्थान के महारानी किशोरी महिला कॉलेज में महम विधानसभा क्षेत्र और गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र की स्क्रूटनी का कार्य किया गया। स्क्रूटनी का कार्य डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार और दोनों विधानसभा क्षेत्र के सामान्य ऑब्जर्वर जाफर मलिक की मौजूदगी में हुआ। इस दौरान महम विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम दलबीर फोगाट और सांपला के एसडीएम एवं गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी सुभाष चंद्र जून ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में कम या ज्यादा मतदान वाले पोलिंग बूथ के बारे में वहां पर मौजूद प्रत्याशियों को विस्तार से जानकारी दी और उन पर चर्चा की। इसी प्रकार से जाट स्कूल में रोहतक विधानसभा और कलानौर विधानसभा क्षेत्र में मतदान को लेकर स्क्रुटनी का कार्य किया गया। यहां दोनों विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक विनोद पी. कावले की मौजूदगी में स्क्रुटनी का कार्य संपन्न हुआ। इस दौरान एसीयूटी अभिनव सिवाच, एडीसी एवं कलानौर विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी नरेंद्र कुमार और रोहतक के एसडीएम एवं रोहतक विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी आशीष कुमार ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत के बारे में वहां पर मौजूद प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी।

बादशाहपुर विधानसभा के लिए बनाए गए दो-दो मतगणना केंद्र

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला की चारों विधानसभा की मतगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जनरल ऑबजर्वर नरेंद्र कुमार दुग्गा व पटौदी विधानसभा की कॉउंटिंग ऑबजर्वर ज्योति सिंह की उपस्थिति में विधानसभा अनुसार मतगणना की रेंडमाइजेशन का कार्य किया गया।लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न रेंडमाइजेशन की इस प्रक्रिया के दौरान गुरुग्राम के जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव भी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने रेंडमाइजेशन से जुड़ी जानकारी सांझा करते हुए बताया कि इस रेंडमाइजेशन के तहत सभी कर्मचारियों को मतगणना के लिए विधानसभा अलॉट की गई है। इसके बाद 8 अक्टूबर की सुबह रेंडमाइजेशन की तहत इन कर्मचारियों को टेबल अलॉट किए जाएंगे, ताकि मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हो सके। जिला की सभी चार विधानसभाओं की मतगणना 8 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में एवं काउंटिंग ऑब्जर्वर की 2 टेबल भी शामिल है। इसके अतिरिक्त सभी मतगणना केंद्र में 3 टेबल रिजर्व

संपन्न होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गुडग़ांव व बादशाहपुर विधानसभा के लिए दो-दो मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। वहीं सोहना व पटौदी विधानसभा के लिए एक-एक मतगणना केंद्र बनाया गया हैं। ईवीएम से कॉउंटिंग के लिए प्रत्येक मतगणना केंद्र में 17 टेबल लगाई गई है। जिसमें 1 टेबल रिटर्निंग अधिकारी रहेंगी। प्रत्येक टेबल पर एक कॉउंटिंग माइक्रो ऑब्जर्वर, एक कॉउंटिंग सुपरवाइजर व एक कॉउंटिंग अस्सिटेंट मौजूद रहेंगे। पोस्टल बैलेट की कॉउंटिंग के लिए 22 टेबल लगाई गई हैं। मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी कॉउंटिंग स्टाफ को सोमवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर 14 में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

केंद्रीय सशस्त्र बलों की निगरानी में रखी गई सभी ईवीएम

एजेंसी

झज्जर। शनिवार पांच अक्टूबर को हुए मतदान के उपरांत जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों की सभी ईवीएम व वीवीपैट मशीनें नेहरू

कॉलेज झज्जर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखी गई हैं। शनिवार देर रात्रि तक ईवीएम के जमा होने की प्रक्रिया पूरी हुई उसके उपरांत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया की पालना करते हुए स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया। डीसी शक्ति सिंह ने बताया कि जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों (बेरी, बहादुरगढ़, बादली व झज्जर) के लिए अलग-अलग स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ही स्ट्रांग रूम तैयार किए गए हैं। सभी स्ट्रांग रूम में सुरक्षा के दृष्टिगत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया स्ट्रांग रूम की 24 घंटे निगरानी के लिए तीन शिफ्टों में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं जो आठ-आठ घंटे की ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों के बैठने के लिए व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं व उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों के लिए बाहर स्क्रीन लगाई गई है जहां से वे स्ट्रांग रूम के दरवाजे पर लगी सील को देख सकते हैं।

हरियाणा में हुआ 67.90 प्रतिशत मतदान, पिछला रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 15वीं विधानसभा आम चुनाव-2024 के लिए 05 अक्टूबर को 67.90 प्रतिशत मतदान हुआ है। सिरसा जिला मे सबसे अधिक 75.36 प्रतिशत मतदान व फरीदाबाद जिला मे सबसे कम 56.49 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। इसके अलावा ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र मे सबसे अधिक 80.61 प्रतिशत मतदान और बड़खल विधानसभा क्षेत्र मे सबसे कम 48.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

पंकज अग्रवाल ने बताया कि अम्बाला जिला मे 67.62 प्रतिशत मतदान हुआ है। पंचकूला जिला में 65.23 प्रतिशत, यमुनानगर जिला में 74.20 प्रतिशत, कुरुक्षेत्र जिला में 69.59 प्रतिशत, कैथल जिला में 72.36 प्रतिशत, करनाल जिला में 65.67 प्रतिशत, पानीपत जिला में 68.80 प्रतिशत, सोनीपत जिला में 66.08 प्रतिशत, जींद जिला में 72.19 प्रतिशत, फतेहाबाद जिला में 74.77 प्रतिशत मतदान रहा है।

इसी प्रकार, हिसार जिला में 70.58 प्रतिशत, भिवानी जिला में 70.46 प्रतिशत, चरखी दादरी जिला

में 69.58 प्रतिशत, रोहतक जिला में 66.73 प्रतिशत, झज्जर जिला में 65.69 प्रतिशत, महेंद्रगढ़ जिला में 70.45 प्रतिशत, रेवाड़ी जिले में 67.99 प्रतिशत, गुरुग्राम जिला में 57.96 प्रतिशत, मेवात जिला में 72.81 प्रतिशत, पलवल में 73.89 प्रतिशत मतदान रहा है।

हरियाणा में 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए एक ही चरण में 5 अक्तूबर को मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक हुआ। जिसमें 20,632 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। प्रदेश के 2,03,54,350 मतदाताओं में से 1,38,19,776 मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें से 74,28,124 पुरूष व 63,91,534 महिलाओं तथा 118 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा फील्ड मॉनिटरिंग और निरंतर फीडबैक के लिए 97 केंद्रीय पर्यवेक्षक भी तैनात थे। पंकज अग्रवाल ने कहा कि शान्तिपूर्ण मतदान की दृष्टि से प्रदेश में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 225 कंपनियों की तैनाती की गई। हरियाणा पुलिस ने भी प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

NAME CHANGE

It is for general information that I, BEERMATI W/o MUKESH, residing at House No. 211, KH. No. 165, Gali No. 2, Bishan Vihar, Chauhan Patti, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine and my Husband and my minor son has been wrongly written as VEER WATI , MUKESH KUMAR and TANUJ GAUTAM in my minor son namely TANUJ KUMAR aged 16 years in his school records. The actual name of mine , my Husband and my minor son are BEERMATI, MUKESH and TANUJ KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHIVAM S/o NAVEEN KUMAR, R/o House No. 2045, Ward No. 34, New Vijay Nagar, Rohtak, Haryana - 124001, declare that name of mine, my Father and my Mother have been wrongly written as SHIVAM GUPTA, NAVEEN GUPTA and ANU GUPTA in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my Father and my Mother are SHIVAM, NAVEEN KUMAR and ANU, which may be amended accordingly

एग्जिट पोल की खुल चुकी है पोल, मैं पक्का जीतूंगा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने कहा कि एग्जिट पोल की पोल खुल चुकी है। उन्होंने दावा किया है कि वो अंबाला कैंट के चुनावी मैदान में जीत का परचम लहराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक मतदान का पूरा आंकड़ा नहीं आया है। चुनाव आयोग रात 11 बजे के बाद अंतिम आंकड़े जारी करेगा। ऐसे में मुझे लगता है कि इससे पहले कुछ कहना उचित नहीं रहेगा। आयोग द्वारा बिना आंकड़े जारी किए कैसे एग्जिट पोल आ सकते हैं ।उन्होंने कहा, मुझे अंबाला कैंट का पता है। मैं भारी मतों से जीत का परचम लहराने जा रहा हूं। इसके अलावा, हरियाणा में भाजपा तीसरी बार जीत के साथ हैट्रिक लगाने जा रही है। उन्होंने कहा, एग्जिट पोल को लेकर कई लोग दावे कर रहे हैं, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि कई बार एग्जिट

की पोल की पोल खुल चुकी है। ऐसे में मुझे इस पर विश्वास नहीं रह गया है। अंबाला कैंट में लोगों के बीच में उत्साह देखने को मिल रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं भारी मतों से यहां से जीतूंगा। उधर, जम्मू-कश्मीर को लेकर भी विज ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद आतंकवाद पर कुठाराघात लगा है। आतंकवाद में 80 फीसद की कमी आई है। वहां पर जी - 20 का आयोजन हुआ है। वहां पर अब सभी के अधिकार बहाल हो गए। पहले अनुच्छेद 370 की वजह से लोगों को अधिकार नहीं मिल पाता था।

मिजोरम के 1.10 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना का मिला लाभ

एजेंसी

एजल। मिजोरम के 1.10 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना के तहत मौद्रिक लाभ प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम से देश भर के 9.4 करोड़ किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डाली थी। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह इस वर्ष के लिए पीएम किसान संवितरण की दूसरी किस्त है। इस कार्यक्रम में राज्य के कृषि और किसान कल्याण विभाग के विशेष सचिव और राज्य भर के जिला कृषि अधिकारियों (डीएओ) ने ऑनलाइन भाग लिया। वर्ष 2019 में शुरू हुयी पीएम किसान योजना को किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी कल्याणकारी योजना के साथ-साथ केंद्र सरकार की एक प्रमुख डिजिटल पहल के रूप में जानी जाती है। इस योजना के तहत, पंजीकृत किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से हर चार महीने में 2,000 रुपये मिलते हैं और यह सालाना कुल 6,000 रुपये होता है। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और कई केंद्रीय मंत्रियों ने मिजोरम के किसानों में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के बारे में जागरूकता की कमी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए आलोचना की है कि वह ऐसी पहलों को पर्याप्त रूप से बढ़ावा नहीं दे रही है, जिसके कारण कई लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित रह जाते हैं।

इश्या फाउंडेशन 4 हजार से ज्यादा वंचितों को बनाया सशक्त

नयी दिल्ली। इश्या फाउंडेशन ने समाज कल्याण के कार्य करते हुए तीन साल में 4 हजार से अधिक विंचित लोगों को सशक्त बना चुका है।

इस अवसर पर आज इश्या उत्सव 2024 मनाया गया जिसमें वंचित महिलाओं और बच्चों को कौशल विकास, शिक्षा प्रदान करके और सामुदायिक पहुँच के कार्यक्रमों द्वारा सशक्त बनाने के इश्या फाउंडेशन के प्रयासों का प्रदर्शन किया गया।

एचपीएमसी ने किया 1,545 मीट्रिक टन सेब जूस कंसन्ट्रेट का रिकॉर्ड उत्पादन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश बागवानी उपज विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) ने गत शुक्रवार तक तीन संयंत्रों के माध्यम से रिकॉर्ड 1,545 मीट्रिक टन सेब जूस कंसन्ट्रेट का प्रसंस्करण किया है। श्री सुक्खू ने कहा कि शिमला जिला के पराला संयंत्र से 814 मीट्रिक टन, सोलन जिला के परवाणु संयंत्र से 653 मीट्रिक टन और मंडी जिला के जरोल संयंत्र से 78 मीट्रिक टन सेब जूस कंसट्रेट का प्रसंस्करण किया गया है।

अदाणी समूह के प्राकृतिक गैस-ग्रीन हाइड्रोजन मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत, अभी तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

मुंबई। अदाणी समूह ने प्राकृतिक गैस में ग्रीन हाइड्रोजन के मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है। अहमदाबाद के कुछ इलाकों में इस प्राकृतिक गैस में ग्रीन हाइड्रोजन के मिश्रण वाली गैस की सप्लाई शुरू भी हो गई है। इसका उद्देश्य उत्सर्जन में कटौती और नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करना है।

कंपनी ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर दी जानकारी

फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटल एनर्जीज और अदाणी के सिटी गैस के संयुक्त उपक्रम अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने प्राकृतिक गैस में 2.2-2.3 प्रतिशत ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण करने की शुरुआत की है। इस मिश्रित गैस को अहमदाबाद के शांतिग्राम इलाके के घरों में सप्लाई किया जा रहा है। कंपनी ने लिंक्डइन पर साझा एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। स्वच्छ तरीके से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों में इंजेक्ट किया जाता है और फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल कम उत्सर्जन के साथ गर्मी और बिजली पैदा करने में किया जाता है।

कैसे बनाई जाती है ग्रीन हाइड्रोजन

कंपनी ने अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों जैसे पवन उर्जा और सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है। इसके तहत पानी को इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया के तहत हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के रूप में अलग-अलग किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद प्राप्त हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाया जाता है। अब यही मिश्रित गैस घरों में खाना पकाने वाली गैस के रूप में सप्लाई की जा रही है।

देव एक्सलरेटर लाएगी 125 करोड़ का आईपीओ, सेबी के पास जमा किया ड्राफ्ट पेपर

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्लेक्सिबल ऑफिस स्पेस तैयार करने वाली कंपनी देव एक्सलरेटर लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा करा दिया है। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए 125 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी के अनुसार इस आईपीओ में केवल 2.47 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं होगा। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट होंगे।

कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा कराए डीआरएचपी के अनुसार आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे में से 68.95 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी अपने नए केंद्र में फिट आउट्स और उनके सिक्योरिटी डिपॉजिट्स के लिए करेगी। इसके अलावा 30 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पुराने कर्जों को आंशिक या पूरी तरह से चुकता करने में किया जाएगा। इसके अलावा बचे हुए पैसे का इस्तेमाल मार्केटिंग कैपेसिटी को मजबूत करने और ब्रांड बिल्डिंग एक्सरसाइज जैसे सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी का इरादा नोएडा, गुरुग्राम, अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, सूरत, मुंबई, गोवा और जयपुर जैसे शहरों में अपने काम के विस्तार करने का भी है।

विदेशी मुद्रा भंडार 12.6 अरब डॉलर बढ़कर 704.9 अरब डॉलर के नये रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में रिकॉर्ड इजाफा होने से 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले चौदह महीने के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक 12.6 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 704.9 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.84 अरब डॉलर के इजाफे के साथ रिकॉर्ड 692.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.5 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 616.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.2 अरब डॉलर बढ़कर 65.8 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 80 लाख डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.55 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 7.1 करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह 4.5 अरब डॉलर से घटकर 4.4 अरब डॉलर पर आ गया।

टॉप 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 4.75 लाख करोड़ की बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 9 के मार्केट कैप में करीब 4.75 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। मार्केट कैप में गिरावट होने के मामले में सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,88,479.36 करोड़ रुपये घट कर 18,76,718.24 करोड़ रुपये हो गया।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 72,919.58 करोड़ रुपये कम हो कर 12,64,267.35 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 53,800.31 करोड़ रुपये घट कर 9,34,102.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 47,461.13 करोड़ रुपये घट कर 8,73,059.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 33,490.86 करोड़ रुपये घट कर 6,14,125.65 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 27,525.46 करोड़ रुपये कम होकर 6,69,363.31 करोड़ रुपये, आईटीसी का मार्केट कैप 24,139.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,29,695.06 करोड़ रुपये, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 21,690.43 करोड़ रुपये घट कर 15,37,361.57 करोड़ रुपये और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 5,399.39 करोड़ रुपये कम होकर 7,10,934.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान टॉप 10 कंपनियों में से सिर्फ एक कंपनी इंफोसिस के मार्केट कैप में ही बढ़ोतरी हो सकी। इस सप्ताह के दौरान इंफोसिस का मार्केट कैप 4,629.64 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,96,527.08 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,76,718.24 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 15,37,361.57 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,64,267.35 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,34,102.32 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,73,059.59 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,96,527.08 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,10,934.59 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 6,69,363.31 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 6,29,695.06 करोड़ रुपये) और एलआईसी (कुल मार्केट कैप 6,14,125.65 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

एलआईसी ने इस बैंक में बढ़ाई हिस्सेदारी; वित्त मंत्री ने जी-20 समूह के सदस्य प्रो. स्टर्न से की मुलाकात

नई दिल्ली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के लिए अच्छी खबर है। एलआईसी ने इस बैंक में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ा दिया है। कॉर्पोरेशन ने इसकी जानकारी खुद एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। एलआईसी के मुताबिक हिस्सेदारी में ये बढ़त क्यूआईपी के जरिए शेयर अलॉटमेंट के बाद देखने को मिली है। इस बढ़त के साथ ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.05 फीसदी से बढ़कर 7 फीसदी के पार पहुंच गई है। कारोबार में एलआईसी का स्टॉक करीब आधा फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है। एलआईसी ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी के तहत कहा कि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत कॉर्पोरेशन को 25.96 करोड़ शेयर अलॉट हुए हैं, जो कि 3.376 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। ये अलॉटमेंट 57.36 रुपये प्रति शेयर के भाव पर अलॉट किए गए हैं।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरात्रि के चौथे दिन सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है, जबकि पिछले तीन दिनों से लगातार सपाट स्तर पर चल रहे चांदी ने आज 2,600 रुपये की छलांग लगाई है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,820 रुपये से लेकर 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 71,350 रुपये से लेकर 71,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में आज जोरदार तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,720 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज की कमजोरी की वजह से सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अक्टूबर शुरू होते ही सेलर बने विदेशी निवेशक, 3 दिन में की 27,142 करोड़ की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। सितंबर में घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी करने के बाद अक्टूबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) पूरी तरह से बिकवाल (सेलर) की भूमिका में नजर आ रहे हैं। अक्टूबर में अभी तक सिर्फ तीन दिन ही कारोबार हुआ है। इन तीन दिनों में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली करके भारतीय शेयर बाजार से 27,142 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। माना जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव, चीन के स्टॉक मार्केट में आए उछाल और कच्चे तेल की कीमत में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली की। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार 01 से 04 अक्टूबर के बीच के तीन कारोबारी दिन (02 अक्टूबर को छुट्टी होने की वजह से कारोबार नहीं हुआ था) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक तरफा बिकवाली करते रहे। हालांकि इसके पहले सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी का ये आंकड़ा शेयर बाजार में 9 महीने के मासिक विदेशी निवेश का सर्वोच्च स्तर था।

उल्लेखनीय कि वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 2 महीने अप्रैल और मई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल मिलाकर 34,252 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। इसी तरह कैलेंडर ईयर 2024 के पहले महीने जनवरी में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बिकवाल की भूमिका में बने रहे थे। यानी साल 2024 के 03 महीने जनवरी, अप्रैल और मई को छोड़ कर शेष 06 महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार लिवाल (बायर) की भूमिका में बने रहे हैं। पहले माना जा रहा था कि अक्टूबर में भी यही ट्रेंड जारी रह सकता है, लेकिन पहले चीन द्वारा जबरदस्त राहत पैकेज का ऐलान करने और फिर ईरान-इजरायल के तनाव की वजह से अक्टूबर की शुरुआत होते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बिकवाल की भूमिका में आ गए हैं। अगर भारत के डेट और बॉन्ड मार्केट में विदेशी निवेशकों की भूमिका की बात करें, तो अक्टूबर के पहले तीन कारोबारी दिन में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 900 करोड़ रुपये की निकासी की है?। हालांकि इन तीन दिनों में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने वॉलंटरी रिटेंशन रूट (वीआरआर) के जरिए 190 करोड़ रुपये का निवेश भी किया है।

इजराइल-ईरान तनाव और चीन के पैकेज का बाजार पर रहेगा असर

एजेंसी

मुंबई। इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा से हुई भारी बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह साढ़े चार प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह भी इन्हीं कारकों के साथ ही कंपनियों की दूसरी तिमाही के नतीजों का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 3883.4 अंक अर्थात 4.5 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर करीब एक माह के निचले स्तर 81688.45 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1164.35 अंक यानी 4.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 25014.60 अंक रह गया।समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 1583.58 अंक अर्थात 3.2 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 47906.74 अंक और स्मॉलकैप 1146.05 अंक यानी 2.00 प्रतिशत कमजोर होकर 55945.31 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स दोनों के क्रमशः 26000 और 85000 के नए रिकॉर्ड स्तर अल्पकालिक थे क्योंकि मध्य-पश्चिम की प्रतिकूल परिस्थितियों और चीन के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा से अन्य एशियाई बाजारों में शेयरों के सस्ते होने से इन बाजारों की ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के तेज निवेश प्रवाह ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इससे बीते सप्ताह के दौरान घरेलू बाजार में कई बेंचमार्क सूचकांकों में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। एफआईआई ने इस महीने अब तक बाजार से 30,719.57 करोड़ रुपये निकाल लिए।

इस दौरान ऑटो, बैंक, इन्फ्रा और ऊर्जा जैसे समूहों का प्रदर्शन कमजोर रहा। हालांकि अमेरिकी फेड रिजर्व के मौद्रिक नीति में ढील देने के बाद राजस्व और खर्च पर बेहतर धारणा के कारण आईटी समूह पर प्रभाव कम रहा। वहीं, चीन के प्रोत्साहन पैकेज का स्थानीय स्तर पर धातु शेयरों पर कुछ प्रभाव पड़ा। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण तेल की कीमतों में उछाल से इनपुट लागत बढ़ सकती है और इससे घरेलू कंपनियों की आय प्रभावित हो सकती है। पेंट क्षेत्र पर इसका असर पड़ने की संभावना है क्योंकि इसका कच्चा माल मुख्यतः कच्चे तेल पर आधारित है। हालांकि हाल की कीमत वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में मांग में तेजी की उम्मीद एशियन पेंट्स में निवेश का अवसर प्रदान करेगी।वित्तीय निवेश सलाहकार कंपनी जिओजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार में सुदृढ़ीकरण का दौर देखने को मिल सकता है क्योंकि ऊंचे भाव और प्रतिकूल मैक्रो स्थिति निवेशकों को तेजी पर बिकवाली की रणनीति अपनाने के लिए प्रभाव डाल सकती है।इसके अलावा अगले सप्ताह टीसीएस और इरेडा समेत कई दिगगजं कंपनियों के वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के परिणाम जारी होने वाले है। बाजार को दिशा देने में इनकी कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में अवकाश रहने से बाजार में चार दिन ही कारोबार हुए और सेंसेक्स-निफ्टी में चारो दिन गिरावट रही। चीन के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बीच ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली के दबाव में सोमवार को सेंसेक्स दो महीने की सबसे बड़ी एकदिनी 1272.07 अंक की गिरावट लेकर 84,299.78 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 368.10 अंक का गोता लगाकर 25,810.85 अंक पर रहा। विश्व बाजार के सकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, दूरसंचार, यूटिलिटीज और तेल एवं गैस समेत आठ समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में मंगलवार को सेंसेक्स 33.49 अंक टूटकर 84,266.29 अंक और निफ्टी 13.95 अंक फिसलकर 25,796.90 अंक पर रहा। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 1769.19 अंक का गोता लगाकर चार सप्ताह के निचले स्तर 82,497.10 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी 546.80 अंक की गिरावट लेकर 25,250.10 अंक पर आ गया। इसी तरह मध्य-पश्चिम में बढ़ते तनाव के बीच चीन के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा से एफआईआई की बिकवाली के दबाव में शुक्रवार को सेंसेक्स 808.65 अंक का गोता लगाकर तीन सप्ताह बाद 82 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 81,688.45 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 235.50 अंक की गिरावट लेकर 25,014.60 अंक पर बंद हुआ।

खाद्य तेलों में उबाल

एजेंसी

नई दिल्ली। मेलशियाई पाम ऑयल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल 1318 रुपये प्रति क्विंटल तक उबल गए जबकि दाल-दलहन में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन :वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा सप्ताहांत पर 240 रिंगिट उबलकर 4400 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.38 सेंट की तेजी के साथ 44.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी बाजार में कीमतों में तेजी के बीच केंद्र सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने के कदम से भारतीय रिफाइनरों ने रद्द करने से मलेशियाई पाम ऑयल की कीमतों की तेजी पर लगाम लग सकती है। वे सोया तेल की कीमतों को समर्थन दे सकते हैं क्योंकि कुछ रहा है कि दुनिया के सबसे बड़े आयातक भारतीय रिफाइनरों के सौदा अक्टूबर और दिसंबर के बीच डिलिवर होने वाले एक लाख मीट्रिक टन पाम ऑयल की खरीद सौदे को रद्द कर दिया है। हालांकि माना जा रिफाइनर सोया तेल की ओर रुख कर रहे हैं।

इससे सप्ताहांत पर खाद्य तेल उबल गए। इस दौरान सरसों तेल 1275 रुपये, सूरजमुखी तेल 1318 रुपये, सोया रिफाइंड 1245 रुपये, पाम ऑयल 923 रुपये और वनस्पति तेल 1245 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, मूंगफली तेल में 1466 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 15121 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14505 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 13919 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 10256 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 13699 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

टाटा पंच का स्पेशल कैमो एडिशन लॉंच

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा पंच का स्पेशल कैमो एडिशन लॉंच टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी, टाटा पंच का नया कैमो एडिशन लॉन्च किया है. यह विशेष संस्करण पिछले मॉडल के वापस लिए जाने के नौ महीने बाद बाजार में आया है. नए कैमो वर्जन में एक आकर्षक डुअल टोन एक्सटीरियर कलर विकल्प शामिल किया गया है, जिसमें सीवीड ग्रीन रंग और सफेद छत का कॉन्ट्रास्ट देखने को मिलता है. कैमो एडिशन को पहली बार सितंबर 2022 में पेश किया गया था, लेकिन इसे फरवरी 2024 में बंद कर दिया गया था. अब, यह विशेष संस्करण दो वेरिएंट्स, एक्म्प्लिशड और क्रिएटिव में उपलब्ध है, जो मैनुअल (MT) और ऑटोमैटिक (AMT) दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ आता है. इसकी शुरूआती कीमत MT के लिए 8.45 लाख रुपये और AMT के लिए 9.05 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है.

कैमो एडिशन में क्या है खास?

टाटा पंच कैमो एडिशन में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के माध्यम से वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ आता है. इसके अलावा, इसके केबिन में यात्रियों के लिए रियर एसी वेंट, आर्मरेस्ट के साथ बड़ा कंसोल, वायरलेस चार्जर, और फास्ट चार्जिंग यूएसबी टाइप-सी पोर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं. Punch कैमो एडिशन में केवल कॉस्मेटिक बदलाव ही किए गए है. ये एसयूवी अपने मौजूदा इंजन ऑप्शन के साथ आ रही है. इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 87 बीएचपी की पावर और 115 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है. इसमें पांच-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और पांच-स्पीड एएमटी का विकल्प मिलता है. वहीं, सीएनजी वेरिएंट केवल मैनुअल गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध है और यह 72 बीएचपी और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

किस टेस्ट से लगाया जाता है किडनी स्टोन का पता? कम लोग ही जानते हैं सही टेक्निक, यूरोलॉजिस्ट से समझें

किडनी में स्टोन बन जाए, तो असहनीय दर्द होने लगता है. इसका पता लगाने के लिए कई बार डॉक्टर ब्लड टेस्ट करवाते हैं, तो कई बार एक्स-रे की सलाह देते हैं. आज आपको बताएंगे कि किडनी स्टोन किन-किन टेस्ट से डिटेक्ट हो सकता है.

जब हमारी किडनी में कैल्शियम, ऑक्सलेट और यूरिड एसिड समेत कई तरह की चीजें जमा हो जाती हैं, तब यह स्टोन बन जाती हैं. जब शरीर में पानी की कमी हो जाए और शरीर के एक्स्ट्रा साल्ट पेशाब के रास्ते बाहर न निकल पाएं, तो इससे स्टोन का खतरा बढ़ जाता है. किडनी स्टोन की समस्या इन दिनों तेजी से बढ़ रही है. बड़ी संख्या में युवा किडनी स्टोन का शिकार हो रहे हैं. खास बात यह है कि लोगों को किडनी स्टोन का पता तब चलता है, जब उन्हें परेशानी होती है. ऐसे में सही समय पर टेस्ट करा लिया जाए, तो किडनी स्टोन को शुरुआत में ही डिटेक्ट किया जा सकता है और इसे बिना ऑपरेशन के पेशाब के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश की जा सकती है. किडनी स्टोन डिटेक्ट करने वाले टेस्ट जान लेते हैं.

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के वाइस चेयरमैन डॉ. अमरेंद्र पाठक ने ह्wद्ग2ह्य18 को बताया कि किडनी स्टोन होने पर लोगों को पीठ या पेट में दर्द महसूस हो सकता है. कई बार किडनी स्टोन की वजह से पेशाब में खून आने लगता है और पेशाब करने में परेशानी होने लगती है. ये सभी संकेत दिखने पर सबसे पहले ब्लड और यूरिन टेस्ट कराया जाता है. पेशाब के टेस्ट में अगर कैल्शियम, ऑक्सलेट या यूरिक एसिड ज्यादा दिखता है, तो यह किडनी स्टोन का संकेत हो सकता है. इसके अलावा ब्लड टेस्ट में क्रिएटिनिन बढ़ा हुआ आए, तो यह भी किडनी प्रॉब्लम का संकेत होता है.यूरोलॉजिस्ट ने बताया कि किडनी स्टोन कंफर्म कराने के लिए एक्स-रे का सहारा लिया जाता है. इसके जरिए स्टोन डिटेक्ट हो जाता है. हालांकि कई स्टोन एक्स-रे में नहीं दिखते हैं, उन मामलों में अल्ट्रासाउंड कराते हैं. अल्ट्रासाउंड किडनी स्टोन का पता लगाने का एक सुरक्षित और प्रभावी तरीका है. इसमें किडनी में मौजूद स्टोन का साइज और वह किस जगह पर है, इसका पता लग जाता है. आमतौर पर एक्सर-रे या अल्ट्रासाउंड के जरिए किडनी स्टोन डिटेक्ट किया जाता है. इसके अलावा कुछ मामलों में किडनी स्टोन का पता लगान के लिए सीटी स्कैन भी कराया जाता है.

एक्सपर्ट की मानें तो अधिकतर मामलों में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन के जरिए किडनी स्टोन का पता लगाया जाता है. हालांकि कॉम्प्लिकेटेड केसेज में इसके लिए स्न्रढ्ढ या एंडोस्कोपी भी कराई जाती है. एंडोस्कोपी में एक पतला ट्यूब मूत्राशय के माध्यम से डाला जाता है, जिससे स्टोन का पता लगाने में मदद मिलती है. हालांकि ऐसा सिर्फ क्रिटिकल मामलों में ही किया जाता है. कुल मिलाकर 4-5 तरीकों से न केवल स्टोन की पहचान होती है, बल्कि यह भी पता चलता है कि स्टोन का साइज क्या है और किस जगह पर अटका हुआ है. इसके आधार पर ही डॉक्टर ट्रीटमेंट प्लान तैयार करे हैं.

दुनिया को रहने योग्य बनाने के लिए फिर लौटना होगा गांधी की ओर

इस तरह गांधी अपना स्वराज हासिल करने की राह पर चलते रहे। हम में से प्रत्येक को आत्मावलोकन, आत्म-परीक्षा और आत्म-सुधार के जरिए ऐसा करने का प्रयास करना चाहिए। विश्व के सभी देशों को नीति के रूप में सत्ता के राजनीतिक और आर्थिक विकेंद्रीकरण को अपनाना होगा। इस प्रक्रिया से प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन पर नियंत्रण आरंभ हो सकेगा।

2अक्टूबर को हमने फिर गांधी को याद किया। यह आश्वस्त करने वाली बात है कि कम से कम उन्हें याद करने की परंपरा जारी है। हम आशा करें कि इस परंपरा की सहायता से अहिंसा की फिलॉसफी किसी दिन मानवता की प्रकृति बन जाएगी। 2022 तक यह तर्क दिया जाता था कि युद्ध कम हो गए लेकिन सशस्त्र संघर्ष बढ़ गए थे। फिर रूस-यक्रेन युद्ध आरंभ हुआ और राष्ट्र संघ के अनुसार सिर्फ 2022 में संघर्ष से संबंधित मामलों में नागरिक मौतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। फिलीस्तीन पर इजरायली हमलों और बमबारी ने इस वैश्विक स्थिति को बदतर बना दिया है। अब हमारे पास फिलिस्तीनी लोगों की मृत्यु एवं दुखों का एक अंतहीन सिलसिला है। युद्ध के दुख के अतिरिक्त अन्य तरीकों और साधनों से भी हिंसा होती है जिसे मोटे तौर पर %संघर्ष% के रूप में ब्रांडेड किया जाता है।संघर्ष अब निरंतर, अंतहीन और सामान्य होते जा रहे हैं। उन्हें कभी-कभी इस अर्थ में कम घातक माना जाता है जब अक्सर दो पूर्ण या समान रूप से शक्तिशाली देशों के बजाय घरेलू समूहों के बीच हिंसा होती है। अनसुलझे क्षेत्रीय तनाव, कानून-व्यवस्था के भंग होने, सरकारी या सहकारी संस्थानों की अनुपस्थिति, अवैध आर्थिक लाभ तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या के कारण संसाधनों की कमी संघर्ष के प्रमुख कारण बन गए हैं। इसके अलावा राष्ट्र संघ ने यह भी नोट किया है कि %तकनीकी प्रगति ने घातक स्वायत्त हथियारों तथा साइबर हमलों, बॉट्स और ड्रोन के सशस्त्रीकरण एवं चरमपंथी हमलों के टीवी पर सीधे प्रसारण ने भी चिंताएं बढ़ाई हैं।% इसके साथ ही %डेटा हैक और रैंसमवेयर (किसी उपभोक्ता या संगठन के कम्प्यूटर सिस्टम में घुसकर उसके डेटा हैक कर संबंधित व्यक्ति से मोटी रकम की मांग करना) जैसी आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण अंतरराष्ट्रीय सहयोग की गतिविधियां तनाव में हैं जो सभी रूपों में संघर्ष व हिंसा की रोकथाम तथा समाधान की वैश्विक क्षमता को कम कर रहा है।ग्लोबल पीस इंडेक्स- 2024 में कहा गया है कि इस समय 92 देश संघर्षों में शामिल हैं। गाज़ा और यूक्रेन संघर्ष वैश्विक शांति में गिरावट के प्राथमिक कारण हैं। पिछले साल केवल संघर्षों के कारण लगभग 162,000 मौतें हुई। अमेरिकी सैन्य क्षमता चीन की तुलना में तीन गुना अधिक है। संघर्ष के कारण 2023 में वैश्विक जीडीपी पर 13.5 प्रश या 19.1 ट्रिलियन डॉलर का असर पड़ा। प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण और नीतियों, विशेष रूप से अमेरिका-चीन मतभेदों को भी विभिन्न देशों के बीच और घरेलू संघर्षों की श्रृंखला का एक कारण माना जाता है।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि दुनिया के कुछ हिस्सों में हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं जबकि विश्व स्तर पर लिंग आधारित हमले बढ़ रहे हैं। सारे विश्व में यह माना जा रहा है कि बच्चों के खिलाफ हिंसा सहित पारस्परिक हिंसा की घटनाओं से विकास पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ रहा है।गांधी आज भी दुनिया में इन घटनाओं के मूक गवाह बने हुए हैं। मानवता इस बात से अनजान है और भूल गई है कि प्रकट हिंसा और संघर्षों का गहरा संबंध है कि हम कैसे सोचते हैं, व्यवहार करते हैं और जीते हैं। अज्ञानता और बौद्धिक अहंकार व्यक्तिगत जीवन में संकट लाते हैं। ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा दांव पर हैं। लोभ और भोग की वजह से मानवीय गुणों की जगह विकारों ने घेर ली है। उच्चतम सार्वजनिक पदों पर बैठे लोग शायद ही चरित्रवान होते हैं। यह एक बुनियादी संकट है।गांधी जयंती का यह अवसर कुछ उदात्त विचारों की पेशकश करने या नैतिक आधार लेने के लिए नहीं है। हम यह स्वीकार करें कि देश और स्थान के बावजूद हमारा चरित्र सामूहिक रूप से हम सभी के सामूहिक व्यवहार में प्रकट होने के लिए जिम्मेदार है। एक शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के लिए लोगों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को आत्म-विनियमन और संभालने के लिए शिक्षित करना होगा जहां न्यूनतम संघर्ष और हिंसा हो।व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक मानदंडों तथा देश के कानूनों की अनदेखी, उल्लंघन और तोड़-फोड़ करने वाले स्वेच्छाचारी व्यवहार को जन्म दिया है।

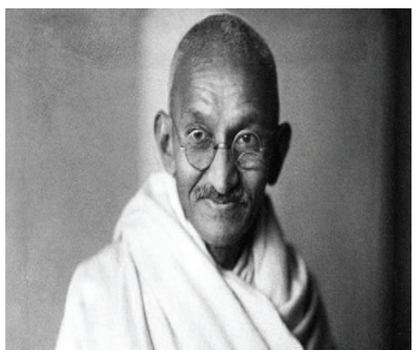

गांधी ने हिंद स्वराज्य% में 19वीं सदी के जाने-माने जीवविज्ञानी और मानवविज्ञानी थॉमस हेनरी हक्सली को उद्धृत किया है- मुझे लगता है कि वह आदमी जिसे अपनी युवावस्था में इतना प्रशिक्षित किया गया है कि उसका शरीर उसकी इच्छा का तैयार सेवक है और आसानी और खुशी

के साथ वह सब काम करता है, जो एक तंत्र के रूप में वह करने में सक्षम है; जिसकी बुद्धि साफ है,उसे स्वार्थहीन शिक्षा प्राप्त हुई है.., जिसका मन प्रकृति के महान और मौलिक सत्य एवं उसके संचालन के नियमों के ज्ञान के साथ संग्रहीत है .., जानता है कि जुनून को एक जोरदार इच्छा से पैरों तले आने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, एक संवेदनशील विवेक का सेवक .., सभी प्रकार की दुष्टता से घृणा करना और अपने समान ही दूसरों का सम्मान करना। मुझे लगता है कि उसे स्वार्थहीन शिक्षा मिली है क्योंकि वह प्रकृति के साथ सद्भाव में है। वह प्रकृति को और प्रकृति उसे सबसे अच्छा बना देगी

दुर्भाग्य से अगली पीढ़ी को उपरोक्त वर्णित भावना में शिक्षित करने में दुनिया भर की शिक्षा प्रणाली विफल रही है। हिंसा एक दिन में खत्म नहीं होगी। इसके लिए हमें अगली पीढ़ियों को शिक्षित करना है। गांधी ने साबित किया था कि शिक्षा शास्त्र और शिक्षा की फिलॉसफी मन,कर्म व बुद्धि को शिक्षित करने के क्रम में थी।

प्रचलित शिक्षा प्रणाली अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा और %मैं पहले% की भावना को जन्म देती है। यह सहयोग, करुणा और प्रेम की भावना को खत्म करती है। प्रतियोगिता एक %अच्छे जीवन% के लिए है। अच्छे जीवन को शारीरिक आराम और आनंद के रूप में देखा जा रहा है। यह व्यक्तियों को जीवन में खुशी की ओर ले जाने में समर्थ नहीं है। व्यक्तियों की वृद्धि और विकास का मापदंड भौतिक संसाधनों की असीमित मांग और उनकी निर्बाध आपूर्ति को माना जाता है और यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में परिलक्षित होता है।अब यह समझा जाता है कि किसी देश के अंदर और देशों के बीच संघर्ष मुख्य रूप से प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों को नियंत्रित करने के लिए होता है जो शारीरिक आराम और आनंद के लिए भौतिक वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करते हैं। बेशक, एक वर्ग है जो दावा करता है कि यह प्रकृति को यथासंभव गहराई से जानने और पृथ्वी को समृद्धि के साथ सबसे अच्छा जीवित ग्रह बनाने के लिए सत्य की खोज है। प्रतिस्पर्धा, संघर्ष व अनियंत्रित उपभोग के साथ-साथ चारित्रिक संकट ने तथाकथित उदार समाजों और देशों को बचाने एवं उन पर हमला करने के लिए धार्मिक कट्टरवाद को प्रेरित किया है।जातीय हिंसक संघर्षों में भी अनिवार्य रूप से राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण होते हैं। संसाधनों पर कब्जे को सक्षम करने के लिए शक्ति तथा प्रभुत्व की वैश्विक भूख ने एक-दूसरे के प्रति नफरत को बढ़ावा दिया है।

यह बहुत तार्किक नहीं लग सकता तथा राजनीतिक-आर्थिक शक्ति के खेल एवं बढ़ते धार्मिक कट्टरवाद के बीच संबंध कमजोर दिखाई दे सकते हैं, लेकिन एक गहरा प्रतिबिंब कनेक्शन को प्रकट करेगा। गांधीजी ने सौ साल से भी अधिक समय पहले आधुनिकता की नकारात्मक विशेषताओं पर अच्छी तरह से चर्चा की है जिसने कुछ पारंपरिक समाजों को धार्मिक कट्टरवाद का सहारा लेने, पुरातन विश्वासों के माध्यम से अपनी आबादी को गुलाम बनाने और धर्म-आधारित सभ्यता की स्थापना के नाम पर खूनी युद्ध करने के लिए उनका ब्रेनवॉश करने के लिए प्रेरित किया है।

यह मानवता के लिए शुभ संकेत नहीं है। नस्ल, आर्थिक असमानता, धर्म व नस्लीय पूर्वाग्रह प्रतिशोध के साथ वापस आ गए हैं एवं दुनिया में प्रकट और संरचनात्मक हिंसा को बढ़ावा देंगे। मानवता आखिर इससे कैसे बच निकलती है? गांधीजी ने एक जीवन जिया और उसे दिखाया। अपने जीवन के अंतिम दिन तक वे अपनी कमजोरियों पर चिंतन करते रहे और अपने चरित्र को मजबूत करने के लिए उन्हें दूर करने की कोशिश की।इस तरह गांधी अपना %स्वराज% हासिल करने की राह पर चलते रहे। हम में से प्रत्येक को आत्मावलोकन, आत्म-परीक्षा और आत्म-सुधार के जरिए ऐसा करने का प्रयास करना चाहिए। विश्व के सभी देशों को नीति के रूप में सत्ता के राजनीतिक और आर्थिक विकेंद्रीकरण को अपनाना होगा। इस प्रक्रिया से प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन पर नियंत्रण आरंभ हो सकेगा।

संपादकीय

बेअसर फटकार

एक बार फिर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के लिये प्रभावी कदम न उठाने पर पंजाब व हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सरकारों ने पराली जलाने के दोषियों से नाममात्र का ही जुर्माना वसूला, जिसके चलते इसे जलाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फलत~ दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी खरी-खोटी सुनायी है कि उसने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उसके निर्देशों को लागू करने का ईमानदार प्रयास नहीं किया। दो सदस्यीय पीठ ने सख्त नाराजगी जतायी कि गत 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिये बुलाई आयोग की बैठक में ग्यारह में से सिर्फ पांच सदस्य ही शामिल हुए। पराली जलाने की घटनाओं पर शिथिलता बरतने पर कोर्ट ने केंद्र सरकार व वायु गुणवत्ता आयोग को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये आगामी 16 अक्तूबर की तारीख तय की है। यह विडंबना ही है कि प्रदूषण के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो लगातार होती रही है लेकिन पराली व प्रदूषण बढ़ाने वाले अन्य कारकों पर रोक लगाने के लिये कोई ईमानदार प्रयास होते नजर नहीं आते। अदालत ने गत वर्ष भी कहा था कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये सतत निगरानी की जानी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली सरकार, हरियाणा व पंजाब में पराली का मुद्दा राजनीति के रंग में रंगता रहा है। यही वजह है कि बीते साल की तरह ही इसी मौसम में फिर से प्रदूषण की समस्या विकट होती जा रही है। फिर ठंड का मौसम आते ही भौगोलिक कारणों से प्रदूषण विकराल रूप लेने लगता है। दिवाली पर तो पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है।

निस्संदेह, यह तंत्र की काहिली का ही नतीजा है, जिसके चलते दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर लेती है। दरअसल, प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की वजह भी वोटों की राजनीति ही है। सरकारें पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक के खिसकने की चिंता सताती रहती है। हाल ही में वायु गुणवत्ता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि गत पंद्रह से पच्चीस सितंबर के मध्य पंजाब में पिछले साल इन दिनों के मुकाबले में दस गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। वहीं बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस वर्ष हरियाणा में पांच गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई। सवाल यह है कि हर साल सितंबर से नवंबर के बीच बढ़ने वाली पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा रहा है? बावजूद इसके कि शीर्ष अदालत बार-बार सख्त निगरानी की बात कहती रहती है। लेकिन सरकारों के तमाम दावों के बावजूद किसानों को ऐसा कारगर विकल्प नहीं दिया जा सका है कि किसान को खेत में पराली जलाने की जरूरत न पड़े। दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकारें भी तभी जागती हैं जब राजधानी व उसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण के कारण जीवन पर संकट उत्पन्न होने लगता है। यहां तक कि अदालत के आदेश भी क्रियान्वयन की बाट जोहते रह जाते हैं। जबकि आंकड़े बता रहे हैं कि हर साल देश में लाखों लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं या फिर उनके जीवन की प्रत्याशा में कई सालों की कमी हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली व अन्य राज्यों की सरकारें जन स्वास्थ्य के लिये उपजे बड़े संकट के प्रति संवेदनशील रवैया नहीं अपनाती हैं। वैसे राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण में पराली के अलावा तमाम अन्य कारक भी हैं। सड़कों पर उतरती पेट्रोल-डीजल वाहनों की सुनामी, सार्वजनिक यातायात की कमी व उद्योग व निर्माण कार्यों में लापरवाही भी प्रदूषण की बड़ी वजह है। दरअसल, इस संकट से मुक्ति के लिये समग्र दृष्टि से कदम उठाये जाने चाहिए।

Uttar Pradesh में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे की खींचतान क्या होगा भविष्य

यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच उपचुनावों को लेकर चल रही वार्ता में खटास बढ़ती जा रही है। आने वाले उपचुनावों में 10 सीटों पर चुनाव होना है, और दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर असहमति नजर आ रही है। कांग्रेस, जो इस बार 5 सीटें मांग रही है, सपा के साथ एक ठोस गठबंधन बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। वहीं, सपा सिर्फ 1 से 2 सीटें देने पर ही सहमत है।कांग्रेस की मांग की गई सीटों में मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर शामिल हैं। हालांकि, सपा इस मांग को लेकर साफ स्थिति में नहीं है, जिससे दोनों दलों के बीच बातचीत और अधिक जटिल हो गई है। इस स्थिति को भांपते हुए, कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं, जो संबंधित सीटों पर सम्मेलन कर रहे हैं। इन सम्मेलनों के माध्यम से कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

इसे भी पढ़ें~ यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों से यूपी की बन रही नई पहचान

कांग्रेस का यह दृष्टिकोण 50-50 फॉर्मूले पर आधारित है। पार्टी का मानना है कि जिन 10 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से 5 सीटें पिछली बार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने जीती थीं और उन पर सपा का प्रभाव कम है। इसलिए, कांग्रेस का तर्क है कि उन्हें एनडीए वाली सीटें मिलनी चाहिए, जबकि सपा को अपनी पुरानी 5 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह एक तरह का प्रयोग है, जिससे कांग्रेस आगामी 2027 विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति को मजबूत करना चाहती है। अगर कांग्रेस इस बार 5 सीटें हासिल करने में सफल रहती है, तो इसका असर भविष्य के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने हाल ही में कहा था कि पार्टी केवल उन सीटों पर बात करना चाहती है जहां पिछले चुनावों में

भाजपा और उसके सहयोगियों को जीत मिली थी। उनके अनुसार, जिन सीटों पर सपा ने सफलता पाई थी, वहां कांग्रेस के कार्यकर्ता सपा का साथ देंगे, जबकि भाजपा के मजबूत क्षेत्रों में वे खुद मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। यह स्थिति सपा के लिए असहज हो रही है, क्योंकि यदि वे कांग्रेस को अधिक सीटें देती हैं, तो इसका मतलब होगा कि वे अपने जनाधार को कम कर रहे हैं।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसे %दो लड़कों% की जोड़ी के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस चुनाव में सपा ने 298 सीटों पर और कांग्रेस ने 105 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। उसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इन दोनों दलों ने साथ में चुनाव लड़ा, जिसमें सपा ने 63 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। इस चुनाव में सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी थी।

हालांकि, अब सपा एक बार फिर से वैसी ही स्थिति में जाने से बचना चाहती है, जहां उन्हें कांग्रेस को अधिक सीटें देने की मजबूरी झेलनी पड़े। इसके बजाय, सपा अधिकतम 1-2 सीटें देने का पक्षधर है, ताकि उनकी खुद की स्थिति मजबूत बनी रहे। कांग्रेस इस बार समर्पण के साथ अपने लिए अधिक सीटें मांग रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भविष्य की चुनावी राजनीति में अपनी स्थिति को मज़बूत करने के लिए गंभीर है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस इस बार अपने लिए 5 सीटें हासिल कर लेती है, तो यह आने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे 2027 के चुनावों में 403 सीटों वाली विधानसभा में कम से कम 200 सीटों पर दावेदारी ठोकने की स्थिति में आ जाएंगे।इस विवादित स्थिति में, जहां दोनों दलों के बीच तालमेल की कमी है, यह देखना होगा कि आखिरकार यह खींचतान किस दिशा में जाएगी। क्या सपा अपने जनाधार को बचाने में सफल होगी या कांग्रेस अपनी मांगों को मनवाने में कामयाब होगी, यह भविष्य में तय होगा। यूपी की राजनीति में यह एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जो आगे चलकर दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

त्योहार पर पाएं दमकती त्वचा

त्योहार के समय वातावरण खुशनुमा, आनंदित और उर्जापूर्ण होता है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, पुरुष सब नए-नए वस्त्र पहनकर जश्न मनाने के मूड में होते हैं और एक दूसरे के साथ उपहार का आदान-प्रदान करते रहते हैं साथ हीं साथ पूजा आराधना भी करते हैं।

त्योहार के समय अच्छे-अच्छे कपड़े तो लोगों को तुरंत और दुकानों पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन कपड़ों को पहनने के बाद भी कई महिलाओं को लगता है की उनकी त्वचा रुखी सूखी है जिसकी वजह से उन्हें अपनी सुन्दरता में कमी नजर आती है। और उनके मन के कोने में हमेशा यह बात बैठी रहती है जिसकी वजह से उनके त्योहार का मजा किरकिरा होने लगता है। जी हाँ ! यदि आपकी त्वचा चमकती हुई नहीं है या उनमें रूखापन है तो आपको हमेशा यह डर भी सताता रहेगा की इससे कही आपकी सुन्दरता में कमी न आ जाये। इससे आपका आत्मविश्वास भी कम होगा। जबकि दमकती त्वचा आपकी सुन्दरता में चार चाँद लगा देगी। तो अगर आप घरेलू उपाय से कम से कम समय में त्वचा में निखार पाना चाहती हैं तो नीचे दिए गए उपायों पर अमल करें।

घरेलू प्रयोग

अपनी त्वचा को नियमित रूप से साफ़ करने के लिए जई, जिसे अंग्रेजी में ओट्स कहते हैं, को दूध या दही में मिलाकर घोल बना लें और उसे अपने चेहरे पर मलें । करीबन 10 मिनट बाद उसे धो दें और एक नर्म तौलिये से उसे सुखा दें।

जिनकी त्वचा शुष्क होती है, उन्हें दूध या दही, और ग्लिसरीन और शहद के साथ बादाम चूरा मिलाकर लगाना चाहिए। बादाम और शहद बहुत ही बढ़िया मॉइसचराईज़र होते हैं।

मौसमी फलों का लाभ उठाएं। नारंगियां सौम्य ब्लीचिंग एजेंट होती हैं और स्ट्राबैरी त्वचा के तेल पर नियंत्रण रखती हैं।

त्वचा में पाए गए खुले छिद्र पूरी तरह से बंद नहीं किये जा सकते पर सिकोड़े ज़रूर जा सकते हैं और वह इस तरह अंडे के सफ़ेद भाग और शहद का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मलें और 10 मिनट बाद उसे धो डालें। इससे त्वचा में खुले हुए छिद्र सिकुड़ और कस जायेंगे। और चेहरे के महीन बाल भी गायब हो जायेंगे।

पेशेवर उपचार

अगर आपके पास ऊपर बताये गए नुस्खों के लिए समय नहीं है, तो आप किसी स्पा यानि कि स्वास्थ्य केंद्र की सहायता ले सकती हैं।

आजकल कई स्पा आपके सौंदर्य में चार चांद लगाने के लिए 24 कैरेट स्वर्ण भस्म और नैसर्गिक सामग्रियां जैसे कि दूध, नींबू और चॉकलेट या गुलाब का प्रयोग करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहार से कम से कम 15 दिन पहले सौंदर्य उपचार कराना चाहिए ताकि त्योहार पर त्वचा की बढ़ी हुई दमक लोग देखते ही रह जाएं।

आपको अपनी इस नई दमकती त्वचा के सौंदर्य को बनाये रखने के लिए, सन स्क्रीन का भी उपयोग करना चाहिए। आप अपनी त्वचा को नम रखें, ताकि सौन्दर्य उपचार का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

पूरे शरीर को सुंदर और कोमल बनाने के लिए हल्दी, अच्छे चन्दन के चूरे और दूध का घोल बनाकर अपने पूरे शरीर पर मल दें और एक तौलिये से लपेट लें और करीबन एक घटे के बाद नहा लें।

यह बॉडी रैप न सिर्फ आपकी त्वचा को आभा प्रदान करता है, बल्कि उसके छिद्रों को भी साफ़ कर देता है। इसके बाद आप अमरुद के गूदे और दही का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मल दें और थोड़ी देर बाद धो दें। इससे आपके चेहरे पर रह गए हल्दी के दाग गायब हो जायेंगे। या फिर गाजर के गूदे और दही का घोल बनाकर पूरे शरीर पर मल दें। इससे भी आपके शरीर पर से हल्दी के बचे खुचे निशान मिट जायेंगे।

सफेद बालों से पाएं छुटकारा

सफेद बाल, अगर आप उसका अंगिकार करते हैं सुरुचिपूर्ण और स्टाइलिश हो सकते है। यह व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है। अगर कोई व्यक्ति सफेद बालों को दिखाना पसंद नहीं करता है, तो वैकल्पिक रूप से उसे छिपा सकते है। यहां सफेद बालों के संकट को हल करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

किसी की उम्र 16 हैं या 60 साल की है, सफेद बाल हमेशा किसी या अन्य दिन अचानक प्रकट हो सकते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों में रंगद्रव्य उत्पादन करने वाले पदार्थ कम होते है, और बालों को किसी भी रंग के बिना छोड़ते है। यह भूरे या सफेद बाल उनके साथ कुछ नई चुनौतियों लाते है, हालाकि इसपर आसान समाधान उपलब्ध हैं और आपके बालों को कुछ

स्टाइलिश और आकर्षक बना सकते हैं।

कुछ लोग केवल कुछ बाल सफेद होने की समस्या का सामना करते हैं, लेकिन यह सफेद हुए बाल भी ऐसे जगह दिखते है, जहां सबका ध्यान आकर्षित होता हैं। इन सफेद बालों के संकट को दूर करने का एक समाधान है, इन बालों को उखाड़ देना। क्योंकि सफेद बाल अधिक सूखे और भंगुर होते हैं, अगर कोई एक आकर्षक केश रचना करता है, तो भी वे काटे की तरह खड़े रह सकते हैं। इसलिए, अगर आपके ज्यादा बाल सफेद नही हैं, तो आपको उन्हें उखाड़ना चाहिए। इस आम धारणा के विपरीत, की अगर आप एक सफेद बाल उखाड़ेंगे तो उस जगह दो नये सफेद बाल उगेंगे। यदि आपके बाल जल्दी सफेद हो रहे है, तो जब भी आप बाल उखाड़ते है, तो ऐसा लग सकता है, की सफेद बालों की संख्या हर बार आपके बाल उखाड़ने पर बढ़ रही है, लेकिन ऐसा नही है, चाहे आप पहले बाल उखाड़े या नही उनका बढ़ना शुरु रहेगा।

कुछ ऐसे मामले है, जहा लोगों को सफेद बालों को रंगने में समस्या का सामना करना पड़ता हैं। चाहे आप अपने बालों को खुद रंगाए या एक पेशेवर से रंगाए, स्टाइलिस्ट आपको आपके लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा इस पर सुझाव दे सकते हैं। आपके रंगों की पसंद के बारे में अपने स्टाइलिस्ट से बात करें, बाजार में कई प्रकार के रंग आज उपलब्ध हैं, कई महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों के रंग से एक या दो शेड हल्का गहरा रंग आसानी से मिल सकता हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया है, अगर आपके सफेद बाल उखाड़ने से परे बहुत ज्यादा व्यापक है, लेकिन समान रूप से वितरित है और आपके बालों का प्राकृतिक रंग अभी भी प्रमुख है, तो स्टाइलिस्ट आपके सफेद बालों को अलग से रंग कर हायलाइट या लोलाईट करके मिश्रित कर सकते है।

कभी कभी, सफेद बालों के संकट के साथ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह सालों तक बालों को छुपाते है। और अब क्योंकि लगभग सभी बाल सफेद हो जाते हैं, उनको उन्हे अपने प्राकृतिक रंग में बनाने की इच्छा होती हैं। इस के लिए एक समाधान है, कि जब सफेद बालों कों वास्तव में रंग का अभाव होता है, तब आपके सफेद बालों को रंगना और अधिक मुश्किल होगा। इसलिए, आप रंगों के शेड में क्त्रमिक बदलाव कर सकते है, जब आपके सफेद बाल बढ़ते है, तब सफेद बालों को रंगानें वाले साधनों का धीर-धीरे इस्तेमाल करे। वैकल्पिक रुप में आप बालों की जडों पर अस्थायी या अर्ध स्थायी रंगों से रंग सकते हैं। यहां आपकी मदद करने वाले उत्पाद आपके सफेद बालो को छुपाएंगे और बहुत बार शैंपू कर के रंग निकालने के बजाय और एक बार धोने से रंग के निकल जाने के बाद आप तय कर सकते हैं कि क्या आपको किसी अन्य अनुप्रयोग की आवश्यकता है। आप जिसका भी चुनाव करे, एक कम समय की केश रचना परिवर्तन समय को कम करने में मदद करेगी।

हर दिन लगे ब्यूटीफुल

खूबसूरत दिखना हर किसी की प्राथमिकता नहीं हो सकती। अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे। मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञा विद्या टिकारी के अनुसार मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।

उखडी हुई नेलपॉलिश

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

सफ़ेद बाल

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी

हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीकड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

रूखे, बिखरे बाल

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

फैली हुई लिपस्टिक

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

बिगड़ी हुई आइब्रोज

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

अपर लिप

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल हैं और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

■ प्रोटीन बेस ■ पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज ■ एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स ■ फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला ■ प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं-

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

■ सूरजमुखी के बीज ■ चिया बीज ■ अलसी का बीज ■ कद्दू के बीज ■ ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

■ भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
■ बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
■ बच्चों का दिमाग न चलना
■ शरीर में अंदरूनी सूजन
■ एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

■ एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
■ कुछ प्रकार के कैंसर
■ कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
■ वायरल हेपेटाइटिस
■ कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

■ इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
■ खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
■ सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
■ पर्याप्त नींद लें।
■ जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
■ टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
■ अपना वजन कंट्रोल रखें।
■ सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

■ पर्याप्त नींद लें।
■ खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
■ व्यायाम जरूर करें।
■ अपने लिए समय निकालें।
■ उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
■ तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर औ मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 5: मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल प खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलक कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करत है कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बता है कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगो मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टेट किड्स स्टडी के आंकड़ों क विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 औ 36 महीने की उम्र में अपने बच्चो की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिता थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते है। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1770

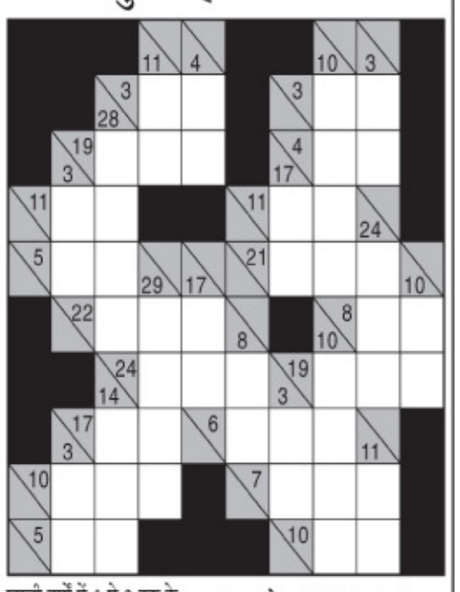

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

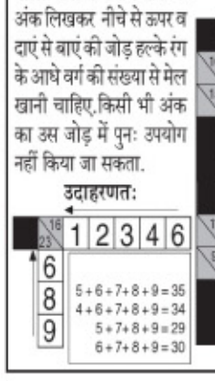

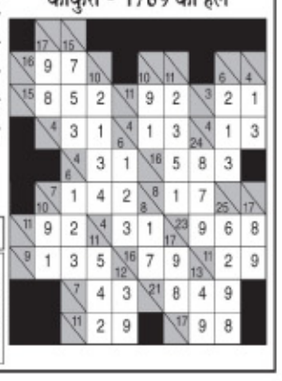

उदाहरण:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1769 का हल

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

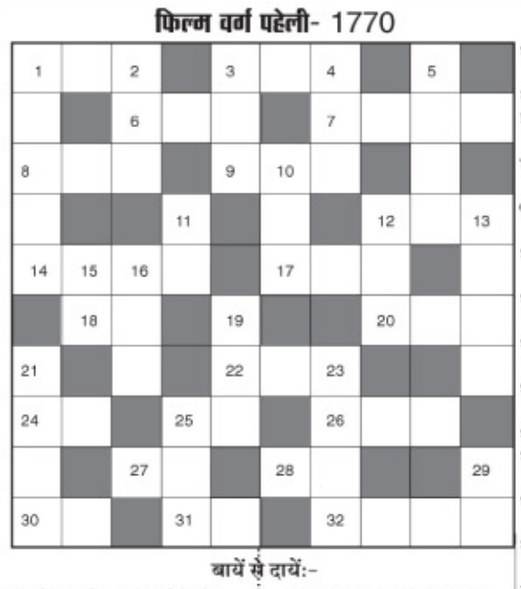

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 1770

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरुद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1769

सूडोकु -1770

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1769 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 1770

बाएँ से दाएँ

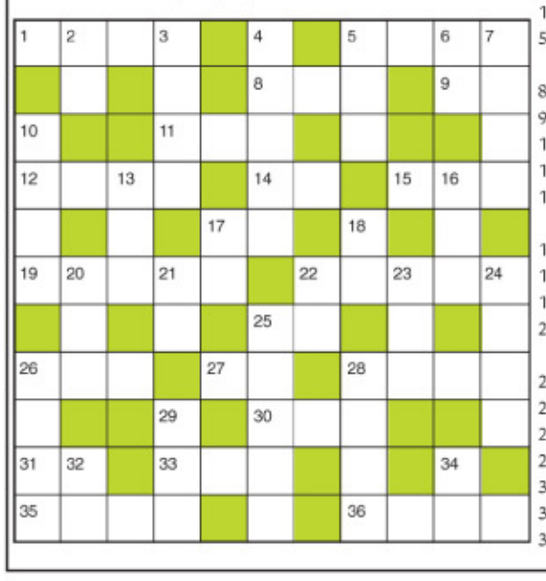

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला,
ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 1769 का हल

भारतीय वायुसेना का एयर शो लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर चेन्नई के मरीना बीच पर आयोजित शानदार एयर शो ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा लिया। यह सबसे बड़े एयर शो में से एक होने और इसके भव्य प्रदर्शन के लिए रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। इस शो को 15 लाख लोगों ने देखा, जो 21 साल के अंतराल के बाद मरीना में आयोजित एयर शो में देखी गई सबसे अधिक भीड़ है। पिछली बार जब यह कार्यक्रम 2003 में यहां आयोजित किया गया था और उस समय 13 लाख लोगों ने इसे देखा था। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है,चेन्नई के लोगों ने भारतीय वायुसेना द्वारा अपनी 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक शानदार एयर शो देखा, जिसने इस शो को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल करा दिया। विज्ञप्ति में कहा गया,15 लाख से ज़्यादा लोगों ने देश के वायु योद्धाओं के रंगारंग और शानदार प्रदर्शन को देखा, जिसमें उनके 72 से ज़्यादा विमान शामिल थे। पूरा समुद्र तट और ईस्ट कोस्ट रोड के कोवलम से लेकर एन्नोर के उत्तरी उपनगर तक ऊंची इमारतों की छतें एयर शो देखने के लिए लोगों से भरी हुई थीं। यह शो लगभग 21 साल बाद यहां आयोजित फिर से आयोजित हुआ। यह अब तक के सबसे बड़े एयर शो में से एक है। उल्लेखनीय है कि यह वार्षिक कार्यक्रम लंबे समय से दिल्ली में आयोजित किया जाता रहा है।

ईडी ने रोज वैली के 7346 जमाकर्ताओं में प्रत्येक को 10,200 रुपये किए वापस

कोलकाता। घोटाले से प्रभावित रोज वैली चिटफंड में अपना धन जमा करने वाले करीब 7346 जमाकर्ताओं को 10,200-10,200 रुपये का रिफंड प्राप्त हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि वित्तीय घोटाले में धोखाधड़ी करने वालों को ईडी की परिसंपत्ति निपटान समिति (एडीसी) द्वारा रिफंड की पहली किस्त के रूप में यह राशि वितरित की गई है। अदालत के आदेश के तहत अपना दावा साबित करने वाले 7346 जमाकर्ताओं को तीन अक्टूबर को कुल 5.12 करोड़ रुपये वितरित किए गए। सूत्रों ने बताया कि एडीसी द्वारा दावों की जांच की गई और उन्हें मान्य किया गया। अब तक कुल 28.10 लाख दावों में से 31,352 दावों का निपटान किया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार ईडी ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा में फैली 494 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 1,069 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की है। अकेले पश्चिम बंगाल में 1,184 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, जो रोज वैली समूह के धोखाधड़ी वाले निवेशकों को न्याय दिलाने के एजेंसी के प्रयासों को रेखांकित करता है।

भाजपा सांसद उमेश नाथ ने कहा, 'गौमाता पूरे विश्व की माता है'

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद उमेश नाथ ने गाय को 'विश्व माता' को बताया है। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि गौमाता पूरे विश्व की माता है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा गाय को 'राज्यमाता' का दर्जा दिए जाने के एक सवाल का जवाब देते हुए भाजपा सांसद उमेश नाथ ने आईएएनएस से कहा कि मेरा मानना है कि यहां गाय एक विषय नहीं है बल्कि मैं मानता हूं कि गाय पूरे विश्व की माता हैं। उमेश नाथ ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा के लोगों को अब यह बात समझ लेनी चाहिए कि हम ऋषि-मुनियों के देश में रहते हैं। ऐसे में हमारी परंपरा भी अग्रणी होनी चाहिए और हमारे ऋषि-मुनियों का सम्मान होना चाहिए। शिक्षा से कॉन्वेंट प्रथा को अब खत्म होना चाहिए। इसके बजाए लोगों को गुरुकुल प्रथा से जुड़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीते दिनों कुलपति को कुलगुरु का दर्जा देने का काम किया है। मेरा सभी लोगों से अनुरोध है कि अपनी कुल और गुरु मर्यादा जरूरी है। इसमें हम सब लोगों को शिक्षा की प्रक्रिया पर ध्यान देना चाहिए।' ज्ञात हो कि हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने गाय को 'राज्यमाता' का दर्जा दिया है।

जितिन प्रसाद ने पीलीभीत में किया नाइलिट सेंटर का उद्घाटन

पीलीभीत। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में राजकीय इंटर कॉलेज में एक नवनिर्मित राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भवन का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने रोजगार मेले में मौजूद युवाओं को नए रोजगार के अवसर प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने बताया कि तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र में 36 मल्टीनेशनल कंपनियों को शामिल किया जाएगा, जिससे नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पीलीभीत में स्थापित होने वाला यह तीसरा नाइलिट सेंटर हैं। मंत्री ने कहा कि यह सेंटर युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी कौशल विकसित करने का मौका देगा, ताकि वे नए रोजगार प्राप्त कर सकें। इसके अलावा, यह सेंटर देश में साइबर क्राइम के खिलाफ भी एक सशक्त कदम साबित होगा। जितिन प्रसाद ने कहा कि यह सेंटर यूपी के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है और हमारी 100 दिन की प्राथमिकताओं का हिस्सा है। उन्होंने यह भी बताया कि अगले महीने की 15 नवंबर 2024 तक सेंटर चालू होगा और कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी जो साइबर अपराध में लिप्त हैं। देश में 80 करोड़ से अधिक मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं।

साध्वी ऋतंभरा भारतीय संस्कृति को पहुंचा रही है विदेशों तक : ओम बिरला

एजेंसी

मथुरा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि साध्वी ऋतंभरा जिस प्रकार से ऐसे बच्चों का मां के रूप में पालन पोषण कर रही हैं जिनका समाज में कोई नही है प्रशंसनीय और प्रेरणादायक है।

वात्सल्य ग्राम वृन्दावन में आयोजित द्विदिवसीय नेत्र चिकित्सा शिविर के समापन मे मरीजों को चश्मे, दवाइयों आदि का वितरण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री बिरला ने कहा कि वृन्दावन, गोवर्धन एवं बांकेबिहारी की यह धरती आध्यात्मिक धर्म की धरती है। उन्होने कहा कि साध्वी ऋतंभरा नेत्र शिविर के साथ ऐसे कई सामाजिक ,मानव कल्याण के कार्य कर रही है।उन्होंने कहा'नर सेवा नारायण सेवा है। अपने आध्यात्मिक धर्म , ज्ञान और संस्कृति से साध्वी ऋतंभरा दुनिया में भारतीय संस्कृति को पहुंचा रही हैं। उनके इस प्रकार के कार्य से समाज को न केवल प्रेरणा मिलती है बल्कि नई दिशा मिलती है तथा एक ऐसे समाज का निर्माण होता है जहां सत्य होता है नैतिकता होती है और चुनौतियों से लड़ने का साहस और ऊर्जा मिलती

है।''लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति अर्जित करने का पर्व है। मां के दरबार म लोगों को इसी प्रकार की सेवा और समर्पण की शक्ति मिले यही मेरी कामना है। मां के अलग अलग स्वरूपों में होनेवाली पूजा से सारा समाज प्रेरणा ले यही इस पर्व का संदेश है। लोकसभा अध्यक्ष ने मुम्बई से आए डॉ श्याम अग्रवाल की भी प्रशंसा की जिन्होंने पिछले 25 साल से लगातार वात्सल्य ग्राम में आकर 22 हजार से अधिक रोगियों के नेत्र आपरेशन किये। उनका कहना था कि यदि ये आपरेशन न किये गए होते तो संभवतः कुछ लोगों की नेत्र ज्योति ही चली जाती। इस अवसर पर बोलते हुए साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि नेत्र शिविर की रजत जयंती में लोकसभा अध्यक्ष बिरला के आने से कार्यक्रम और अधिक सफल हो गया । उनका कहना था कि शिविर की सफलता का श्रेय डा0 श्याम अग्रवाल को जाता है जो पिछले 25 वर्षों से लगातार अपनी दो दर्जन से अधिक की टीम लेकर मुम्बई से आते हैं और शिविर में मोतियाबिन्द के आपरेशन करते हैं। इस साल उन्होंने 280 रोगियों के मोतियाबिन्द के आपरेशन किये।

कार्यक्रम में माट विधायक राजेश चौधरी, बल्देव विधायक पूरन प्रकाश, अमेरिका परम शक्ति पीठ के पूर्व अध्यक्ष शेखर रेड्डी, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोदी आदि भी मौजूद रहे।

गौ विज्ञान पर 13 नवंबर को होगी परीक्षा, सरसंघचालक डॉ भागवत ने किया पोस्टर का विमोचन

एजेंसी

कोटा/बारां। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन राव भागवत ने गौ विज्ञान अनुसंधान एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा का पोस्टर विमोचन किया। यह परीक्षा 13 नवंबर 2024 को आयोजित होगी। क्षेत्र गौसेवा गतिविधि प्रमुख राजेन्द्र पामेचा ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य गौ माता के प्रति छात्र-छात्राओं में सेवा और सुरक्षा का भाव जगाना है। गौ माता का पंचगव्य चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। क्षेत्र गौसेवा गतिविधि प्रमुख के अनुसार भारतीय गाय का अर्थ जिसके पीठ पर कूबड़ निकली हुई है, जिसे सूर्यकेतु नाड़ी कहते हैं, जिसके माध्यम से सूर्य की किरणें अन्दर जाती इसलिए दूध और घी में पीलापन आता है जो इम्युनिटी बूस्ट करता है। गाय में गलखम्ब लटका हुआ रहता है। परीक्षा के माध्यम से गौ माता के संरक्षण संवर्धन के लिए गो उत्पाद पंचगव्य, गौ काष्ट आदि की व्यावसायिक एवं विज्ञान आधारित जानकारी विद्यार्थियो को होनी है। वर्ष 2011 से इस परीक्षा का आयोजन हुआ और अब तक 08 बार आयोजन हो चुका है। संघ की गौ सेवा गतिविधि के विभिन्न आयामों के अंतर्गत गो चिकित्सा, गो आधारित कृषि एवं छत पर बागवानी, गो-ऊर्जा के अंतर्गत गोबर गेस से बिजली बनाना और बैल चालित ट्रेक्टर और जनरेटर को प्रोत्साहित किया जाता है। पंचगव्य से विभिन्न उत्पाद, पंचगव्य से मनुष्य चिकित्सा और उत्पादों गोघृत बाम, तक्रासव, अमृतधारा आदि के विपणन की संभावना पर समाज में जागरूकता प्रदान की जाती है।

बिहार के तीन जिलों में डूबने से 12 लड़के-लड़कियों और एक अधेड़ की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के तीन जिलों में नदी में डूबने से 12 लड़के-लड़कियों और एक अधेड़ की मौत हो गई। पहली घटना में रोहतास जिले के रोहतास थाना क्षेत्र के तुम्बा गांव के निकट सोन नदी में स्नान करने के दौरान हुई, जिसमें एक ही परिवार और रिश्तेदार के सात लड़के-लड़कियां डूब गए। देर शाम तक छह शव मिले गए हैं। एसडीआरएफ की टीम एक और शव की तलाश कर रही है। डूबे किशोरों में तुम्बा के रहने वाले अभय कुमार (10), विवेक कुमार (12) और राजू कुमार (12) जबकि इनके रिश्तेदार रांची, झारखंड निवासी पवन कुमार (07), नाव्या कुमारी (13), निधि कुमारी (12) और गुनगुन कुमारी (08) हैं। इसमें नाव्या कुमारी के शव को एसडीआरएफ की टीम तलाश रही है। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि घटना स्थल पर अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह व थानाध्यक्ष निकुंज भूषण कैंप किए हुए है। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि छह का शव मिल गए हैं। प्रयास है कि सभी के शव खोज लिए जाएं।

दूसरी घटना में कटिहार जिले में समेली प्रखंड के कुर्सेला थाना क्षेत्र अंतर्गत चकला मौलाना नगर पंचायत में चार स्कूली बच्चों की मौत नदी में डूबने से हो गई। ये बच्चे समेली हॉल्ट के पास सरैया धार में नहाने गए थे लेकिन गहरे पानी में चले जाने के कारण उनकी मौत हो गई। मृतक बच्चों दीपक कुमार (18), हिमांशु कुमार (18), अभिजीत कुमार (18) तथा सौरभ कुमार (15) हैं। सभी बच्चे चकला मौलाना नगर पंचायत के निवासी थे।

रेल मंत्री ने बेंगलुरु में नमो भारत ट्रेनों की घोषणा की

एजेंसी

बेंगलुरु रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु की यातायात समस्याओं को कम करने और क्षेत्रीय संपर्क में सुधार करने के लिए नमो भारत सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों की शुरुआत की घोषणा की है।

श्री वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बेंगलुरु स्थित भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) में निर्माणाधीन ये ट्रेनें जल्द ही बेंगलुरु से तुमकुरु और मैसूरु तक के मार्गों पर संचालित होंगी, जिससे शहरों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस की उल्लेखनीय सफलता को रेखांकित किया, जिसमें बेंगलुरु से चेन्नई, मदुरई और हैदराबाद तक के मार्गों पर 100 प्रतिशत से अधिक यात्री भार दर्ज किया गया है। इसे साफ है कि राज्य में तेज और आरामदायक रेल यात्रा की मांग है। श्री वैष्णव ने कहा, नमो भारत ट्रेनें किफायती किराए पर विश्वस्तरीय

अनुभव प्रदान करेंगी, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के यात्रियों के लिए अधिकतम आराम और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। नयी ट्रेनें उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से लैस होंगी। कवच प्रणाली, किसी भी आसन्न खतरे के बारे में ड्राइवर को सचेत करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

बेंगलुरु में ट्रेन सेवाओं को हवाई यात्रा के साथ बेहतर ढंग से जोड़ने की योजना है। रेलवे मंत्रालय बेंगलुरु हवाई अड्डा प्राधिकरण के साथ मिलकर हवाई अड्डे के टर्मिनलों के करीब रेलवे लाइन को बढ़ाने पर काम कर रहा है, जिससे हवाई यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित हो सकेगी।बेंगलुरु रेलवे स्टेशन और येलहंका के बीच मौजूदा एकल रेल लाइन को दोहरी लाइन में परिवर्तित किया जा रहा है, ताकि बढ़ती यात्री संख्या की जरूरतों को पूरा किया जा सके। श्री वैष्णव ने कहा कि इसके अलावा, बेंगलुरु के कैंटोनमेंट स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें 18,000 वर्ग मीटर के अतिरिक्त स्थान के साथ जी+2 संरचना बनाई जाएगी।बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए 250 कारों और 250 दोपहिया वाहनों के लिए भूमिगत पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए 250 कारों और 250 दोपहिया वाहनों के लिए भूमिगत पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी।

चौखंभा पर्वत रेस्क्यू : मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का जताया आभार, राहत व बचाव दलों की सराहना की

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने चमोली जिले के चौखंभा पर्वत पर फंसे दो विदेशी महिला पर्वतारोहियों के सफल रेस्क्यू में मदद के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) के अधिकारियों के साथ वायु सेना, पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी तथा उनकी टीम और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की टीम की सराहना की है।दरअसल, गत 11 सितंबर को दो महिला पर्वतारोही अमेरिका निवासी मिशेल थैरेसा डूरक (23) व इंग्लैंड निवासी फेव जेन मैनर्स (27) चौखंभा पर्वत के आरोहण के लिए दिल्ली से निकले थे। 3 अक्टूबर को देर शाम जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र चमोली को इंडियन माउंटेनियरिंग फेडरेशन से सूचना मिली कि दोनों विदेशी महिलाएं पर्वतारोही

चौखंभा-तीन पर्वत (6995 मीटर) पर 6015 मीटर की ऊंचाई पर फंस गए हैं। इसके बाद चौखंभा पर्वत पर फंसे विदेशी पर्वतारोहियों के रेस्क्यू के लिए रक्षा मंत्रालय से वायुसेना के दो चीता हेलीकॉप्टर आए। एयर आपरेशन के जरिए पर्वतारोहियों का पता न चलने पर प्लान-बी पर काम किया गया। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन की पहल पर एसीईओ क्रियान्वयन, डीआईजी राजकुमार नेगी ने बचाव दलों के साथ मिलकर लैंड बेस्ड आपरेशन की योजना बनाई। इधर, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की टीम को भी लैंड बेस्ड आपरेशन के लिए तैयार किया गया। इसके उपरांत एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया, जिसमें पूरे रेस्क्यू अभियान को लेकर राहत और बचाव दलों ने रणनीति तैयार बनाई। कब क्या करना है, कहां से क्लीयरेंस लेनी हैं, कब और कहां से ऑपरेशन प्रारंभ करना है। इन सबकी रणनीति इसी ग्रुप में बनी। एयर और लैंड ऑपरेशन की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), सैन्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय भारत सरकार की ओर से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी। रविवार सुबह वायु सेना के जवानों ने दोनों महिलाओं को रेस्क्यू कर बचा लिया। फ्रांस के दल ने भी दोनों पर्वतारोहियों को बचाने में बड़ी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री की निगरानी में विदेशी महिला पर्वतारोहियों का तीन दिन बाद सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

1800 करोड़ की ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद/नयी दिल्ली। देश में नशीले पदार्थों के कारोबारियों के खिलाफ शिकंजा लगातार कसा जा रहा है। गुजरात एटीएस और दिल्ली नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने भोपाल में नशीले पदार्थ बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है और इस फैक्ट्री से 1800 करोड़ रुपये से ज्यादा की ड्रग्स बरामद की गई है। साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी कामयाबी मिली है।इस मामले में भोपाल के रहने वाले अमित चतुर्वेदी और नासिक के रहने वाले सान्याल बाने को गिरफ्तार किया गया है। दोनों मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स के अवैध निर्माण और बिक्री में शामिल थे। गुजरात एटीएस के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील जोशी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात एटीएस को सूचना मिली थी कि भोपाल के रहने वाला अमित चतुर्वेदी और नासिक के रहने वाले बाने सांन्याल ने भोपाल में एक ड्रग्स फैक्ट्री बनाई है ओर इसमें यह लोग एमडी ड्रग्स का प्रोडक्शन कर रहे हैं। सूचना के सही पाए जाने पर एक टीम बनाई गई और इस जानकारी को एनसीबी के साथ ही साझा किया गया।

उन्होंने बताया कि इसके बाद गुजरात एटीएस और एनसीबी ऑपरेशंस की संयुक्त टीम ने शनिवार को बगरोदा इंडस्ट्रियल एरिया में छापा मारा। यह फैक्ट्री भोपाल के बाहरी इलाके में है और इसमें नशीली दवा मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माण की प्रक्रिया चल रही थी।

एनडीए जीतेगी बिहार में 2025 का विधानसभा चुनावः श्याम रजक

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों के द्वारा चुनावी रणनीतियों पर काम शुरू हो गया है। जेडीयू ने राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाई। बैठक में जेडीयू के सभी विधायकों को बुलाया गया। वहीं, भाजपा भी जिला स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक बुला रही है। जेडीयू ने कार्यकारिणी की बैठक से ऐलान कर दिया है कि अगला चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

बिहार विधानसभा को लेकर जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने बात की। उन्होंने कहा, जहां भी एनडीए की सरकार है, वहां पर विकास हुआ है। संगत-पंगत की नीति पर उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक और साथ में खाना खाना ही संगत और पंगत है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने झारखंड के गढखटंगा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिसर में दो बहुउद्देशीय भवनों की रखी आधारशिला

एजेंसी

रांची। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को रांची के समीप गढखटंगा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिसर में दो बहुउद्देशीय भवनों की आधारशिला रखी, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों को विशेष प्रशिक्षण देना है।

अपने संबोधन में शिवराज ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाना वर्तमान केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए उन्नत खेती पद्धति अपनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है, जिसमें यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने और उत्पादन की लागत कम करने के लिए अच्छे बीज, शोध के माध्यम से, किसानों को उपलब्ध कराने के लिए यहां के रिसर्चर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से यहां कृषि विज्ञान के क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को भी उनके उन्नत भविष्य की शुभकामना दी। इससे पहले केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ किसानों को कृषि में प्रयोग आने वाली सामग्रियों का वितरण भी किया। स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक डॉक्टर सुजय रक्षित ने संस्थान के इतिहास व

भूमिका की चर्चा करते हुए बताया कि इस संस्थान से अब तक 30 छात्र बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी जैसे विशिष्ट कोर्सों की पढ़ाई कर देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्य कर रहे हैं और वर्तमान में यहां 70 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

विजयादशमी चुनौतियों पर विजय पाने के लिए संकल्प लेने का उत्सव : आलोक कुमार

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने पटना में विजयादशमी उत्सव के निमित्त अपने बौद्धिक में कहा कि विजयादशमी उत्सव चुनौतियों पर विजय पाने के लिए संकल्प लेने का उत्सव है। पटना के राजा बाज़ार स्थित बिहार सांस्कृतिक विद्यापीठ में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने बिखरे हिंदू शक्ति को संगठित करने का संकल्प लेकर संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन की थी। वर्ष 2025 में संघ स्थापना के 100 वर्ष हो जाएंगे। यह वर्ष संघ कार्य के विस्तार का रहेगा। संघ के स्वयंसेवक इस वर्ष पांच चुनौतियों का सामना करने का संकल्प भी लेंगे। आलोक कुमार ने कहा कि विजयदशमी की परंपरा त्रेता युग से चली आ रही है। कई प्रसंग मिलते हैं, जिसमें दानवी शक्ति का संहार विजयादशमी के दिन किया गया। अपने शक्ति को प्रकट करने का यह दिन है। इसलिए आज के दिन शस्त्र पूजा की जाती है। वर्तमान समय में पांच संकट है उन्हें दूर करना अति आवश्यक है। इन संकटों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण की है। पर्यावरण को संरक्षित करना आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षित होगा तभी हम जीवित रह पाएंगे। आज नदियों का जल प्रदूषित हो गया है। गंगा, यमुना और तमाम नदियों के जिलों में प्रदूषण है। पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण करना हमारा दायित्व है। दूसरी सबसे बड़ी चुनौती हमारे परिवार व्यवस्था को बनाए रखना है। भारत की सबसे बड़ी पूंजी परिवार व्यवस्था है लेकिन आज वह छिन्न-भिन्न हो रही है। दुर्भाग्य से हमारे देश में भी वृद्ध आश्रम की संस्कृति पनप रही है। इसे समाप्त करना होगा। तीसरी चुनौती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज समरस समाज बनाना भी हमारी आवश्यकता है। छुआछूत, अस्पृश्यता इन सब चुनौतियों से हमें पार जाना होगा। सार्वजनिक स्थानों पर सभी एक हैं। देवालय, जल के स्रोत, श्मशान भूमि जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सभी का एक समान अधिकार है। इसी प्रकार नागरिक कर्तव्य बोध को जागृत करना भी परम आवश्यक है। अपने यहां स्व विवेक की परंपरा है। भारत में विदेश इतनी तेज गाड़ियां नहीं चलती फिर भी ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने के कारण भारत में सर्वाधिक एक्सीडेंट होते हैं। पांचवी चुनौती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्वभाव का निर्माण करना भी हमारी आवश्यकता है। अपने को गाली देना एक परंपरा बन गई है जबकि संपन्न देशों के नागरिक अपने देश की निंदा नहीं करते हैं। समस्या बताने से समाधान नहीं होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटना के बहुचर्चित हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अजीत प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि देश की प्रगति सभी नागरिकों से जुड़ी होती है। भारत की अखंडता और एकता की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है। विकास सभी क्षेत्रों का होना चाहिए। शिक्षा और तकनीकी कौशल में विकास करना अत्यंत आवश्यक है।

तय समयसीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं महाकुंभ की तैयारियां: सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। महाकुंभ-2025 की तैयारियां युद्ध स्तर पर आगे बढ़ रही हैं। 5600 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट से प्रयागराज को भव्य और सुंदर बनाया जा रहा है। कुंभ-19 में पूरी दुनिया प्रयागराज की ओर आकर्षित हुई थी।

इस दौरान करीब 25 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया था। वे सभी इतने बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में सहभागी बने थे। वहीं लगभग 100 देशों के राजनयिक भी कुंभ-19 के भागीदार बने थे। इन लोगों ने भारत के आध्यात्मिक और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का अवलोकन भी किया था। इसी क्रम में दिव्य, भव्य और नव्य महाकुंभ-2025 के लिए विभिन्न विभागों द्वारा युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में कहीं। उन्होंने महाकुंभ-2025 की तैयारियों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से संवाद किया। सीएम ने बताया कि अधिकारियों को तय समय सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रद्धालुओं को नहीं चलना पड़ेगा पैदल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के साथ केंद्र सरकार के विभाग भी आपसी समन्वय से अपने-अपने कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब महाकुंभ का आयोजन होता है तो उस समय संगम में जल का स्तर 8 से 10 हजार क्यूसेक वाटर होता है। वहीं वर्तमान में सवा दो लाख से 2.5 लाख क्यूसेक वाटर के बीच जलस्तर है। इसे रिसेट होने में 10-12 दिन लग सकते हैं, लेकिन इससे

महाकुंभ-25 की तैयारियों में कोई बाधा नहीं आएगी।

सीएम योगी ने बताया कि अधिकारियों को तय समय सीमा में सभी निर्माण कार्य पूरे करने के निर्देश दिये गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि इस बार महाकुंभ का दायरा पिछले महाकुंभ की तुलना में दो गुने से अधिक क्षेत्रफल में फैला रहेगा। हमारा प्रयास रहेगा कि पीक डे यानी मुख्य पर्व, जो 13 जनवरी से 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेंगे। पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा, शिवरात्रि को छोड़कर शेष अन्य दिनों में किसी भी श्रद्धालुओं को एक किलोमीटर से अधिक पैदल न चलना पड़े। इसके लिए परिवहन निगम की सात हजार से अधिक बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिक बसों की भी व्यवस्था की जाएगी। महाकुंभ-2025 के दौरान प्रयागराज की अलग छटा देखने को मिलेगी। सुरक्षा के भी खास इंतजाम किये जा रहे हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। हम जीरो प्लास्टिक के लक्ष्य को लेकर भी चल रहे हैं। इसके अलावा संगम के सभी ड्रेनेज और सीवर को टेप किया जा चुका है। इन्हें डायवर्ट कर बायोडिग्रेडेशन के माध्यम से शुद्धिकरण करके ही डिस्चार्ज किया जाएगा। सीएम ने कहा कि कुंभ-19 की सफलता में मीडिया की अहम भूमिका थी। इस बार भी उनके सकारात्मक योगदान से महाकुंभ-2025 वैश्विक पटल पर अपनी छाप छोड़ेगा।

मुक्ता गिरी जैन सिद्ध क्षेत्र

जहां आज भी होती है केसर-चंदन की वर्षा

दिगंबर जैनियों का सिद्धक्षेत्र भारत के मध्य में, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है मुक्ता गिरी। मुक्ता गिरी मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आता है। सतपुड़ा पर्वत की श्रृंखला में मन मोहनेवाले घने हरे-भरे वृक्षों के बीच यह क्षेत्र बसा हुआ है। जहां से साढ़े तीन करोड़ मुनिराज मोक्ष गए हैं। इसीलिए कहा जाता है -

अचलापूर की दिशा ईशान तहां मेंढागिरी नाम प्रधान।

साढ़े तीन कोटी मुनीराय तिनके चरण नमु चितलाय।।

जहां 250 फुट की ऊंचाई से जलधारा गिरती है। जिससे जलप्रपात निर्मित हुआ है। निसर्ग के हरे-भरे उन दृश्यों एवं पहाड़ों को देखकर हर मन प्रफुल्लित हो जाता है। इस स्थान को मुक्तागिरी के साथ-साथ मेंढागिरी भी कहा जाता है।

मुक्ता गिरी का इतिहास : एलिचपूर यानी अचलपुर में स्थित मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र को स्व. दानवीर नत्थुसा पासुसा कळमकर ने अपने साथी स्व. रायसाहेब रूखबसंगई तथा स्व. गेंदालालजी हीरालालजी बड़जात्या के साथ मिलकर अंग्रेजों के जमाने में खापर्डे के मालगुजारी से सन् 1928 में यह मुक्तागिरी पहाड़ मंदिरों के साथ खरीदा था। इस मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र का इतिहास काफी रोमहर्षक है।

कहा जाता है कि उस समय शिकार के लिए पहाड़ पर जूते-चप्पल पहन कर जाते थे और जानवरों का शिकार करते थे। इसी वजह से, पवित्रता को ध्यान में रखते हुए यह पहाड़ खरीदा गया।

निर्वाण कांड में उल्लेख है कि इस

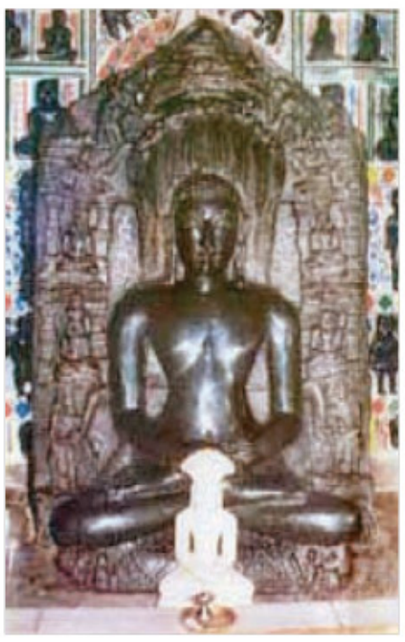

क्षेत्र पर दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का समवशरण आया था। इसीलिए कहा जाता है कि मुक्ता गिरी पर मुक्ता बरसे। शीतलनाथ का डेरा। ऐसा उस वक्त मोतियों की वर्षा होने से इसे मुक्तागिरी कहा जाता है।

एक हजार वर्ष पूर्व मंदिर क्रमांक दस के पास ध्यान मग्न मुनिराज के सामने एक मेंढा पहाड़ की चोटी से गिरा। मुनिराज ने उसके कान में णमोकार मंत्र का उच्चारण किया। वह मेंढा मृत्यु के बाद स्वर्ग में देवगति प्राप्त होते ही मुनि महाराज के दर्शन को आया। तब से हर अष्टमी और चौदस को यहां केसर-चंदन की वर्षा होती है। इसी समय से इसे मेंढागिरी भी कहा जाता है।

जानिए धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा

जहां पहाड़ों से बहती जल की धारा

कटनी-इलाहाबाद रेल मार्ग में सतना से 70 किलोमीटर दूर धारकुंडी में प्रकृति और अध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। सतपुड़ा के पठार की विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित धारकुंडी में प्रकृति की अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पर्वत की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगल के बीच महाराज सच्चिदानंद जी के परमहंस आश्रम ने यहां पर्यटन और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरो कर रख दिया है। यहां बहुमूल्य औषधियां और जीवाश्म भी पाए जाते हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर और दक्ष का प्रसिद्ध संवाद यहीं के एक कुंड में हुआ था जिसे अघमर्षण कुंड कहा जाता है। यह कुंड भूतल से करीब 100 मीटर नीचे है।

धारकुंडी मूलतः दो शब्दों से मिलकर बना है। धार तथा कुंडी यानी जल की धारा और जलकुंड। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दो पर्वत की संधियों से प्रस्फुटित होकर प्रवाहित होने वाली जल की निर्मल धारा यहां एक प्राकृतिक जलकुंड का निर्माण करती है।

समुद्र तल से 1050 फुट ऊपर स्थित धारकुंडी में प्रकृति का स्वर्गिक सौंदर्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत उपलब्ध कराता है। यहां जनवरी में जहां न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री रहता है वहीं अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहता है। जून माह में न्यूनतम 20 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहता है।

योगिराज स्वामी परमानंद जी परमहंस जी के सान्निध्य में सच्चिदानंद जी ने चित्रकूट के अनुसूया आश्रम में करीब 11 वर्ष साधना की। इसके बाद सच्चिदानंद जी महाराज 1956 में यहां आए और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को आश्रम के माध्यम से एक सार्थक रूप दिया। उनके आश्रम में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की मुफ्त में उत्तम व्यवस्था है।

विशेष है कि महाराज जी अपने खेतों में उपजे अन्न से ही अपने आगंतुकों को भोजन कराते हैं। भागम-भाग भरे जीवन के बीच कुछ दिन यहां आकर व्यक्ति को अध्यात्म और शांति का अनुपम अनुभव हो सकता है।

प्रकृति प्रेमी आध्यात्मिक लोग मध्य प्रदेश के सतना से यहां आ सकते हैं। सतना से प्रतिदिन एक बस यहां जाती है। इसके अलावा सतना के बस स्टैंड में स्थित परमहंस आश्रम की शाखा से भी यहां जाने के लिए जानकारी मिल सकती है। घनघोर जंगल, पर्वतों और झरनों के बीच स्थित परमहंस आश्रम में साधना के लिए योगी पुरुषों का आवागमन होते रहता है।

यहां आकर जीवन ठहर सा जाता है। मन को सुकून मिलता है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का तो कोई जवाब नहीं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है यहां का परमहंस आश्रम। पूज्य सच्चिदानंद जी के अध्यात्म ने धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा को दैवीय बना दिया है। जिसका अनुभव प्रकृति प्रेमी व्यक्तियों को जरूर लेना चाहिए।

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

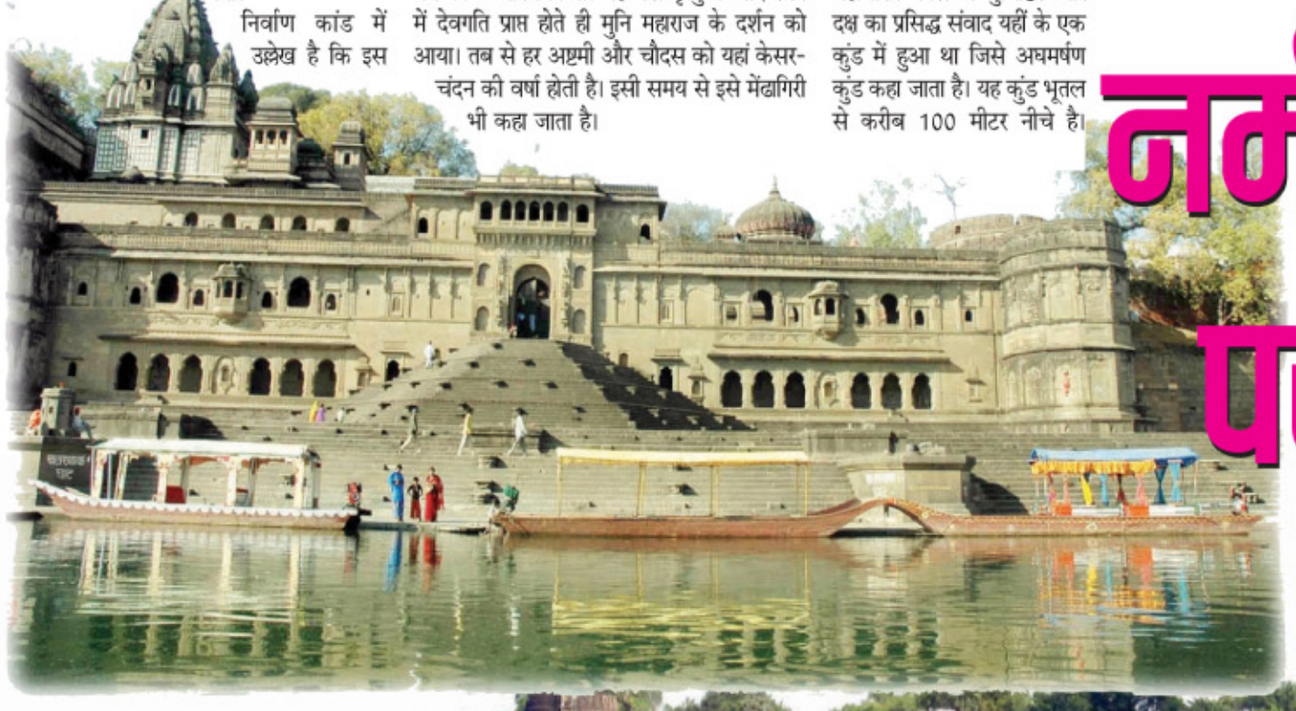

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं।

ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं।

इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं।

सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णतः घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं।

पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

गर्दन की चोट के कारण ब्राजील के विश्व कप क्वालीफायर से बाहर हुए विनीसियस जूनियर

एजेंसी

साओ पाउलो। ब्राजील के फारवर्ड विनिसियस जूनियर चोट के कारण चिली और पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर मैचों में नहीं खेल पाएंगे, जिससे वह टीम में प्रतिस्थापित होने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। ब्राजील फुटबॉल संघ (सीबीएफ) ने उक्त जानकारी दी। विनिसियस जूनियर के क्लब रियल मैड्रिड ने कहा कि विलारियल के खिलाफ 2-0 की घरेलू जीत के दौरान विनीसियस को गर्दन में चोट लग गई थी। सीबीएफ ने एक बयान में कहा कि फुलहम के मिडफील्डर एंड्रियास परेरा को उनकी जगह लेने के लिए बुलाया गया है। विनीसियस की चोट ने कोच डोरिवल जूनियर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि आठ मैचों के बाद 10 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ के विश्व कप क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील को 10 अक्टूबर को सैंटियागो में चिली का सामना करना है, उसके बाद पांच दिन बाद ब्रासीलिया में पेरू की मेजबानी करनी है। 10 टीमों में से शीर्ष छह टीमें विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करती हैं। डोरिवल को पहले ही लुकास बेरात्ल्डो, वेवर्टन और एलेक्स टेल्स को ब्रेमर, एलिसन और गिलहर्मे अराना की जगह लेने के लिए बुलाना पड़ा था, जो सभी चोटिल हैं।

अम्पायरिंग-स्कोरिंग परीक्षा परिणाम में 14 प्रतियोगी उत्तीर्ण

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा गत माह आठ सितम्बर को आयोजित डिस्ट्रिक्ट पैनल अम्पायरिंग एवं स्कोरिंग परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। दोनों परीक्षा में सात-सात प्रतियोगी उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें नेहा श्रीवास्तव, खुर्शीद अहमद राईन, आशीष सिंह और आरिफ सिद्दीकी ऐसे प्रतियोगी हैं जो दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित हुए हैं।इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा के अनुसार परीक्षा के पर्यवेक्षक वाराणसी के राज्य पैनल अम्पायर आरपी गुप्ता ने उत्तर पुस्तिका जांचने के बाद जिन प्रतियोगियों को उत्तीर्ण घोषित किया है, उसमें अम्पायरिंग परीक्षा में नेहा श्रीवास्तव, खुर्शीद अहमद राईन, आशीष सिंह, आरिफ सिद्दीकी, सिद्धार्थ कृष्ण रावत, मोहसिन अली और अजय कुमार एवं स्कोरिंग परीक्षा में नेहा श्रीवास्तव, खुर्शीद अहमद राईन, आशीष सिंह, आरिफ सिद्दीकी, उमंग मिश्र, मोहम्मद सैफ एवं हितेश कुमार श्रीवास्तव शामिल हैं। सभी को इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक ताहिर हसन, आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी कौटिल्य, यासर हसन, डॉ.जूली ओझा एवं एलबी काला, सोमेश्वर पांडेय ने बधाई दी है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पहुंचे श्रीनगर

श्रीनगर। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के अंतिम चरण में भाग लेने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी श्रीनगर पहुंच गये है।अधिकारियों ने आज यहां बताया कि बुधवार नौ अक्टूबर से बख्शी स्टेडियम में होने वाली एलएलसी के लिए अधिकांश खिलाड़ी पहुंच गये है और श्रीनगर पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद कैफ, शिखर धवन, दिनेश कार्तिक, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, क्रिस गेल, रॉस टेलर, इयान बेल सहित 124 पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे पहली बार कश्मीर में मैच खेलेंगे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्रिस गेल ने एक वीडियो संदेश में कहा, हैलो श्रीनगर, यूनिवर्स बॉस शहर में है यूनिवर्स बॉस को देखने के लिए अपने टिकट बुक करें..आम श्रीनगर आपकी तलाश कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि बख्शी स्टेडियम श्रीनगर में मेगा क्रिकेट आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि यह कश्मीर के लोगों के लिए लगभग 40 वर्षों में पहली बार स्टेडियम में आकर लाइव क्रिकेट एक्शन देखने का एक बड़ा अवसर है।

मोहसीन ने होण्डा इंडिया टैलेंट कप में दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

चेन्नई। मलप्पुरम के मोहसीन पराम्बन ने शानदार परफोर्मेन्स के साथ आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर 2024 सीज़न का समापन जीत के साथ किया। उन्होने दस रेसों में सात जीतों के साथ सीज़न पूरा किया। मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (चेन्नई) में आज की 8-लैप की रेस में मोहसीन ने मजबूत शुरूआत की। हालांकि उनकी मशीन में मैकेनिकल खराबी होने की वजह से वे कुछ धीमे हो गए। तभी सेविअन बाबू ने निर्णायक कदम उठाया और तेज़ी से एक्सेलरेट करते हुए इस कड़े मुकाबले में बढ़त ले ली। फाइनल रेस में सेविअन का प्रदर्शन शानदार रहा, जिन्होंने 15:03.809 के कुल टाईम के साथ पहले पॉज़िशन पर चैकर्ड लाईन पार की और उनका सर्वश्रेष्ठ लैप टाईम 1:51.260 रहा। रोमांचक रेस के बीच मोहसीन पराम्बन ने अपनी क्षमता का परिचय देते हुए दूसरे और तीसरे स्थान के लिए मुकाबला तेज़ कर दिया। अपने मजबूत इरादे के साथ उन्होंने 15:10.876 के कुल टाईम के साथ दूसरे पॉज़िशन पर रेस फिनिश की, उनका सर्वश्रेष्ठ लैप टाईम 1:52.171 रहा।

पहले टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

ग्वालियर। भारत ने तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को सात विकेट से मात दी है।पहले भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान बल्लेबाजों की परीक्षा ली और टीम को 127 पर ऑलआउट कर दिया।इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की बखिय उधेड़ी और 49 गेंद शेष रहते 128 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। हार्दिक पांड्या ने छक्का मारकर टीम को जीत दिलाई।128 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम जल्दबाजी में थी और अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने तेजी से रन बनाने शुरू किए। हालांकि अभिषेक जल्दी ही रन आउट हो गए। उन्होंने 7 गेंदों में 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाए। संजू ने 19 गेंदों में 29 रन बनाए। अपनी पारी में संजू ने

6 चौके लगाए। जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 14 गेंदों में 29 रन ठोक डाले। इस दौरान सूर्या ने 3 छक्के और 2 चौके लगाए। आखिर में पांड्या ने 16 गेंदों में नाबाद 39 रन और नीतीश रेड्डी ने नाबाद 16 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। भारत ने 11.5 ओवरों में 3 विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश के लिए मुस्तफिजुर रहमान और मेहदी हसन मिराज को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम 19.5 ओवरों में ऑल आउट होने तक 127 रन बनाए। इस दौरान मेहदी हसन मिराज ने 35 रनों की अच्छी पारी खेली। उन्होंने 32 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके लगाए।

जाकिर अली ने एक छक्के की मदद से 8 रन बनाए। कप्तान शंटो ने 25 गेंदों में 27 रन का योगदान किया। आखिर में तस्कीन अहमद के 12 रन और परवेज हुसैन के 8 रन की मदद से टीम 127 तक पहुंच सकी। भारत के लिए अर्शदीप सिंह और वरुण चौधरी ने 3-3 विकेट लिए। जबकि मयंक यादव, हार्दिक पांड्या और वाशिंगटन सुंदर को 1-1 सफलता मिली।

तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी करना मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा : वरुण चक्रवर्ती

एजेंसी

ग्वालियर। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी करना उनके लिए पुनर्जन्म जैसा था। वरुण ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले टी20आई मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे, जहां उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में तीन विकेट लिए। ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने से पहले वरुण आखिरी बार 2021 में स्कॉटलैंड के खिलाफ भारत के लिए खेले थे। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20आई मैच की समाप्ति के बाद वरुण ने कहा कि तीन साल बाद भारत के लिए खेलना उनके लिए भावनात्मक था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए किसी को अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में बने रहने की जरूरत है। वरुण ने कहा, तीन लंबे सालों के बाद यह मेरे लिए निश्चित रूप से भावनात्मक था और ब्लूज़ में वापस आकर अच्छा लग रहा है, यह पुनर्जन्म जैसा लगता है। कई चुनौतियाँ रही हैं। एक बार जब आप भारतीय टीम में नहीं होते हैं, तो लोग आपको बहुत आसानी से खारिज कर देते हैं। आपको उच्चतम स्तर पर बने रहने की जरूरत होती है,

बार-बार आपको दरवाज़ा खटखटाना पड़ता है। शुक्र है कि इस बार ऐसा हुआ और उम्मीद है कि मैं अपना अच्छा काम जारी रख पाऊँगा। उन्होंने कहा, मैं बस प्रक्रिया से जुड़ा रहना चाहता हूँ क्योंकि मैं आईपीएल में भी इसी का पालन करता रहा हूँ। इसलिए मैं अभी जो है उससे आगे नहीं जाना चाहता। मैं बस वर्तमान में रहना चाहता हूँ। इसलिए मैं बहुत ज़्यादा सोचना या बहुत ज़्यादा व्यक्त करना नहीं चाहता।

जीत ही नहीं, हार भी देती है नए प्रोत्साहन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में 36वें अखिल भारतीय एडवोकेट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने देश भर से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए अधिवक्ताओं को खेल में टीम भावना के महत्व के बारे में नसीहत दी। उन्होंने कहा कि खेल हम सबको एक टीम की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। हमारे पास टीम वर्क की क्षमता है तो हमारी सफलता की गुंजाइश उतनी ही ज्यादा हो जाती है।

लेकिन यदि हम टीम वर्क नहीं कर पा रहे हैं तो हमारे असफल होने की गुंजाइश भी उतनी ही ज्यादा हो जाती है। उन्होंने कहा कि हर जीत हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, लेकिन हर हार भी हमारे सामने एक नया सबक होती है और हमें और भी नए प्रोत्साहन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने प्रतियोगिता में प्रदान की जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया। उन्होंने प्रतियोगिता

में प्रतिभाग कर रही सभी टीमों के कप्तानों के साथ ग्रुप फोटो शूट भी कराया और उन्हें किट का भी वितरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल हम सबको जोड़ने का काम करता है और फिर जब यह आयोजन हमारे राज्य में हो तो हमारा नैतिक दायित्व भी बनता है कि हम इससे प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहभागी बनें और इस आयोजन को प्रोत्साहित करें। और जब प्रतिष्ठित टीमें इसमें भाग ले रही हैं, जिसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बेंच भी हो और बार भी हो, तो यह न केवल रोचक होता है, बल्कि लोगों को एक प्रेरणा भी देता है।

टीम इंडिया की जीत पर ग्वालियर में मना जश्न, तिरंगा लेकर झूमे प्रशंसक

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में नवनिर्मित श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में रविवार की रात भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैच की टी-20 श्रृंखला का पहला मुकाबला खेला गया। भारत ने यह मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में भारत ने 11.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की जीत के बाद शहर में जमकर जश्न मना। स्टेडियम से बाहर निकले प्रशंसक तिरंगा लेकर झूमने लगे। उन्होंने इंडिया-इंडिया के नारे लगाए।

दरअसल, ग्वालियर में 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेला गया। श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में भारत-बांग्लादेश के बीच हुए इस मुकाबले को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। मैच को देखने जबलपुर, छिंदवाड़ा समेत अन्य शहरों से भी लोग पहुंचे। दूसरे राज्यों से दर्शक

यहां आए थे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद रहे। उन्होंने दर्शकों का अभिवादन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के लिए यह गौरवशाली क्षण है।

ग्लोबल सुपर लीग टी-20 का उद्घाटन संस्करण 26 नवंबर से

एजेंसी

गुयाना। एक नए क्रिकेट टूर्नामेंट ग्लोबल सुपर लीग टी-20 का पहला संस्करण 26 नवंबर से 7 दिसंबर 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें पांच अलग-अलग देशों की पांच टीमें 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की महत्वपूर्ण पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस आयोजन में गुयाना अमेजन वॉरियर्स और दुनिया भर की चार अन्य स्थापित टी20 टीमें भाग लेंगी। आयोजकों ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

यह दक्षिण अमेरिका का पहला स्टैंडअलोन क्रिकेट आयोजन होगा और इसे क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा मंजूरी दी गई है और गुयाना सरकार द्वारा इसका पूरा समर्थन किया जाता है, जो इस टूर्नामेंट में एक प्रमुख हितधारक होगी। इस आयोजन में 11 मैचों की एक मिनी लीग होगी, जिसमें प्रत्येक टीम चार मैच खेलेगी और शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। सभी मैच प्रोविडेंस के गुयाना नेशनल स्टेडियम में होंगे, यह टूर्नामेंट सालाना आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर की अलग-अलग टीमों को हर सीजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। गुयाना के सहकारी गणराज्य के अध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान अली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ग्लोबल सुपर लीग को गुयाना सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है क्योंकि हम एक विश्व स्तरीय खेल पर्यटन उत्पाद बना रहे हैं। क्रिकेट हमारे सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा है, यह एकता की शक्ति है, हमारी विरासत का हिस्सा है और पर्यटन पर विशेष जोर देते हुए आर्थिक विविधीकरण में हमारे रणनीतिक उद्देश्य का अभिन्न अंग है।

चूंकि गुयाना खुद को ऊर्जा, खाद्य और जलवायु परिदृश्य में एक वैश्विक आकार देने वाले के रूप में स्थापित करता है, इसलिए हम इस मंच का उपयोग अपने तटों पर एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट लाने के लिए करेंगे। ग्लोबल सुपर लीग के अध्यक्ष सर क्लाइव लॉयड ने कहा, मैं इस रोमांचक नए आयोजन में दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों का स्वागत करना चाहता हूँ। गुयाना में क्रिकेट के प्रति जुनून दुनिया भर के प्रशंसकों के जुनून से कहीं ज़्यादा है, और हम खेल और अपने समृद्ध और जीवंत देश के प्रति अपने प्यार का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं, जो व्यक्तिगत रूप से आने वाले और दुनिया भर से देखने वाले दोनों के साथ हैं।

हमारे बल्लेबाजों को नहीं पता कि 180 रन कैसे बनाएं - नजमुल हुसैन शांतो

एजेंसी

ग्वालियर। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने स्वीकार किया कि पावरप्ले का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में उनकी विफलता टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्हें नुकसान पहुंचा रही है।

भारत ने ग्वालियर में तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को 49 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश के लिए पावरप्ले में यह एक और विफलता थी क्योंकि बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद उन्हें पहले छह ओवरों में केवल 39 रन मिले और अंततः 127 रन पर आउट हो गए। दूसरी ओर, भारत ने पावरप्ले में 71 रन बनाए और 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। पावरप्ले बल्लेबाजी काफी समय से टी20आई में बांग्लादेश के लिए एक समस्या रही है और उनका संघर्ष जारी रहा, साथ ही टीम लंबे समय तक अपने ओपनिंग संयोजन से भी जूझती रही। लिटन दास (4) ने पहले ओवर में एक लापरवाह शॉट खेला जिससे वह पवेलियन लौट गए, जबकि परवेज हुसैन इमोन, जो कुछ समय बाद टी20आई क्रिकेट में लौटे थे, अर्शदीप की गेंद पर बोल्ड हो गए। इस मैच में बांग्लादेश की ओपनिंग साझेदारी केवल 5 रन की थी। कुल मिलाकर, बांग्लादेश के लिए पिछली आठ पारियों में सलामी साझेदारी ने केवल 69 रन का योगदान दिया है, जिसमें उच्चतम 35 रन है, जो टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय रहा है। माधव राव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में पहले मैच के बाद नजमुल ने संवाददाताओं से कहा, पावरप्ले निश्चित रूप से चिंता का विषय है। हमने खेल से पहले जिस दृष्टिकोण के बारे में बात की थी, वह यह था कि अगर हम बल्ले से अच्छी शुरुआत करते हैं तो हमें फायदा होगा। हमें पहले छह ओवरों में विकेट बचाए रखने होंगे और उनमें रन बनाने होंगे। अन्यथा, जो अगले बल्लेबाज आएंगे, उनके लिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। हमने पावरप्ले में संघर्ष किया है। पावरप्ले में बल्लेबाजी करने वालों को अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नजमुल के अनुसार कौशल-सेट और मानसिकता दोनों टीमों के बीच अंतर के मुख्य बिंदु हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम उतनी खराब नहीं है, जितनी भारत के खिलाफ पहले मैच के बाद लग रही थी। नजमुल ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने खराब खेला। हम इससे बेहतर टीम हैं। हमने लंबे समय से इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इतनी खराब टीम हैं। मैं किसी एक खिलाड़ी के बारे में बात नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई ने आज अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हम जिस तरह से स्कोरिंग करते हैं, उसमें आक्रामकता होगी, लेकिन कभी-कभी हमें गेंदों का सही चयन करना होता है।

रियल मैड्रिड के स्टार राइट-बैक डैनी कार्वाजल को करानी होगी घुटने की सर्जरी

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के स्टार राइट-बैक डैनी कार्वाजल को विलारियल के खिलाफ ला लीगा में मैड्रिड के आखिरी मैच के दौरान घुटने में चोट लग गई। स्पैनियार्ड कई वर्षों से लॉस ब्लैंकोस बैक लाइन का नेतृत्व कर रहे हैं और उनकी चोट स्पेनिश क्लब के लिए एक झटका होगी। विलारियल के खिलाफ, रियल मैड्रिड ने 2-0 से जीत हासिल की और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे पहले , रियल मैड्रिड ने एक बयान जारी किया और कहा कि कार्वाजल के दाहिने पैर में पॉप्लिटस टेंडन फट गया है और आने वाले दिनों में उसकी सर्जरी होनी है। रियल मैड्रिड ने कहा, रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा डैनी कार्वाजल पर

किए गए परीक्षणों के बाद, खिलाड़ी के दाहिने पैर में फटे हुए पूर्ववर्ती क्रूसिएट लिगामेंट, फटे हुए बाहरी कोलेटरल लिगामेंट और फटे हुए पॉप्लिटस टेंडन का पता चला है। आने वाले दिनों में उसकी सर्जरी होगी। विलारियल के खिलाफ मैच की समाप्ति के बाद लॉस ब्लैंकोस के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा कि कार्वाजल की चोट पूरी टीम को प्रभावित करेगी।

उन्होंने रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, जब डैनी जैसे खिलाड़ी के साथ ऐसा कुछ होता है, जो हमेशा प्रेरित रहता है, तो इसका असर सभी खिलाड़ियों और पूरी टीम पर पड़ता है। हमें जवाब देना होगा। पिछले साल हमने अपनी चोटों पर बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी थी और इस साल हमें यह सुनिश्चित करने के लिए और प्रयास करने होंगे कि चोटें बाकी टीम के लिए प्रेरणा का स्रोत बनें, जैसा कि पिछले साल हुआ था। रियल मैड्रिड के साथ कार्वाजल ने 427 खेलों में 26 ट्रॉफियाँ हासिल की हैं, जिनमें चैंपियंस लीग (6), क्लब वर्ल्ड कप (5), यूएफा सुपर कप (5), ला लीगा खिताब (4), कोपा डेल रे (2) और स्पेनिश सुपर कप (4) शामिल है। कार्वाजल उन पाँच खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 6 यूरोपीय कप जीते हैं। 1 जून को वेम्बली में उन्हें चैंपियंस लीग फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जब रियल मैड्रिड ने अपना 15वां यूरोपीय कप जीता। अपने आगामी मैच में, रियल मैड्रिड 20 अक्टूबर को ला लीगा में सेल्टा विगो से भिड़ेगा।

महिला टी-20 विश्व कप: भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह कठिन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान को दुबई में पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत के साथ पुनर्जीवित किया, जबकि पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड से 52 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से भारत को ग्रुप ए में अपने पहले अंक मिले, जबकि पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर अपना खाता पहले ही खोल लिया था।ग्रुप-स्टेज के दो मैच बचे हैं, ऐसे में भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए दोनों मैच जीतने होंगे।

प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी और भारत अधिकतम छह अंक तक पहुंच सकता है। उस स्थिति में, यदि न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है, तो भारत के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह अंक पर्याप्त होंगे, बशर्ते पाकिस्तान अपने बचे हुए मैचों में से केवल एक ही जीत ले।

यदि पाकिस्तान और भारत अपने बचे हुए प्रत्येक मैच जीत जाते हैं और न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत जाता है, तो छह अंकों पर तीन-तरफ़ा टाई होगी जिसे नेट रन रेट के माध्यम से हल किया जाएगा।

अगर भारत श्रीलंका को हराने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार जाता है, तो उसकी क्वालीफिकेशन की उम्मीदें दूसरे नतीजों पर निर्भर होंगी। इसके लिए न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों से हारना होगा या

ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना होगा। उस स्थिति में, तीन टीमें चार अंकों पर बराबर होंगी और नेट रन रेट दूसरे क्वालीफायर का निर्धारण करेगा।

महिला टी-20 विश्वकप में वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। ऐफी फ्लेचर (तीन विकेट) उसके बाद किआना जोसेफ (31) और डिएंड्रा डॉटिन (नाबाद 28) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने महिला टी-20 विश्वकप के आठवें मैच में स्कॉटलैंड को 50 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया है।

100 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। स्टेफानी टेलर (चार) और कप्तान हेली मैथ्यूज (आठ) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद शमैन कैंपबेल (दो) रन पर पवेलियन लौट गई। किआना जोसेफ ने पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने 18 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुये (31) रन बनाये। उन्हें नौवें ओवर में ओलिविया

बेल ने आउट किया। डिएंड्रा डॉटिन 15 गेंदों में (नाबाद 28) और शिनेल हेनरी 10 गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज ने 11.4 ओवर में चार विकेट पर 101 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।स्कॉटलैंड की ओर से ओलिविया बेल ने दो विकेट लिये। रेचल स्लेटर और प्रियानाज चटर्जी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 99 के स्कोर पर रोक दिया था। स्कॉटलैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वेस्टइंडीज के गेंदबाज शुरु से ही स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों पर हावी रहे। हेली मैथ्यूज ने 13 रनों के स्कोर पर सस्किया हॉर्ली (11) को डॉटिन के हाथों कैच आउट कराकर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। अभी स्कोर में दो रन जुडे थे कि शिनेल हेनरी ने सेरा ब्राइस (दो) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद कप्तान कैथरीन ब्राइस और एयलसा लिस्टर ने टीम के स्कोर को 59 रन तक पहुंचाया। फ्लेचर ने 12वें ओवर में लिस्टर को रामहैरक के हाथों कैच आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नियमित अंतराल पर स्कॉटलैंड के विकेट गिरते रहे। लॉरना जैक (11) रन बनाकर आउट हुयी और डार्सी कार्टर 14 रन पर नाबाद रही। स्कॉटलैंड निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 99 रन ही बना सकी। लिस्टर ने स्कॉटलैंड के लिए सर्वाधिक 26 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से फ्लेचर ने चार ओवर में 22 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिए। वहीं शिनेल हेनरी , हेली मैथ्यूज , करिश्मा रामहैरक को एक-एक विकेट मिला।

टेम्बा बावुमा चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मैच से बाहर हुए

जेंसी

अबू धाबी। दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा बायीं कोहनी में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। प्रोटियाज मेन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 34 वर्षीय खिलाड़ी बावुमा को दूसरे वनडे के दौरान दक्षिण अफ्रीका की पारी के 12वें ओवर में नॉन-स्ट्राइकर एंड पर डाइव करते समय कोहनी में चोट लगी थी। चोट के कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए। बावुमा मंगलवार को टीम के बाकी सदस्यों के साथ स्वदेश लौटेंगे और विशेषज्ञ से परामर्श करेंगे। उनकी चोट की गंभीरता के बारे में जानकारी समय पर दी जाएगी। रीजा हेंड्रिक्स को उनके प्रतिस्थापन के रूप में बुलाया गया है। प्रोटियाज मेन ने आगे बताया कि सोमवार को होने वाले सीरीज के आखिरी मैच में रासी वैन डेर डुसेन टीम की कप्तानी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका, जिसने पहले ही यह तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है, उसे ऑलराउंडर वियान मुल्डर की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी, वह व्यक्तिगत कारणों से स्वदेश लौट चुके हैं।

कौन हैं एलिस कौशिक

जो सलमान खान के शो में धमाल मचाने वाली हैं

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 18 कुछ ही घंटों में शुरू होने वाला है और इसे लेकर हर कोई एक्साइटेड है. 6 अक्टूबर से सलमान खान 18 नए सिलेब्रिटी कंटेस्टेंट्स के साथ नए सीजन का धमाकेदार आगाज करेंगे. मेकर्स काफी वक्त से सेलेब्रिटीज को शो के लिए अप्रोच कर रहे थे और अब उनके नाम सामने आने शुरू हो गए हैं. एलिस कौशिक इस शो की कंफर्म कंटेस्टेंट हैं.अब ऐसे में आप जानना चाह रहे होंगे कि आखिर एलिस कौशिक कौन हैं, तो आइए आपको बताते हैं. एलिस कौशिक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं. 27 साल की एलिस कौशिक दिल्ली की रहने वाली हैं और उन्होंने एक्टिंग के जरिए अपनी घर-घर पहचान बनाई है.

इस शो से मिली पहचान

एलिस कौशिक को टीवी शो 'पंड्या स्टोर' से पॉपुलैरिटी मिली है. शो में वो राबी पंड्या के किरदार में नजर आई थीं और अपनी एक्टिंग से उन्होंने लोगों के दिलों में एक अलग जगह बना ली. वो दीपिका कक्कड़ के साथ 'ससुराल सिमर का' और 'कहां हम कहां तुम' जैसे टीवी सीरियल में काम किया है.

2015 में किया था डेब्यू

दिल्ली में पली-बढ़ी एलिस अपने सपने पूरे करने के लिए मुंबई आ गई थीं. एलिस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरी की. उनको बचपन से ही एक्टिंग और मॉडलिंग का शौक था. उन्होंने 2015 के टीवी सीरियल 'सूर्यपुत्र कर्ण' से एक्टिंग डेब्यू किया था. इस शो में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया. इसके बाद उन्हें 'कहां हम कहां तुम' में काम करने का मौका मिला.

कंवर ढिल्लों को कर रही हैं डेट

'कहां हम कहां तुम' में एलिस ने नेगेटिव रोल निभाया था. इस शो के सेट से ही एलिस और दीपिका कक्कड़ की बॉन्डिंग काफी अच्छी हो गई.इस शो के बाद ही एलिस पंड्या स्टोर' में नजर आई, जिसमें उनके अपोजिट कंवर ढिल्लों दिखाई दिए थे. इस शो के दौरान ही दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया और अब दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं.

करीना कपूर खान

से बिपाशा और उर्मिला से अक्षय तक, जब-जब सितारों ने लगाए अपने ही नाम पर बने गानों पर ठुमके

बॉलीवुड फिल्मों में कहानी, स्टाकास्ट के साथ-साथ उनके गाने भी एक अहम रोल निभाते हैं. कभी-कभी फिल्म का गाना ही उसकी कहानी का जरूरी हिस्सा होता है. हालांकि, कई बार फिल्मों में ऐसे गाने भी इस्तेमाल किए गए हैं, जिनमें एक्टर्स के नामों के इस्तेमाल किए गए हैं और मजे की बात ये है कि उन गानों पर उसी कलाकार ने एक्ट भी किया है.

अक्षय कुमार

'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' साल 1996 में रिलीज हुई थी. इसमें अक्षय कुमार लीड एक्टर थे. फिल्म में उनके नाम का गाना भी है. इस गाने में अक्षय कुमार और रेखा है, जिसकी लाइन है- 'न हम अमिताभ, न हम दिलीप कुमार, न किसी हीरो के बच्चे ..हम हैं सीधे सादे अक्षय अक्षय'.

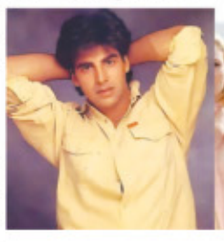

करीना कपूर खान

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल करीना कपूर खान जिन्हें बेबो के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने भी अपने नाम वाले गाने में काम किया है. साल 2009 में अक्षय कुमार के साथ करीना की फिल्म 'कमबख्त इश्क' में' बेबो मैं बेबो, दिल मेरा ले लो' गाना था, जिसमें करीना ने एक्ट किया है.

बिपाशा बासु

इन एक्टर्स में बिपाशा का भी नाम शामिल है, उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म 'जोड़ी ब्रेकर्स' में अपने नाम के गाने पर डांस किया है. गाने की लाइन की बात करें तो, इसके बोल 'बिपाशा बिपाशाञ्आ सिखा दूं तुझे प्यार की भाषा' था.

कादर खान

कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग से लोगों को हंसाने में कामयाब रहे दिग्गज एक्टर कादर खान के नाम पर भी गाना फिल्माया गया है. कादर खान ने साल 1991 में 'प्यार का देवता' में काम किया था. इस फिल्म में 'मेरी दुकान पर आना मेरी जान' गाना था, जिसमें कादर खान के नाम का इस्तेमाल हुआ था.

उर्मिला मतोंडकर

गोविंदा के साथ उर्मिला मतोंडकर ने साल 2000 में 'कुवांरा' फिल्म की थी. इस फिल्म में गोविंदा और उर्मिला का साथ में डांस नंबर है, जिसके बोल 'उर्मिला उर्मिला, दिल में मेरे प्यारवाला गुल खिला' है.

श्रीदेवी

श्रीदेवी ने अपने करियर के शुरुआती फिल्मों के दौरान ही अपने नाम पर फिल्माए गए गाना पर काम कर लिया था. उन्होंने साल 1985 में जितेन्द्र के साथ 'सरफरोश' फिल्म किया था, जिसमें एक गाने के बीच में श्रीदेवी के नाम का इस्तेमाल किया गया था.

वरुण धवन, कृति सेनन और श्रद्धा कपूर के बीच दिखेगा लव ट्रायंगल? डायरेक्टर ने किया खुलासा

'स्त्री 2' ने कमाई के मामले में बड़ी-बड़ी फिल्मों को पछाड़ दिया है. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2' हिंदी सिनेमा की भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी हैं. इतना ही नहीं अभी फिल्म की कमाई का सिलसिला लगातार जारी है. 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर और वरुण धवन के बीच की कैमिस्ट्री को भी काफी पसंद किया गया था, जिसके बाद अब हर कोई स्त्री , भेड़िया और कृति सेनन का क्रॉसओवर देखने के लिए एक्साइटेड हैं. हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक ने इस पर खुलकर बात की.सोशल मीडिया पर अलग-अलग थ्योरी वायरल हो रही हैं. इसी बीच अमर कौशिश ने भी इस ओर इशारा किया है कि भास्कर, अनिका और स्त्री के बीच लव ट्रायंगल दिखाया जा सकता है. 'मेन ऑफ कल्चर' में होस्ट ने डायरेक्टर से सवाल किया कि क्या भेड़िया में वरुण धवन के किरदार भास्कर और स्त्री में श्रद्धा कपूर के बीच कोई पॉसिबल प्रेम कहानी है, जैसा कि स्त्री 2 के एक गाने में दिखाया गया है.

श्रद्धा, वरुण और कृति के बीच होगा लव ट्रायंगल ?

जवाब देते हुए अमर कौशिश ने कहा,हां, है एक डायलॉग जो वरुण कहते हैं: 'वो भी पावरफुल, मैं भी पावरफुल.' डायरेक्टर से आगे पूछा जाता है कि क्या ये सीरियस है ? जिस पर स्त्री 2 के डायरेक्टर कहते हैं, देखो, हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है. इतना ही नहीं डायरेक्टर से तीनों स्टार के बीच लव ट्रायंगल को लेकर भी सवाल किया जाता है. इसपर डायरेक्टर कोई भी कंफर्मेशन नहीं दी है.

'स्त्री 2' साल 2024 की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हुई है. इस फिल्म के किरदारों का काम काफी पसंद किया गया है. अमर कौशिश ने फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन का कैमियो भी रखा था. अक्षय ने कुछ मिनट के रोल से सभी को काफी इंप्रेस किया था. वहीं फिल्म की हर किसी ने खूब तारीफ की है. अब हर किसी को 'स्त्री 3' की अनाउंसमेंट का इंतजार है.

मैं जो लाऊंगा वो भागेगी नहीं- अब सलमान खान का रिश्ता कराएंगे अनिरुद्धाचार्य!

सलमान खान का मोस्ट अवेटेड रियलिटी शो बिग बॉस 18 का आज यानी 6 अक्टूबर से आगाज होने जा रहा है. ये शो कलर्स टीवी और जियो सिनेमा पर रात 9 बजे स्ट्रीम किया जाएगा. हालांकि मेकर्स ऑडियंस की बेसब्री को और भी बढ़ाने के लिए लगातार नए-नए प्रोमो शेयर किए जा रहे हैं. हाल ही में जियो सिनेमा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक प्रोमो पोस्ट किया है, जिसमें इंटरनेट के पूकी बाबा के नाम से फेमस अनिरुद्धाचार्य जी महाराज नजर आ रहे हैं.मोस्ट एलिजिबल बैचलर कहे जाने वाले सलमान खान की शादी का इंतजार हर कोई कर रहा है. लेकिन अब इसका जिम्मा महाराज अनिरुद्धाचार्य ने ले लिया है. ऐसा हम नहीं बल्कि महाराज ने खुद बिग बॉस 18 के नए प्रोमो में कहा है. दरअसल, अनिरुद्धाचार्य बिग बॉस के ग्रैंड प्रीमियर में नजर आने वाले हैं, जिसका प्रोमो शेयर किया जा रहा है. इसमें महाराज शो में आने वाले सभी कंटेस्टेंट से सवाल करते दिख रहे है. इसी प्रोमो में अनिरुद्धाचार्य ने सलमान खान की शादी कराने की बात की है.

सलमान की शादी कराएंगे बाबा

शो में एक कंटेस्टेंट से उन्होंने उनकी उम्र और उनकी शादी के बारे में सवाल किया, जिसके जवाब में कंटेस्टेंट ने बताया कि वो सलमान खान से छोटे हैं और अभी तक उनकी शादी नहीं हुई है. अनिरुद्धाचार्य ने कंटेस्टेंट का जवाब सुनते ही सलमान खान की ओर इशारा किया और कहा कि अब तो दो लड़कियां खोजनी पड़ेगी. इस पर सलमान ने उन्हें शादी करने से इनकार किया, लेकिन महाराज ने उनसे कहा, मैं जो लाऊंगा वो भागेगी नहीं, इस पर सलमान ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे तो भगोड़ी ही चाहिए. हालांकि, इस पूरे प्रोमो के दौरान कंटेस्टेंट की पहचान छिपाई गई है.

सलमान को दिया भगवत गीता

बिग बॉस 18 के ग्रैंड प्रीमियर में महाराज ने सलमान खान को आशीर्वाद देते हुए एक भगवत गीता गिफ्ट की है. इस दौरान की तस्वीर अनिरुद्धाचार्य ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कियाकी है. इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'बिग बॉस 18 के सेट पर घर के अंदर जाने वाले सभी सदस्यों को आशीर्वाद देने के साथ सलमान खान को गीता देकर दिया आशीर्वाद.' कुछ वक्त पहले तक ये भी खबर आ रही थी कि अनिरुद्धाचार्य भी इस शो का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं है, वो सिर्फ प्रीमियर का हिस्सा हैं.